वर्ष-01 ■ अंक-01
पृष्ठ-8 ■ मूल्य-2.00

जबलपुर
मंगलवार ■ 01 सितम्बर 2026
श्रावण, कृष्ण पक्ष एकादशी
विक्रम संवत्-2083

E-mail
dainiksamayjagat@gmail.com
insmjagat@gmail.com

प्रधान संपादक : अशोक त्रिपाठी

दैनिक
समय जगत

जबलपुर, भोपाल, दिल्ली, म.प्र., उ.प्र. और अन्य राज्यों से एक साथ प्रकाशित

एक संदेश-पूरा देश

म.प्र. के सर्वाधिक केंद्रों तक प्रसारित प्रदेश का एकमात्र समाचार पत्र

ईश्वर से अधिक मूल्यवान दुनिया में कुछ भी नहीं...

शीर्ष की ओर 'समय जगत'
Facebook asksamayjagat
Instagram @asksamayjagat
Twitter @asksamayjagat
यूट्यूब पर 'खबर समय जगत' को भी सब्सक्राइब करें
samayjagat.in

7.8 प्रतिशत की जीडीपी वृद्धि को मोदी ने बताया असाधारण उपलब्धि

नई दिल्ल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि को लेकर ट्वीट किया है। उन्होंने 7.8 फीसदी की इस वृद्धि को एक असाधारण उपलब्धि बताया है। यह आंकड़ा देश की मजबूत आर्थिक स्थिति को दर्शाता है और वैश्विक मंच पर भारत की बढ़ती ताकत का प्रमाण है। प्रधानमंत्री ने अपने ट्वीट में कहा कि यह वृद्धि देश के लोगों की सामूहिक शक्ति का परिणाम है। वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच तेल की कीमतों में झटके और आपूर्ति श्रृंखला की समस्याओं के बावजूद भारत ने यह वृद्धि हासिल की। उन्होंने कहा कि निराशावादी विफल हुए और भारत एक बार फिर फला-फूला। यह वृद्धि दर कई विकसित देशों से बेहतर है। यह उच्च वृद्धि ऐसे समय में आई है जब दुनिया भर में आर्थिक चुनौतियां बनी हुई हैं। तेल की बढ़ती कीमतें और आपूर्ति श्रृंखला में बाधाएं वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर रही हैं। इसके बावजूद भारत ने मजबूत आर्थिक प्रदर्शन किया है। यह देश की आंतरिक मजबूती और सरकार की नीतियों का परिणाम है। यह आंकड़ा भारत के आर्थिक लचीलेपन को दर्शाता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने इस वृद्धि को देश के लोगों की सामूहिक शक्ति का प्रतीक बताया है। उनका संदेश है कि विपरीत परिस्थितियों में भी भारत ने अपनी आर्थिक गति बनाए रखी है। उन्होंने निराशावादियों को जवाब देते हुए देश के उज्ज्वल भविष्य का संकेत दिया। यह ट्वीट देश की आर्थिक प्रगति पर गहरा विश्वास व्यक्त करता है।

वित्त मंत्री ने जीडीपी के ताजा आंकड़ों पर क्या प्रतिक्रिया दी?

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी देश की जीडीपी पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा है कि पहली तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर 7.8 फीसदी रही है। निर्मला सीतारमण ने इस मजबूत आर्थिक प्रदर्शन का श्रेय एनडीए सरकार के सुधारों को दिया। उन्होंने अर्थव्यवस्था के चुस्त प्रबंधन को भी इसका एक प्रमुख कारण बताया। वित्त मंत्री के अनुसार, इन प्रयासों के सकारात्मक परिणाम अब सामने आ रहे हैं। यह वृद्धि दर मौजूदा आर्थिक नीतियों की सफलता को दर्शाती है। सरकार के नीतिगत निर्णय और उनका प्रभावी क्रियान्वयन आर्थिक प्रगति में सहायक सिद्ध हुए हैं। यह आंकड़ा देश की आर्थिक मजबूती का संकेत देता है।

प्रधानमंत्री के आव्हान पर मध्यप्रदेश में नशामुक्त भारत अभियान को मिली गति

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में किए जा रहे निरंतर प्रयास

समय जगत, भोपाल। भारत की युवा शक्ति देश की सबसे बड़ी पूंजी है। युवाओं की ऊर्जा, क्षमता और प्रतिभा को सही दिशा देना राष्ट्र निर्माण की सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है। नशे की बढ़ती प्रवृत्ति केवल व्यक्ति या परिवार की समस्या नहीं है, बल्कि यह समाज और राष्ट्र के भविष्य से जुड़ी एक गंभीर सामाजिक चुनौती है। इसी सोच के साथ प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर देशभर में नशामुक्त भारत अभियान संचालित किया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य केवल नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता पैदा करना नहीं, बल्कि समाज की सामूहिक शक्ति के माध्यम से नशे की गिरफ्त में आए लोगों को उपचार, परामर्श और पुनर्वास उपलब्ध कराकर उन्हें मुख्यधारा में वापस लाना भी है।

मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में नशामुक्त भारत अभियान को जनआंदोलन का स्वरूप देने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। राज्य सरकार ने सामाजिक सहभागिता, जनजागरूकता, उपचार, पुनर्वास और संस्थागत समन्वय को अभियान का आधार बनाया है। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाहा के मार्गदर्शन में विभाग द्वारा नशे के विरुद्ध व्यापक स्तर पर गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य को प्रभावित करने के साथ ही उसके परिवार, आर्थिक स्थिति और सामाजिक जीवन को भी गंभीर रूप से प्रभावित करता है। युवा पीढ़ी को नशे से बचाना और नशे की चपेट में आ चुके लोगों को सम्मानपूर्वक नया जीवन देना सरकार और समाज दोनों की साझा जिम्मेदारी है। राज्य सरकार ने इस चुनौती को केवल प्रशासनिक दृष्टि से नहीं देखा है। अभियान में शैक्षणिक संस्थानों, सामाजिक संगठनों, धार्मिक संस्थाओं, स्वयंसेवी संगठनों, युवाओं, विद्यार्थियों और आम नागरिकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का प्रयास किया गया है। यही सामूहिकता नशामुक्ति अभियान की सबसे बड़ी ताकत बनकर सामने आई है।

जनजागरूकता के लिए 213 पंजीकृत संस्थाएं

राज्य में नशामुक्ति के संबंध में व्यापक जनजागरूकता के लिए 213 पंजीकृत संस्थाएं कार्यरत हैं। इन संस्थाओं की भूमिका नशे के दुष्परिणामों के प्रति लोगों को जागरूक करने के साथ-साथ प्रभावित व्यक्तियों और उनके परिवारों तक सहायता पहुंचाने की भी है। नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत मध्यप्रदेश द्वारा किए गए प्रभावी प्रयासों को राष्ट्रीय स्तर पर भी सराहना मिली है। वर्ष 2023-24 के लिए संस्थागत पुरस्कार श्रेणी में शहीद भगत सेवा समिति, रीवा तथा व्यक्तिगत श्रेणी में श्री राजीव तिवारी, मुक्ति नशामुक्ति केंद्र, भोपाल को सम्मानित किया गया। 13 अगस्त 2025 को भोपाल स्थित रवीन्द्र भवन में आयोजित राज्य स्तरीय नशामुक्ति शपथ ग्रहण समारोह में इन प्रयासों और उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों एवं संस्थाओं को सम्मानित किया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा- भव्य रामराजा लोक से निखरेगी बुंदेलखंड की पहचान

धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने हम हैं प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

समय जगत, निवाड़ी/ भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि ओरछा को पर्यटन के अद्भुत केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। ओरछा का राम राजा मंदिर हमारे गौरवशाली अतीत की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संपदा है। यहां के मंदिर एवं महल तत्कालीन समृद्ध स्थापत्य के प्रत्यक्ष उदाहरण हैं, जो हमें हमारी प्राचीन धरोहर और संस्कृति से जोड़े रखते हैं। ये तत्कालीन उन्नत तकनीक और स्थापत्य के भी अद्भुत उदाहरण हैं, पहले एअर कंडीशनर नहीं होते थे, लेकिन यहां के भवन वातानुकूलित बने है, जो गर्मी में ठंडे और ठंड में गर्मी का एहसास कराते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आज ओरछा स्थित ऐतिहासिक एवं आस्था के प्रमुख केन्द्र श्री रामराजा लोक में जारी निर्माण कार्यों का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारियों को कार्यों को गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निरीक्षण के बाद मीडिया से चर्चा में यह विचार-व्यक्त किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्माणाधीन रामराजा लोक परिसर में विभिन्न प्रतिष्ठानों का निरीक्षण करते हुए प्रतिष्ठान संचालकों से संवाद किया तथा उनकी समस्याओं और सुझावों को सुना। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को प्राप्त समस्याओं के निराकरण के लिए आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जुझार सिंह महल में चल रहे निर्माण तथा जीर्णोद्धार कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने जहांगीर महल का भ्रमण कर यहां की ऐतिहासिक एवं समृद्ध स्थापत्य कला का अवलोकन भी किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव को निरीक्षण के दौरान आर्किटेक्ट द्वारा मंदिर परिसर स्थित प्राचीन एवं ऐतिहासिक 'सावन-भादो' स्तंभों के संरक्षण एवं उनके स्थापत्य महत्व के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। बताया कि रामराजा लोक की संरचना एवं विकास कार्यों को आकार देते समय मंदिर परिसर की प्राचीन धरोहरों, विशेषकर 'सावन-भादो' स्तंभों के मूल स्वरूप एवं ऐतिहासिक महत्व का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। बुंदेलखंड की विशिष्ट स्थापत्य कला के प्रतीक इन प्राचीन स्तंभों की संरचना एवं निर्माण शैली अपने समय की उन्नत तकनीक को दर्शाती है। नए निर्माण कार्यों के दौरान इन प्राचीन संरचनाओं को किसी प्रकार की क्षति नही पहुंचे, इसका विशेष ध्यान रखते हुए उनके आसपास के क्षेत्र को व्यवस्थित, सुंदर एवं श्रद्धालुओं के लिए सुगम बनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारे गौरवशाली बुन्देला राजाओं का ओरछा बुंदेलखंड की राजधानी के रूप पहचाना जाता था। यहां के प्राचीन महल और भवन, हमारी समृद्ध विरासत हैं, उसे जीवंत करने के लिए सरकार काम कर रही है। तत्कालीन समय में निर्माण कार्यों में जिस प्रकार की सामग्री लगाई जाती थी, उसी सामग्री से भवनों का जीर्णोद्धार कराया जा रहा है। सरकार का उद्देश्य यह है कि हमारे गौरवशाली अतीत के प्रतीक ये भवन उसी स्वरूप में दिखें जिस स्वरूप में वह वर्षों पहले थे। इसके लिए हमारे अधिकारियों के नेतृत्व और मार्गदर्शन में कुशल कारीगर काम कर रहे हैं। हमारी गौरवशाली विरासत को धार्मिक सांस्कृतिक भावनाओं के अनुरूप आने वाली पीढ़ियों से जोड़ने और उन्हें इस अतीत से परिचित कराने के लिए विभिन्न गतिविधियां संचालित हैं, इन्हें संरक्षित करना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। ओरछा में भव्य श्री रामराजा लोक का निर्माण किया जा रहा है, जो आने वाले समय में देश-दुनिया के श्रद्धालुओं के लिए प्रमुख तीर्थस्थल बनेगा। इस अवसर पर शिवप्रकाश, वरिष्ठ विधायक हेमंत खंडेलवाल, राज्यसभा सांसद महेश केवट, पूर्व गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा, विधायक निवाड़ी अनिल जैन, राजेश पटेरिया, अन्य जनप्रतिनिधि, कमिश्नर सागर अनिल सुचारी, आईजी मिथलेश शुक्ला, जिले के वरिष्ठ प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

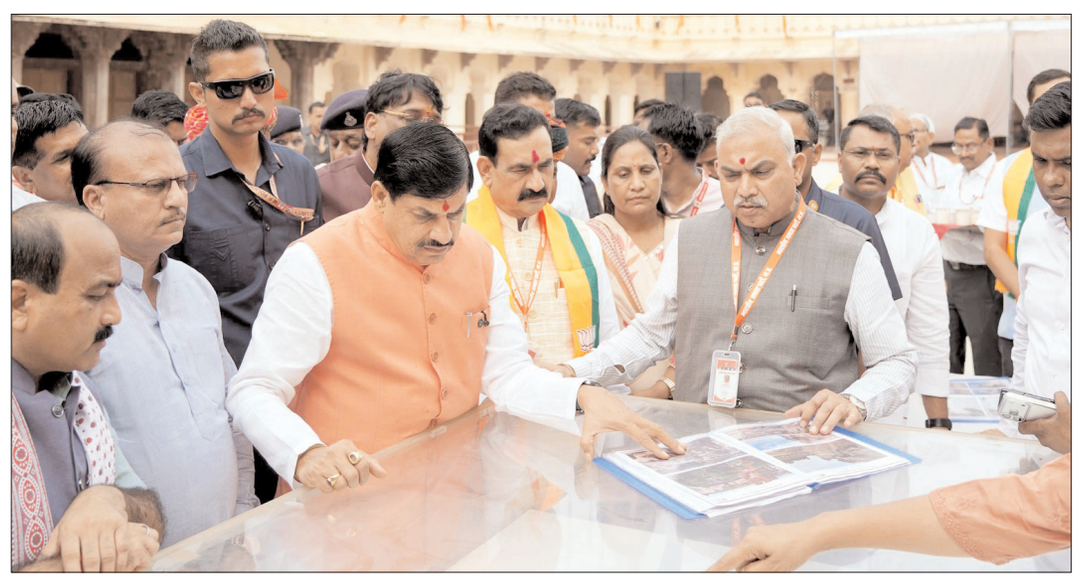

महाकाल लोक के बाद संवरा उज्जैन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि श्री महाकाल महालोक के निर्माण के बाद उज्जैन आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, उज्जैन की अर्थव्यवस्था में बड़ा बदलाव आया है। इसी तर्ज पर मध्यप्रदेश के प्रमुख तीर्थस्थलों जैसे ओरछा, चित्रकूट, दतिया, नलखेड़ा, पशुपतिनाथ मंदसौर आदि का भी समग्र विकास किया जा रहा है। इससे धार्मिक पर्यटन को प्रोत्साहन मिलेगा और स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। भगवान श्रीराम ने अपने 14 वर्ष के वनवास में, लम्बी अवधि चित्रकूट में व्यतीत की। भगवान श्रीकृष्ण की जहां शिक्षा भी हुई, उज्जैन के सांदीपनि आश्रम सहित भगवान श्रीकृष्ण की जहां-जहां लीलाएं हुईं, उन सब स्थानों को तीर्थ के रूप में विकसित किया जाएगा।

एक लाख से अधिक विद्यार्थियों को लैपटॉप के लिए आज मिलेंगे 25-25 हजार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज करेंगे राशि का करेंगे अंतरण

समय जगत, भोपाल। कक्षा 12वीं में प्रथम प्रयास में 75 प्रतिशत या अधिक अंक पाने वाले प्रदेश के मेधावी विद्यार्थियों का आधुनिक तकनीक से जुड़ने का सपना जल्द ही पूरा होने जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव प्रदेश के लगभग 1 लाख 22 हजार विद्यार्थियों को लैपटॉप खरीदने के लिए 25-25 हजार रुपये की राशि का अंतरण करेंगे। विद्यार्थियों को यह राशि 1 सितंबर को कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर, भोपाल में आयोजित लैपटॉप क्रय के लिये राशि वितरण कार्यक्रम के दौरान प्रदान की जाएगी। प्रदेश सरकार द्वारा विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने और उन्हें डिजिटल तकनीक से जोड़ने के उद्देश्य से स्कूल शिक्षा विभाग के माध्यम से प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना चलाई जा रही है। इसके अंतर्गत कक्षा 12वीं की परीक्षा में पहले ही प्रयास में 75 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले प्रत्येक पात्र विद्यार्थी को लैपटॉप खरीदने के लिए 25 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाती है। प्रदेश सरकार द्वारा योजना के अंतर्गत इस वर्ष प्रदेश के लगभग 1 लाख 22 हजार विद्यार्थियों को लाभान्वित किया जा रहा है। प्रत्येक विद्यार्थी के खाते में 25 हजार रुपये की राशि अंतरित की जाएगी। इस प्रकार विद्यार्थियों को कुल 304 करोड़ 98 लाख 50 हजार रुपये से अधिक की राशि का अंतरण किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि प्रदेश सरकार की यह पहल प्रदेश के मेधावी विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए आवश्यक डिजिटल संसाधन उपलब्ध कराने के साथ-साथ उन्हें आधुनिक तकनीक से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

समसामयिक

नौसेना में कमीशन हुआ आईएनएस निपुण

समुद्र की गहराइयों में बढ़ेगी भारत की ताकत

नई दिल्ली। इंडियन नेवी ने मुंबई स्थित नौसेना डॉकयार्ड में स्वदेशी डाइविंग सपोर्ट वेसल आईएनएस निपुण को अपने बेड़े में शामिल कर लिया है। हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा स्वदेशी तकनीक से तैयार आईएनएस निपुण गहरे समुद्र के अंदर किसी भी मिशन को अंजाम दे सकता है। नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्ण स्वामीनाथन की अध्यक्षता में आयोजित उद्घाटन समारोह के साथ ही पश्चिमी नौसेना को आईएनएस निस्तार के समकक्ष एक समर्पित डाइविंग सपोर्ट वेसल मिल गया है। बताते चलें कि आईएनएस निस्तार पिछले साल जुलाई में बेड़े में शामिल किए जाने के बाद से पूर्वी नौसेना कमान के तहत अपनी सेवाएं दे रहा है। विशाखापत्तनम के हिंदुस्तान शिपयार्ड द्वारा निर्मित और 75 प्रतिशत स्वदेशी सामग्री से बना 8,500 टन का यह पोत 300 मीटर की गहराई तक संतृप्त गोताखोरी और संकटग्रस्त पनडुब्बियों से चालकों को सुरक्षित निकालने जैसे कठिन मिशनों को अंजाम देने में सक्षम है। यह जहाज समुद्र में 300 मीटर तक की गहराई में सैचुरेशन डाइविंग और 75 मीटर तक साइड-स्टेज डाइविंग अभियानों को अंजाम देने में सक्षम है। यह समुद्र की तेज लहरों और खराब मौसम में स्थिर रह सकता है। जिसके चलते यह समुद्र के भीतर फंसी पनडुब्बी और नौसेनिकों को आसानी से बाहर निकाल सकता है। इसके अलावा अगर कोई शिप या मशीन समुद्र के भीतर खराब हो जाती है तो यह उसे वहीं पर रिपेयर कर सकता है। गहरे समुद्र में जटिल अभियानों के लिए इसमें 15 टन की सब-सी क्रेन, डायनेमिक पोजिशनिंग सिस्टम और 1,000 मीटर की गहराई तक काम करने में सक्षम रिमोटली ऑपरेटेड व्हीकल्स तैनात किए गए हैं।

जहाज में आठ बिस्तरों वाला अस्पताल, एक गहन चिकित्सा इकाई, एक ऑपरेशन थिएटर और हाइपरबेरिक चिकित्सा सुविधाएं भी हैं, यह इसे गहरे समुद्र में गोताखोरी से संबंधित चिकित्सा समस्याओं से निपटने की क्षमता प्रदान करती हैं। गौरतलब है कि रक्षा मंत्रालय ने सितंबर 2018 में हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड के साथ लगभग 2,393 करोड़ रुपये की लागत से ऐसे दो जहाजों का अनुबंध किया था। इसमें आईएनएस निस्तार की नींव दिसंबर 2019 में और निपुण की नींव उसके तीन महीने बाद रखी गई थी। विशाखापत्तनम स्थित हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा निर्मित आईएनएस निपुण को व्यापक साज-सज्जा और कड़े समुद्री परीक्षणों के बाद 30 जुलाई को नौसेना को सौंपा दिया गया। जिसके बाद आज यानी 31 अगस्त, सोमवार को भारतीय नौसेना कमीशन किया गया है।

समुद्री क्षेत्र में बढ़ रही प्रतिस्पर्धा

एडमिरल स्वामीनाथन मुंबई में भारतीय नौसेना में गहरे समुद्र में गोताखोरी करने वाले जहाज आईएनएस निपुण को शामिल किए जाने के मौके पर अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा कि हम आज रणनीतिक रूप से बड़े बदलाव के दौर से गुजर रहे हैं। समुद्री क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा बढ़ती जा रही है और खतरों की प्रकृति भी लगातार बदल रही है तथा नए रूप ले रही है। पश्चिम एशिया में जारी उथल-पुथल, वैश्विक समुद्री मार्गों पर बढ़ते खतरे और क्षेत्र के देशों द्वारा तेजी से किए जा रहे सैन्य साजो-सामान के विस्तार के बीच पश्चिमी नौसेना कमान समुद्री क्षेत्र में सामने आ रही इन चुनौतियों से निपटने में सबसे आगे रहेगी।

एमपी-छत्तीसगढ़ समेत 18 राज्यों में बारिश का अलर्ट हुआ जारी

नई दिल्ली। पिछले कुछ दिनों से यूपी, उत्तराखंड, एमपी, बिहार समेत कई राज्यों में मूसलाधार बारिश का दौर जारी है। भारी बारिश और उफान पर बहती नदियों ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। यूपी के चित्रकुट में मंदाकिनी नदी के उफान से रामघाट का पुल बह गया और घरों में 5-5 फीट तक कीचड़ जमा हो गया, मंदाकिनी में आई बाढ़ का असर मध्य प्रदेश में भी देखने को मिल रहा है। बाढ़ जैसे हालात को देखते हुए एमपी के सतना में 31 अगस्त से 1 सितंबर तक स्कूलों की छुट्टी कर दी गई है। अगर बात करें अगले 24 घंटे के मौसम की तो ओडिशा, छत्तीसगढ़, झारखंड और उत्तराखंड के कई जिलों में कम से मध्यम स्तर के अचानक बाढ़ के खतरे का अनुमान है।

आगामी कुछ दिनों तक पूर्वी और मध्य भारत के साथ उत्तर भारत के कई हिस्सों होने की संभावना है। इस दौरान 40 से 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं भी चलने की संभावना है। मौसम विभाग ने आज 18 राज्यों में हल्की से मध्यम बारिश का अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार आज जिन जिलों में बारिश की संभावना है, उनमें दिल्ली, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नागालैंड, महाराष्ट्र, कर्नाटक और केरल शामिल है। मौसम विज्ञान केंद्र पटना के अनुसार, अगले 24 घंटे के दौरान पटना सहित ज्यादातर भागों में छिटपुट वर्षा के साथ कई स्थानों पर मेघ गर्जन, वज्रपात को लेकर चेतावनी जारी की गई है।

बिहार के छह जिलों के औरंगाबाद, भभुआ, बक्सर, रोहतास, गया एवं नवादा जिले में भारी व अत्यधिक भारी वर्षा को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। वहीं नेपाल में आई बाढ़ के कारण बिहार के कोसी बैराज और गंडक बैराज से लगातार पानी छोड़ा जा रहा है। इससे कई गांव बाढ़ की चपेट में हैं। भागलपुर में गंगा में कटाव के चलते सबौर में 8 घर गंगा नदी में समा गए। वहीं, बगहा के डुमरिया घाट पर गंडक नदी का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर है। बाढ़ जैसे हालात को देखते हुए बिहार के 15 जिलों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। मौसम विभाग ने आज पूर्वी और पश्चिमी यूपी के 58 जिलों में गरज चमक के साथ मध्यम से भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। पूर्वी यूपी में 31 अगस्त को कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है। इसके बाद 1 से 5 सितंबर के दौरान अधिकांश जगहों पर भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है।

40 से 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलेंगी तेज हवाएं

मंडला के रंजीत कछवाहा बने राष्ट्रीय प्रवक्ता

सूर्यवंशी कछवाहा-कुशवाहा राजपूत महासभा भारत की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में मिली महत्वपूर्ण जिम्मेदारी

मंडला। सूर्यवंशी कछवाहाङ्ककुशवाहा राजपूत महासभा भारत की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की महत्वपूर्ण बैठक इंदौर स्थित प्रसिद्ध खजराना गणेश मंदिर परिसर के भक्त निवास में आयोजित हुई। बैठक में देश के विभिन्न राज्यों से पहुंचे राष्ट्रीय पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों ने सहभागिता की। बैठक का शुभारंभ यज्ञ-हवन, भगवान श्रीराम एवं महाराज कुश-लव के तैलचित्र पर तिलक-वंदन, पुष्पहार एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। समाज की मातृशक्ति एवं बेटियों ने अतिथियों का तिलक-वंदन कर स्वागत किया। बैठक में राष्ट्रीय एवं मध्यप्रदेश कार्यकारिणी के पुनर्गठन के साथ आगामी सामाजिक एवं संगठनात्मक योजनाओं को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। इसी दौरान मंडला, मध्यप्रदेश के रंजीत कछवाहा को सूर्यवंशी कछवाहा-कुशवाहा राजपूत

महासभा भारत का राष्ट्रीय प्रवक्ता मनोनीत किया गया। उन्हें मिली इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी से मंडला के समाजजनों में हर्ष का माहौल है।

कई पदाधिकारियों को मिली नई जिम्मेदारी: बैठक में इंदौर के एडवोकेट आलोक कुशवाह को राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष तथा देवेंद्र दुबगे, इंदौर को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया। वहीं मध्यप्रदेश कार्यकारिणी में अनिल कनौजिया, जबलपुर को प्रदेश अध्यक्ष, संजय कुशवाहा, इंदौर को प्रदेश महासचिव तथा राजकुमार हरदहा, उज्जैन को प्रदेश उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई।

युवाओं को संगठन से जोड़ने पर जोर: राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र कछवाहा, सूरत (गुजरात) ने संगठन के भविष्य और नेतृत्व को लेकर अपने विचार रखे। राष्ट्रीय महासचिव बाबू सिंह कुशवाहा ने उपस्थित पदाधिकारियों से सुझाव लिए। बैठक में प्रतिभाशाली, सक्रिय एवं संस्कारवान युवाओं को संगठन में आगे आने का अवसर देने पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही सनातन संस्कृति, प्रभु श्रीराम एवं महाराज कुश-लव के आदर्शों को केंद्र में रखकर समाजसेवा तथा संगठन को मजबूत करने का संकल्प लिया गया। राष्ट्रीय कार्यकारिणी की अगली बैठक आगामी छह माह बाद, संभावित रूप से दिसंबर माह में आयोजित किए जाने की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के अंत में विगत माह दिवंगत हुए राष्ट्रीय कार्यकारिणी के पदाधिकारी स्व. बाल किशन जी को मौन श्रद्धांजलि अर्पित की गई। आभार प्रदर्शन अनिल कुशवाह ने किया। रंजीत कछवाहा को राष्ट्रीय प्रवक्ता बनाए जाने पर मंडला सहित विभिन्न क्षेत्रों के समाजजनों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

महा मंडलेश्वर महंत 1008 श्री राम भरोसे दास जी महाराज के ब्रह्मलीन होने पर हुआ विशाल भंडारा

हजारों श्रद्धालुओं ने किए दर्शन, महाप्रसादी का लिया लाभ

बोड़ा। श्री खेड़ापति हनुमान मंदिर बगीची के संत महा मंडलेश्वर महंत 1008 श्री राम भरोसे दास जी महाराज के ब्रह्मलीन होने पर उनकी दिव्य आत्मा के सम्मान में विशाल संत समागम एवं भंडारा प्रसादी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में हजारों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचे और संत के दर्शन कर महाप्रसादी का लाभ लिया। इस अवसर पर अयोध्या से पधारे पंच संतों द्वारा मंदिर के उत्तराधिकारी महंत सुनील दास वैष्णव को विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर गद्दी पर विराजमान कराया गया। संतों ने उन्हें साल एवं पुष्पमाला पहनाकर सम्मानित किया तथा श्री खेड़ापति हनुमान मंदिर बगीची की जिम्मेदारी सौंपी। कार्यक्रम में विशेष रूप से अयोध्या हनुमानगढ़ी पट्टी बस्तियां से पधारे श्री महंत रामनारायण दास, महंत सोमेश्वर दास, महंत रामदेव शरण, महंत तुलसी दास, महंत राजेंद्र दास, भीलवाड़ा से महंत जोधपुर एवं ओमकार दास सहित श्री खेड़ापति हनुमान मंदिर बगीची समिति के सदस्य

मौजूद रहे। विशाल भंडारा सुबह 10 बजे से प्रारंभ हुआ, जो दोपहर 3 बजे तक चला। इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की। मंदिर बगीची समिति द्वारा कार्यक्रम में पधारे सभी संतों का पुष्पमाला पहनाकर एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मान किया गया। साथ ही सम्मान राशि भेंट कर संतों का अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में विधायक मोहन शर्मा , पूर्व विधायक धूल सिंह यादव ,सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं हिंदू समाज के बंधु मौजूद रहे। पूरे आयोजन के दौरान धार्मिक एवं आध्यात्मिक वातावरण बना रहा। श्रद्धालुओं ने संत महंत राम भरोसे दास जी महाराज को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनकी स्मृतियों को नमन किया।

संक्षिप्त समाचार

आस्था, उल्लास और परंपरा का महासंगम 40 दिवसीय तपस्या का हुआ समापन

इटारसी। शहर के प्रमुख और सशक्त सिंधी समाज के सबसे बड़े धार्मिक अनुष्ठान झूलेलाल चालीहा महोत्सव' का रविवार को अपार श्रद्धा, उल्लास और भव्यता के साथ समापन हो गया। 40 दिनों तक चले इस महापर्व के अंतिम दिन पूरा शहर सिंधी संस्कृति और भक्ति के रंग में रंगा नजर आया। पूज्य पंचायत सिंधी समाज और झूलणं सेवा समिति के तत्वावधान में आयोजित इस महोत्सव के समापन पर एक विशाल शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें आस्था का अभूतपूर्व सैलाब उमड़ पड़ा। आयोलाल-झूलेलाल' के जयकारों और पारंपरिक छेज नृत्य ने पूरे शहर का माहौल धर्ममय कर दिया। सिंधी समाज में भगवान श्री झूलेलाल चालीहा को मनोकामना पूर्ण करने वाला सबसे पवित्र और कठिन व्रत माना जाता है। इष्टदेव भगवान झूलेलाल साईं की कृपा प्राप्त करने के लिए समाज के बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने 40 दिनों का कठिन उपवास रखा। इन 40 दिनों के दौरान इटारसी के झूलेलाल मंदिर में आस्था का मेला लगा रहा। प्रतिदिन सुबह और शाम पारंपरिक सिंधी भजनों के साथ महाआरती की गई और देर रात तक कीर्तन का दौर चलता रहा। चालीहा महोत्सव के समापन का सबसे प्रमुख और पवित्र आकर्षण बहराणा साहब होता है। रविवार सुबह से ही मंदिर परिसर में 21 बहराणा साहब का भव्य निर्माण किया गया। दिन भर मंदिर में भजन-कीर्तन और विशेष प्रार्थनाओं का दौर चला। इस विराट आयोजन में श्रद्धालुओं को आशीर्वाद देने के लिए विशेष रूप से गुजरात से साईं मनीष लाल और ठाणे (मुंबई) से गुल साईं का आगमन हुआ। संतों के सानिध्य में श्रद्धालुओं ने इष्टदेव की आराधना की।

शिक्षक दिवस पर समिति द्वारा किया जाएगा सम्मान

इटारसी। शिक्षक दिवस पर विपिन जोशी स्मारक समिति इटारसी द्वारा आयोजित होने वाला 42वां राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान समारोह इस विविध रंगों और कार्यक्रमों के साथ वर्ष 1985 में श्री प्रमोद पगारे द्वारा स्थापित सरस्वती पुत्र सम्मान कोलकाता, वेस्ट बंगाल के डॉ. प्रो. सुजय कुमार मंडल को प्रदान किया जाएगा। उक्त आशय की जानकारी समिति अध्यक्ष रमेश के. साहू एडवोकेट ने दी। यह प्रतिष्ठित समारोह द पार्क क्लब एंड रिसॉर्ट, होशंगाबाद रोड, इटारसी में शाम 6 बजे से 10 बजे के बीच आयोजित होगा। इस वर्ष देशभर से चुने गए 40 शिक्षकों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया जाएगा। आयोजन का सबसे भावपूर्ण पल चयनित शिक्षकों का पद प्रक्षालन एवं सामूहिक महाआरती होगा, जो गुरुओं के प्रति सम्मान की एक अनूठी परंपरा को दर्शाता है। यह आध्यात्मिक और भावनात्मक पल गुरु सम्मान में एक अद्भुत रोमांच और गौरव का अनुभव देगा। समिति के अध्यक्ष रमेश के. साहू (एडवोकेट), सचिव विनीत चौकसे, कोषाध्यक्ष नीलेश जैन सहित स्वागत अध्यक्ष जिनेंद्र जैन, सह-सचिव संजय शिल्पी, हेमंत दुबे जमानी सहित वरिष्ठ सदस्यों ने सम्मानित होने वाले शिक्षकों की सूची पत्रकार वार्ता के माध्यम से जारी कर दी है। 42वें राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान समारोह में इस वर्ष सर्वोच्च सरस्वती पुत्र सम्मान के लिए कोलकाता के डॉ. प्रो. सुजय कुमार मंडल का चयन किया गया है। उन्होंने 25 छात्रों का डॉक्टरेट और 15 का एम.फिल. के लिए मार्गदर्शन किया है। अभी 8 छात्र उनके मार्गदर्शन में पीएच.डी. कर रहे हैं। उन्होंने 5 पुस्तकों सहित लगभग 140 शोधपत्रों का प्रकाशन किया है। वे वेल्लूर रामकृष्ण मिशन, स्वामी विवेकानंद विश्वविद्यालय में भी सेवाएं दे चुके हैं। वर्तमान में वे कल्याणी विश्वविद्यालय के लोककथा, संस्कृत विभाग अध्यक्ष के रूप में पदस्थ हैं।

शिक्षा, स्वास्थ्य, पानी सड़क की उपलब्ध हों सुविधाएं बैगा बहुल गांवों तक विकास कार्यों की है दरकार

मवई के अमवार क्षेत्र में विधायक ने किया गांवों का दौरा, घर-घर पहुंचकर जानी ग्रामीणों की समस्याएं; पानी, सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और आवास की बदहाल स्थिति सामने आई

मंडला। सरकार द्वारा आदिवासी एवं बैगा समाज के विकास को लेकर किए जा रहे दावों के बीच मवई विकासखंड की ग्राम पंचायत अमवार के बैगा बहुल गांवों की जमीनी स्थिति पर सवाल खड़े हुए हैं। बिछिया विधायक नारायण सिंह पट्टा ने क्षेत्र के रहटाखैरो, औराघुघरा, सागोनछापर, अमवार, नुनसरई और सुनेहरा सहित विभिन्न गांवों का दौरा कर ग्रामीणों से सीधे संवाद किया। इस दौरान ग्रामीणों ने पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, पेंशन, सड़क और वनाधिकार पट्टे से जुड़ी समस्याएं विधायक के सामने रखीं।

पाइपलाइन बिछी, घरों तक नहीं पहुंचा पानी: ग्रामीणों ने बताया कि नल-जल योजना के तहत कई स्थानों पर पाइपलाइन तो बिछाई गई है, लेकिन घरों तक पानी नहीं पहुंच रहा है। कई हैंडपंप बंद पड़े हैं, जबकि

कुछ से लाल पानी निकलने की शिकायत है। कुओं का पानी भी गंदा होने के कारण ग्रामीण झिरिया और नाले के पानी पर निर्भर हैं। बताया गया कि बैगा बालक आश्रम के बच्चे भी पेयजल के लिए नदी, नाले और झिरिया के पानी पर निर्भर हैं।

जर्जर भवनों में पढ़ने को मजबूर बच्चे: शिक्षा व्यवस्था की स्थिति भी चिंताजनक बताई गई। प्राथमिक शाला रहटाखैरो का भवन जर्जर होने के कारण बच्चे वहां नहीं बैठते और पास स्थित आंगनबाड़ी के जर्जर कमरे में पढ़ाई करने को मजबूर हैं। औराघुघरा सहित अमवार के स्कूल भवनों की स्थिति भी खराब बताई गई। बैगा बालक आश्रम में भी भवन और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं की कमी की शिकायत सामने आई। आश्रम में पदस्थ भृत्य को बीईओ कार्यालय मवई में अटैच किए जाने की बात भी सामने आई।

पोषण आहार और टीकाकरण में लापरवाही की शिकायत: ग्रामीण महिलाओं ने गर्भवती महिलाओं और नवजात बच्चों को समय पर पोषण आहार एवं टीकाकरण का लाभ नहीं मिलने की शिकायत की। स्वास्थ्य जांच नियमित नहीं होने और कई परिवारों को मच्छरदानी नहीं मिलने की बात भी ग्रामीणों ने विधायक को बताई।

पात्र परिवार आवास और पेंशन से वंचित: दौरे के दौरान वृद्ध महिलाओं ने वृद्धावस्था पेंशन नहीं मिलने की शिकायत की। वहीं कई पात्र परिवार आवास योजना के लाभ से वंचित बताए गए। कुछ परिवारों के आवास स्वीकृत होने के बावजूद निर्माण प्लिंथ अथवा नींव स्तर पर रुका हुआ है। ग्रामीणों ने आवास के लिए स्वीकृत राशि और उसके उपयोग की जानकारी नहीं होने की बात कही।

सड़क और पुल की समस्या से आवागमन प्रभावित: औराघुघरा के ऊपर टोला जोहन बैगा सहित कई स्थानों पर सड़क नहीं होने से ग्रामीण कच्चे और कीचड़युक्त रास्तों से आवागमन कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ सीमा से लगे क्षेत्र में लिआरी नदी पर पुल-पुलिया नहीं होने के कारण ग्रामीणों को जोखिम उठाकर नदी पार करनी पड़ती है। अमवार-पटपरा रोड से कुंडकला टोला, अमवार से नुनसरई तथा सुनेहरा के धोबाटोला तक सड़क की समस्या भी ग्रामीणों ने बताई।

नगर में मच्छरों और आवारा पशुओं-कुत्तों का आतंक, नपा की निष्क्रियता पर नागरिकों में आक्रोश

समय जगत खाचरौद। नगर पालिका परिषद की कथित निष्क्रियता और अकर्मण्यता के कारण खाचरौद नगर में इन दिनों मच्छरों का जबरदस्त प्रकोप होने के साथ-साथ आवारा पशुओं एवं श्वानों की संख्या में भी लगातार बढ़ोतरी हो रही है। इसके चलते आम नागरिकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। नगर की जनता में नगर पालिका की कार्यप्रणाली को लेकर आक्रोश बढ़ता जा रहा है। इस संबंध में भाजपा पार्षद श्रीमती गोदावरी बंबोरिया ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी रवि गुप्ता को पत्र लिखकर नगर में तत्काल आवश्यक व्यवस्थाएं किए जाने की मांग की है। श्रीमती बंबोरिया ने पत्र में बताया कि वर्तमान में वर्षा का दौर लंबा खिंचने तथा मौसमजन्य परिस्थितियों और पर्याप्त साफ-सफाई के अभाव के कारण नगर के अनेक क्षेत्रों में मच्छरों की भरमार हो गई है। इसके कारण वायरल फीवर सहित अन्य मौसमी बीमारियों के मरीजों की संख्या बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि खाचरौद में स्वाइन फ्लू जैसी गंभीर बीमारी के मामले सामने आने की स्थिति में मच्छरों और गंदगी पर तत्काल नियंत्रण किया जाना बेहद आवश्यक है।यदि समय रहते प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई तो आने वाले दिनों में बीमारियों के और अधिक फैलने की आशंका है। इसी प्रकार नगर में आवारा पशुओं और कुत्तों का आतंक भी आम नागरिकों के लिए गंभीर समस्या बनता जा रहा है।आवारा पशु दिनभर बाजारों और प्रमुख मार्गों पर झुंड में घूमते रहते हैं तथा आपस में लड़ते रहते हैं। इससे राहगीरों, दोपहिया वाहन चालकों और दुकानदारों को दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।नागरिकों को कई बार इन पशुओं से बचने के लिए इधर-उधर भागना पड़ता है। वहीं रात के समय यही आवारा पशु आसपास के खेतों में पहुंचकर किसानों की फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। नगर में आवारा श्वानों की संख्या में भी लगातार वृद्धि हो रही है। आए दिन लोगों के पीछे दौड़ने और काटने की घटनाओं से नागरिकों में भय का वातावरण बना हुआ है।

मुख्यमंत्री जन विश्वास शिविर बना रोहित के लिए उम्मीद और सहारे का माध्यम

रतलाम। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत अलकापुरी स्थित कम्युनिटी हॉल (अटल सभागृह) में आयोजित शिविर दिव्यांग रोहित कछावा, निवासी टैगोर कॉलोनी, अलकापुरी रतलाम के लिए खुशियों की सौगात लेकर आया। चलने-फिरने में असमर्थ रोहित को शिविर में ट्राईसिकल प्रदान की गई। ट्राईसिकल मिलते ही उनके चेहरे पर खुशी साफ दिखाई दी। आर्थिक रूप से कमजोर परिवार से आने वाले रोहित के लिए एक स्थान से दूसरे स्थान तक जाना हमेशा चुनौतीपूर्ण रहा है। चलने में असमर्थता के कारण उन्हें रोजमर्रा के कार्यों के लिए भी दूसरों की सहायता पर निर्भर रहना पड़ता था। मुख्यमंत्री जन विश्वास शिविर में उनकी जरूरत को समझते हुए उन्हें ट्राईसिकल उपलब्ध कराई गई। ट्राईसिकल मिलने के बाद रोहित ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि

अब उनके लिए घर से बाहर आना-जाना काफी आसान हो जाएगा। पहले कहीं आने-जाने में काफी परेशानी होती थी और दूसरों की मदद लेनी पड़ती थी, लेकिन अब वे अधिक आसानी से आवागमन कर सकेंगे। रोहित के चेहरे पर दिखाई दे रही खुशी इस बात की गवाही दे रही थी कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाएं और जनविश्वास जैसे शिविर जरूरतमंद लोगों के जीवन में वास्तविक बदलाव ला रहे हैं। उनके लिए यह ट्राईसिकल केवल आवागमन का साधन नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास की नई राह है।

सर्वसमाज व करणी सेना ने बुलंद की आवाज

शहपुरा में टोल के खिलाफ क्षेत्रीय जनों द्वारा किया गया धरना- प्रदर्शन

समय जगत जबलपुर/शहपुरा। शहपुरा-भिटौनी-नरसिंहपुर मार्ग स्थित टोल प्लाजा के विरोध में सोमवार को शहपुरा में जनआक्रोश देखने को मिला। करनी सेना, क्षत्रिय सभा एवं सर्व समाज के बैनर तले सैकड़ों लोगों ने प्रदर्शन करते हुए ÷अवैध वसूली बंद करो और टोल को शहपुरा से 10 किलोमीटर दूर शिफ्ट करो के नारे लगाए। प्रदर्शनकारियों ने शहपुरा-भिटौनी-नरसिंहपुर मार्ग पर बैरीकेड लगाकर वाहनों को रोक दिया, जिससे कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित रहा। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि शहपुरा के नजदीक नियमों के विपरीत टोल वसूली की जा रही है, जिसे

तत्काल बंद किया जाना चाहिए। हंगामे की सूचना मिलते ही पुलिस एवं प्रशासन का अमला मौके पर पहुंचा। स्थिति को देखते हुए भारी पुलिस बल तैनात किया गया। प्रशासनिक अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों से चर्चा कर यातायात व्यवस्था बहाल कराने का प्रयास किया। फिलहाल प्रशासन और प्रदर्शनकारियों के बीच बातचीत जारी है। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि टोल प्लाजा को शहपुरा से दूर शिफ्ट करने सहित उनकी मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा।

राष्ट्रभाषा प्रचार समिति द्वारा राष्ट्रीय सृजन पुरस्कारों की घोषणा

मधुकांत को साहित्यश्री, सूरजसिंह नेगी को हिन्दी सृजन पुरस्कार

सैयद रिज़वान अली-समय जगत, मनावर। राष्ट्रभाषा हिन्दी प्रचार समिति ने वर्ष 2026 के राष्ट्रीय सृजन पुरस्कारों की घोषणा कर दी है। समिति का सर्वोच्च मलाराम माली स्मृति साहित्यश्री सम्मान रोहतक के वरिष्ठ साहित्यकार मधुकांत को उनके समग्र साहित्यिक अवदान के लिए प्रदान किया जाएगा। वहीं डॉ. नंदलाल महर्षि स्मृति हिन्दी सृजन पुरस्कार जयपुर के कथाकार-उपन्यासकार डॉ. सूरजसिंह नेगी को उनकी औपन्यासिक कृति 'भावेश जो कह न सका' के लिए दिया जाएगा। सभी पुरस्कार 27 सितम्बर को श्रीडूंगरगढ़ में आयोज्य समारोह में अर्पित किए जाएंगे। समिति अध्यक्ष श्याम महर्षि एवं

उपाध्यक्ष डॉ. मदन सैनी ने बताया कि हिन्दी की विभिन्न विधाओं में श्रेष्ठ सृजन को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष राष्ट्रीय स्तर पर ये पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं। इस वर्ष देश के बारह से अधिक राज्यों से प्रविष्टियां एवं प्रस्ताव प्राप्त हुए, जिनमें से चयन समिति ने कृतियों एवं रचनाकारों का चयन किया। संस्था के मंत्री एवं पुरस्कार समिति के संयोजक रवि पुरोहित ने बताया कि श्री शिवप्रसाद सिखवाल स्मृति महिला लेखन पुरस्कार उज्जैन की साहित्यकार मीरा जैन को व्यंग्य संग्रह 'हेल्थ हादसा' के लिए तथा श्यामसुन्दर नागला स्मृति बाल साहित्य पुरस्कार मड़वा नगर, उत्तर प्रदेश के वरिष्ठ बाल साहित्यकार लाल देवेंद्र कुमार श्रीवास्तव को बाल काव्य कृति 'देश की मिट्टी है अनमोल' के लिए प्रदान किया जाएगा। सुरेश कंचन ओझा लेखन पुरस्कार किशनगढ़ के डॉ. सतीश कुमार को उनकी कृति 'भारत में लोकतंत्र' के लिए दिया जाएगा।

पार्षद ने एफआईआर मामले में महापौर को ज्ञापन देकर की न्याय की मांग

सिंगरौली। नगर पालिक निगम सिंगरौली के वार्ड क्रमांक 38 (तुलसी वार्ड) के पार्षद एवं अपीलीय समिति के सदस्य अनील कुमार वैश्य (अधिवक्ता) ने अपने विरुद्ध दर्ज आपराधिक प्रकरण के संबंध में निष्पक्ष एवं स्वतंत्र जांच कराए जाने की मांग की है। इस संबंध में उन्होंने महापौर रानी अग्रवाल को पत्र सौंपकर पूरे प्रकरण की जांच कर न्यायोचित कार्यवाही सुनिश्चित करने का आग्रह किया है। पार्षद श्री वैश्य के अनुसार, भाजपा मंडल वैढ़न के अध्यक्ष सौरभ गुप्ता द्वारा उनके विरुद्ध ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई गई थी। शिकायत में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पार्टी के वरिष्ठ नेता की फोटो साझा किए जाने का उल्लेख किया गया था। श्री वैश्य ने पत्र के माध्यम से अपनी स्थिति स्पष्ट करते हुए बताया कि उक्त फोटो पूर्व में किसी

अन्य व्यक्ति द्वारा सोशल मीडिया पर साझा की गई थी, जिसे उन्होंने स्क्रीनशॉट के माध्यम से आगे साझा किया था। श्री वैश्य ने पत्र में कहा है कि उनके विरुद्ध कोतवाली वैढ़न में राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम, 1971 की धारा 2 के तहत प्रकरण दर्ज किया गया, जबकि उनका पक्ष सुनने अथवा मामले की निष्पक्ष जांच किए जाने का अवसर उन्हें नहीं मिला। उन्होंने इसे प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के विपरीत बताते हुए प्रकरण की स्वतंत्र एवं पारदर्शी जांच की मांग की है। उन्होंने महापौर से आग्रह किया है कि पूरे घटनाक्रम की निष्पक्षता एवं पारदर्शिता के साथ जांच कराई जाए तथा यदि प्रक्रिया के किसी स्तर पर कोई त्रुटि अथवा पक्षपात पाया जाता है, तो नियमानुसार उचित कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। पार्षद श्री वैश्य ने कहा कि बिना उनका पक्ष सुने प्रकरण दर्ज होने से उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा एवं सार्वजनिक जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।

सरपंच-सचिव की कार्यशैली पर उठ रहे गंभीर सवाल, ग्रामीणों को शासन की योजनाओं का नहीं मिल रहा लाभ

रीवा। मामला जनपद पंचायत रायपुर कर्चुलियान अंतर्गत ग्राम पंचायत बंजारी के सरपंच-सचिव की कथित कार्यशैली और पंचायत व्यवस्थाओं को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी है। ग्रामीणों का आरोप है कि विकास के नाम पर पांच वर्षों में पंचायत भवन का निर्माण कराया गया, लेकिन भवन आज भी अधूरा पड़ा है। वहीं पुराना पंचायत भवन भी नियमित रूप से नहीं खुलता, ग्रामीणों का आरोप है सचिव, सहायक सचिव नियमित पंचायत भवन नही पहुंचते,जिसके चलते ग्रामीणों को पंचायत से जुड़े छोटे-बड़े कार्यों के लिए परेशान होना पड़ रहा है।

पंचायत भवन निर्माण और सड़क की गुणवत्ता पर सवाल: ग्रामीणों के अनुसार नवनिर्मित पंचायत भवन का निर्माण तालाब की मेड़ के पास कराया गया है। ग्रामीणों का कहना है कि पुराने पंचायत भवन के पास मे ही शासकीय जमीन थी तो उसे दूर तालाब मे बनवाने की क्या आवश्यकता आन पड़ी, नजदीक में भवन बनाया जाता तो लोगों को पंचायत संबंधित कार्यों में राहत मिलने की उम्मीद थी। लेकिन उक्त भवन का निर्माण बस्तियों से दूर तालाब के पास बनाया गया है नवनिर्मित पंचायत भवन तक पहुंचने के लिए बनाई गई ग्रेवल सड़क भी बारिश में बह गई। ग्रामीणों ने सड़क की गुणवत्ता पर सवाल उठाते हुए निर्माण कार्य की जांच की मांग की है।

वर्षों से बंद हैंडपंप, दूषित पानी पीने की मजबूरी: पुराने पंचायत भवन से करीब 200 मीटर की दूरी पर स्थित हैंडपंप लंबे समय से बंद पड़ा है। ग्रामीणों का कहना है कि इसकी जानकारी कई बार पंचायत कर्मियों और संबंधित विभाग को दी गई, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ। गर्मी के दिनों में ग्रामीणों को करीब एक किलोमीटर दूर से पानी लाकर अपनी जरूरत पूरी करनी पड़ती थी, जबकि बारिश के मौसम में दूषित पानी पीने की मजबूरी बनी हुई है।

बारिश में घरों में जलभराव, जल निकासी की व्यवस्था नहीं : ग्रामीणों के मुताबिक बारिश के दौरान पंचायत क्षेत्र के कई घरों में पानी भर जाता है। इसके बावजूद जल निकासी के लिए पंचायत स्तर पर पर्याप्त व्यवस्था नहीं की गई। जलभराव के कारण ग्रामीणों को लगातार परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

पात्र हितग्राही आवास योजना के लाभ से वंचित होने का आरोप : ग्रामीणों ने प्रधानमंत्री आवास योजना सहित अन्य सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन पर भी सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि पात्र हितग्राहियों को योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है। ग्रामीणों ने पंचायत में कराए गए विकास कार्यों और योजनाओं के लाभार्थियों की जांच कराने की मांग की है।

सचिव की अनुपस्थिति, दूर पंचायत का अतिरिक्त प्रभार पर भी ग्रामीणों में नाराजगी: ग्रामीणों का आरोप है कि पंचायत सचिव रमेश तिवारी नियमित रूप से पंचायत भवन में उपस्थित नहीं रहते। पंचायत भवन बंद रहने और सचिव की अनुपस्थिति के कारण जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, खाद्यान्न पर्ची सहित अन्य पंचायत संबंधी कार्यों के लिए ग्रामीणों को निजी संस्थानों का सहारा लेना पड़ता है। ग्रामीणों का कहना है कि इससे उन्हें अनावश्यक आर्थिक बोझ उठाना पड़ रहा है।

जांच और कार्रवाई की मांग : ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से बंजारी पंचायत में कराए गए विकास कार्यों, अधूरे पंचायत भवन, सड़क निर्माण की गुणवत्ता, पेयजल व्यवस्था, आवास योजना के लाभ और पंचायत कर्मियों की उपस्थिति की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि जांच के बाद यदि अनियमितता या लापरवाही सामने आती है तो जिम्मेदारों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए।

चोरी-छिपे ब्लड सेंटर संचालित कर रक्त वितरण करने का आरोप, रिकॉर्ड सीज कर रिपोर्ट भोपाल भेजी

नियम विरुद्ध संचालन पर अथर्वन ब्लड सेंटर सील

रीवा। 26 अगस्त को कल्पना की जीएमएच में इलाज के दौरान मौत हो गई। कल्पना को जब अस्पताल में भर्ती किया गया तो उसका प्लेटलेस्ट काफी कम था। करीब 30 हजार था। इसके अलावा हिमोग्लोबिन 12 फीसदी था। डॉक्टरों ने प्लेटलेट्स कम होने पर ब्लड की व्यवस्था के निर्देश दिए थे। एसजीएमएच से खून नहीं मिला तो परिजन अथर्वन ब्लड बैंक खरीदने पहुंचे। चार यूनिट के 10 हजार मांगे गए। एक यूनिट तत्काल लिया गया और अस्पताल में कल्पना को 26 अगस्त को शाम 4.30 बजे चढ़या गया। खून पूरा चढ़ा नहीं था कि उसे दिक्कत होने लगी थी। उसकी बीपी आदि बढने़ लगी थी। प्लेटलेट्स में ही खराबी थी, इसके बाद उसे चढ़ाया नहीं गया। प्लेटलेट्स रिएक्शन कर दिया था। प्लेटलेट्स ताजे खून से ही तैयार किया जाता है। अब अथर्वन ने कैसा प्लेटलेट्स दिया यह जांच का विषय है और क्यों दिया यह भी जांच का विषय है।

लाइसेंस सस्पेंड होने के कारण रसीद नहीं देते, नगद ली राशि: अथर्वन ब्लड बैंक के कर्मचारियों ने प्लेटलेट्स लेने पर नगद राशि की मांग की। कल्पना की बहन के पास नगद नहीं थे। उन्होंने आनलाइन राशि भेजने की बात कही तो ब्लड बैंक वालों ने नहीं लिया। इसके बाद वह पेट्रोल पंप गई। नगद राशि ली फिर ब्लड बैंक को भुगतान किया। तब उन्हें एक यूनिट प्लेटलेट्स मिला। इसके बदले में उन्हें किसी तरह की रसीद तक नहीं दी गई थी।

ड्रग इंस्पेक्टर गलत जानकारी लेकर पहुंचे: श्याम शाह मेडिकल कॉलेज में अथर्वन ब्लड बैंक से जुड़े रिकार्ड लेकर ड्रग इंस्पेक्टर राधेश्याम वट्टी को भोपाल, जबलपुर से आई टीम ने तलब किया था। इस टीम में क्षेत्रीय संचालक रीवा भी थे। जब ड्रग इंस्पेक्टर टीम के सामने पहुंचे तो उल्टा सीधा जवाब लेकर पहुंचे थे। टीम के सदस्यों ने जमकर ड्रग इंस्पेक्टर को हड़काया। उन्हें फिर से नए सिरे से रिपोर्ट बनाकर देने को कहा। टीम ने पूछा था कि क्या अथर्वन ब्लड बैंक का लाइसेंस वर्तमान समय में जिंदा है। ड्रग इंस्पेक्टर ने बताया था कि लाइसेंस सस्पेंड चल रहा।

कब करेंगे कार्रवाई, कलेक्टर ने नींद में हैं: रीवा जिला के लोगों की ही नहीं पूरे विंध्य के लोगों की जान खतरे में है। इसके बाद भी पूरा सिस्टम गहरी नींद में सो रहा है। खून की कालाबाजारी रीवा जैसे शहर में हो रही है। जहां डिप्टी सीएम राजेन्द्र शुक्ला रहते हैं। कमिश्नर और आईजी का आफिस हैं। वहां से यह कालाबाजारी को साफ नहीं किया जा रहा है। खुलेआम खून का कालाकारोबार चल रहा है। इसमें और भी कई बड़े कारनामें हैं, जिसमें डॉक्टरों की भी संलिप्तता सामने आई है। हालांकि नियम विरुद्ध संचालन के मामले में औषधि निरीक्षकों की टीम ने रीवा स्थित मेसर्स अथर्वन ब्लड सेंटर पर जांच कार्रवाई करते हुए उसे सील कर दिया। यह ब्लड सेंटर सतनाम पेट्रोल पंप के सामने पीटीएस रोड रीवा में संचालित है। कार्रवाई औषधि निरीक्षक रीवा राधेश्याम वट्टी एवं रेशु ठाकुर द्वारा की गई। बताया गया कि उक्त ब्लड सेंटर द्वारा मेडिकल कॉलेज में इलाजरत स्व. श्रीमती कल्पना मिश्रा को एक यूनिट ब्लड प्लेटलेट्स प्रदाय की गई थी। जबकि ब्लड सेंटर का पूर्व में भी औषधि निरीक्षकों द्वारा संयुक्त निरीक्षण किया गया था। निरीक्षण के दौरान पाई गई कमियों के संबंध में रिपोर्ट तैयार कर मुख्यालय भोपाल भेजी गई थी। रिपोर्ट के आधार पर राज्य औषधि अनुज्ञापन प्राधिकारी द्वारा 3 जुलाई 2026 को कमी पूर्ति होने तक ब्लड सेंटर की गतिविधियां तत्काल प्रभाव से अग्रिम आदेश तक बंद रखने के निर्देश जारी किए गए थे। इसके बावजूद ब्लड सेंटर द्वारा कुछ दिनों पहले से कथित तौर पर चोरी-छिपे संचालन शुरू कर ब्लड वितरण का कार्य किया जा रहा था। आदेश की अवहेलना और नियम विरुद्ध गतिविधियों की जानकारी मिलने पर औषधि निरीक्षकों की टीम ने रविवार को ब्लड सेंटर पर जांच कार्रवाई की।

पानी का मोटर चालू करने गई महिला की करंट लगने से मौत

रीवा। जिले के गोविंदगढ़ थाना क्षेत्र के टीकर गांव में सोमवार सुबह एक दर्दनाक हादसे में 41 वर्षीय महिला की करंट लगने से मौत हो गई। महिला घर में पानी भरने के लिए मोटर पंप चालू करने गई थी। इसी दौरान पंप के कटे हुए तारों की चपेट में आने से उसे तेज करंट लग गया। गंभीर रूप से झुलसी महिला को परिजन तत्काल उपचार के लिए संजय गांधी मेमोरियल अस्पताल रीवा लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।मृतका की पहचान पटपरा टोला, टीकर निवासी उर्मिला साहू के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि उर्मिला रोजाना की तरह सोमवार सुबह अपने घर में पानी भरने के लिए मोटर पंप चालू करने गई थीं। इसी दौरान मोटर पंप में लगे कटे तारों की चपेट में आने से अचानक उन्हें तेज विद्युत करंट लग गया।करंट लगते ही महिला गंभीर रूप से झुलस गई और मौके पर ही उसकी हालत बेहद गंभीर हो गई।

घटना की जानकारी मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और महिला को आनन-फानन में उपचार के लिए संजय गांधी मेमोरियल अस्पताल रीवा ले गए। परिजनों को उम्मीद थी कि समय पर उपचार मिलने से उसकी जान बचाई जा सकेगी, लेकिन अस्पताल पहुंचने के बाद चिकित्सकों ने परीक्षण कर उर्मिला को मृत घोषित कर दिया।महिला की मौत की खबर मिलते ही परिवार में मातम पसर गया। अचानक हुए इस हादसे से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

अस्पताल की चौथी मंजिल से युवक ने लगाई छलांग, हालत नाजुक

रीवा। संजय गांधी मेमोरियल अस्पताल परिसर में सोमवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब पाड़ेन टोला निवासी अर्जुन चमकेले ने अस्पताल की चौथी मंजिल से नीचे छलांग लगा दी। अचानक हुई इस घटना से अस्पताल परिसर में मौजूद मरीजों, उनके परिजनों और कर्मचारियों के बीच अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना के बाद घायल युवक को तत्काल उपचार के लिए इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों की निगरानी में उसका उपचार जारी है। युवक की हालत बेहद नाजुक बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, सोमवार सुबह अर्जुन चमकेले अपने घर पर चाय-रोटी खाने के बाद गुटखा लेने की बात कहकर घर से निकला था। परिजनों को उस समय इस बात का अंदाजा नहीं था कि वह सीधे संजय गांधी मेमोरियल अस्पताल पहुंच जाएगा। अस्पताल पहुंचने के बाद अर्जुन ने चौथी मंजिल से अचानक छलांग लगा दी। युवक के नीचे गिरते ही मौके पर मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। घटना के तुरंत बाद अस्पताल परिसर में मौजूद कर्मचारियों और प्रत्यक्षदर्शियों ने तत्परता दिखाई। गंभीर रूप से घायल अर्जुन को तत्काल उठाकर इमरजेंसी वार्ड तक पहुंचाया गया। डॉक्टरों ने उसकी स्थिति को देखते हुए तत्काल उपचार शुरू किया। बताया जा रहा है कि युवक को शरीर के कई हिस्सों में गंभीर चोटें आई हैं। फिलहाल चिकित्सकों की टीम लगातार उसकी निगरानी कर रही है। अर्जुन की मां के अनुसार, वह एक निजी अस्पताल में काम करता है। बताया गया है कि अर्जुन काफी समय से गंभीर टीबी की बीमारी से जूझ रहा था। बीमारी के चलते वह लंबे समय से परेशान भी था। हालांकि, उसने अस्पताल की चौथी मंजिल से छलांग लगाने जैसा आत्मघाती

कदम आखिर क्यों उठाया, इसका स्पष्ट कारण अभी सामने नहीं आया है। परिजनों के मुताबिक, सोमवार सुबह तक अर्जुन सामान्य नजर आ रहा था। उसने घर पर चाय-रोटी खाई और इसके बाद गुटखा लेने की बात कहकर बाहर निकल गया। इसके बाद वह घर वापस नहीं पहुंचा और सीधे संजय गांधी अस्पताल पहुंच गया। अस्पताल में पहुंचने के बाद उसने यह कदम उठा लिया।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। अस्पताल परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा सकती है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि अर्जुन अस्पताल में किस रास्ते से पहुंचा और चौथी मंजिल तक कैसे गया। फिलहाल पुलिस युवक के इस कदम के पीछे की वजह तलाश रही है। बीमारी से परेशान होने के अलावा कोई अन्य कारण था या नहीं, इसकी जानकारी जांच पूरी होने के बाद ही सामने आ सकेगी। पुलिस परिजनों और अस्पताल में मौजूद प्रत्यक्षदर्शियों से भी जानकारी जुटा रही है। वहीं, गंभीर रूप से घायल अर्जुन का अस्पताल में उपचार जारी है।

सार-समाचार

राहुल गांधी पर एफआईआर पर कांग्रेस का फूटा आक्रोश, दिया धरना

विदिशा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की रैली के बाद कथित रूप से रैली स्थल के 'शुद्धिकरण' और इसके विरोध में आवाज उठाने वाले लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज किए जाने के विरोध में जिला कांग्रेस ने माधवगंज चौराहा पर धरना देकर कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने कार्रवाई को राजनीतिक दुर्भावना से प्रेरित बताते हुए जमकर नारेबाजी की। धरने को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष मोहित रघुवंशी ने कहा कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे की रैली के बाद सभा स्थल का कथित 'शुद्धिकरण' सामाजिक भेदभाव और छुआछूत की मानसिकता को दर्शाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस घटना के खिलाफ आवाज उठाने वाले राहुल गांधी पर ही एफआईआर दर्ज कर लोकतांत्रिक आवाज को दबाने का प्रयास किया जा रहा है। जिला कांग्रेस ने धरना देकर राहुल गांधी के विरुद्ध एफआईआर की कार्रवाई का विरोध करते हुए 'शुद्धिकरण' करने वालों पर कार्रवाई की मांग उठाई। माधवगंज चौराहा पर धरने में एकत्रित वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने कहा कि संविधान समानता, सम्मान और सामाजिक न्याय की गारंटी देता है, ऐसे में किसी भी व्यक्ति या नेता के साथ जातिगत भेदभाव की मानसिकता स्वीकार नहीं की जा सकती। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि राहुल गांधी ने जिस मुद्दे को उठाया, वह सामाजिक समानता और सम्मान से जुड़ा विषय है। कांग्रेस ने चेतावनी देते हुए कहा कि राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज एफआईआर वापस लेने और कथित शुद्धिकरण की घटना की निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर पार्टी आगे भी आंदोलन जारी रखेगी। प्रदर्शन के दौरान वरिष्ठ कांग्रेस नेतागण, कांग्रेस पदाधिकारी, महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस, एनएसयूआई सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर सामाजिक समानता और संविधान की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया।

गायों की मौत के बाद रहवासियों ने किया चक्काजाम

विदिशा। रविवार की रात्रि में विदिशा सागर नेशनल हाईवे कुंआखेड़ी के पास अज्ञात वाहन गायों को टक्कर मारकर फरार हो गया था। इस दुर्घटना में कुछ गायों की मौत भी हो गई थी। जिसके बाद आक्रोशित ग्रामीणों द्वारा चक्का जाम कर दिया गया। काफी देर तक जाम लगने के कारण लोग काफी परेशान हुए और इस मामले की जानकारी मिलते ही सिविल लाइन पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों को शांत कराया। इसके बाद कहीं जाकर चक्का जाम खुला और लोग आगे के लिए वहीं सिविल लाइन पुलिस द्वारा अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है और जांच पड़ताल शुरू कर दी गई है विदिशा सागर नेशनल हाईवे कुआं खेड़ी पर रविवार रात करीब 8 बजे एक ट्रक की गायों से टक्कर हो गई थी। हादसे में कुछ गायों की मौत हो गई थी। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई और आक्रोशित लोगों ने सड़क पर चक्काजाम कर दिया। इससे कुछ देर तक यातायात प्रभावित रहा और आने जाने वाले लोगों के लिए परेशानियों का सामना करना पड़ा। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और समझाइश देकर जाम खुलवाया। इसके बाद पुलिस ने चक्काजाम करने वालों की पहचान के प्रयास शुरू किए। पुलिस ने इस मामले में करीब 10 से 15 अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मोनिका तिवारी ने बताया कि अज्ञात वाहन द्वारा गायों को टक्कर मारी गई थी, जिस संबंध में अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है और जिन लोगों द्वारा चक्का जाम किया गया था उनकी भी पहचान की जा रही है।

प्रसव के बाद जच्चा बच्चा की संदिग्धावस्था मौत पर आपराधिक प्रकरण दर्ज हो : नारी चेतना मंच

रीवा। समता सम्पर्क अभियान के राष्ट्रीय संयोजक लोकतंत्र सेनानी अजय खरे , नारी चेतना मंच की वरिष्ठ नेत्री मीरा पटेल एवं डॉ श्रद्धा सिंह ने स्थानीय संजय गांधी मेमोरियल अंतर्गत गांधी मेमोरियल अस्पताल में 25-26 अगस्त को प्रसव के बाद 25 वर्षीय कल्पना मिश्रा और उनके नवजात शिशु की संदिग्ध परिस्थिति में हुई मौत को लेकर जिम्मेदार महिला चिकित्सक और सहयोगियों को बर्खास्त कर उन पर हत्या का आपराधिक प्रकरण दर्ज करने की मांग की है। इसके साथ ही उन्होंने प्रदेश सरकार को भी कटघरे में खड़ा किया है। इन नेताओं ने कहा कि उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला रीवा के अधीन स्वास्थ्य मंत्रालय होने के बावजूद संजय गांधी अस्पताल में जच्चा बच्चा की मौत की यह पहली घटना नहीं है। देखने को मिलता है कि ऐसे अधिकांश मामलों में पीड़ित पक्ष की आवाज पूरी तरह दबा दी जाती है। संबंधित घटना से पहले का एक वीडियो सामने आया जिसमें मृतका व्यथित नजर आ रही है। खुद को बचाने के लिए गुहार लगा रही है। मृतका के परिजनों ने कुछ अस्पताल कर्मियों पर इलाज में लापरवाही और रिश्वत की मांग जैसे गंभीर आरोप भी लगाए हैं। हालांकि प्रशासनिक स्तर पर स्वास्थ्य विभाग ने मामले पर तत्काल जांच के आदेश देने की खाना पूर्ति कर दी है। अभी तक का अनुभव यह है कि ऐसी मामले हमेशा दबा दिए जाते हैं। बताया जा रहा है कि संबंधित आरोपी महिला चिकित्सक पर सन 2023 में भी इसी तरह का आरोप लगा था और उसकी बर्खास्तगी की बात हुई थी लेकिन बहुत जल्दी उस मामले को खत्म कर दिया गया। महिला चिकित्सक का खुद का प्रसूता नर्सिंग होम है जिसके चलते सरकारी अस्पताल में भर्ती महिला मरीजों के प्रति बहुत गैर जिम्मेदाराना रवैया अपनाया जाता है। अधिकांश गर्भवती महिलाएं बजट नहीं होने के बावजूद उक्त नर्सिंग होम में भर्ती होने को मजबूर होती हैं।

पहले होते थे घर गांव में सुरक्षित प्रसव

समता सम्पर्क अभियान और नारी चेतना मंच की ओर से इन नेताओं ने कहा कि सुरक्षित प्रसव के नाम पर सरकार की योजनाएं अव्यवस्था का शिकार हैं। एक जमाना था कि जब घरों में स्वाभाविक एवं सुरक्षित प्रसव की व्यवस्था थी। परंपरागत रूप से अनुभवी दाईयों के जरिए यह काम बहुत आसान था। सुरक्षित प्रसव योजना के नाम पर इस काम को कमाई का जरिया बना लिया गया है। प्रसव कार्य व्यावसायिक उद्योग बन गया है। इसके जरिए गर्भवती महिलाओं को सुरक्षित प्रसव के नाम पर घरों से लाकर नर्सिंग होमों के डाक्टरों की अच्छी खासी कमाई हो रही है।

सीएम हेल्पलाइन के 80 प्रतिशत प्रकरण 5 सितम्बर तक निराकृत करें - कलेक्टर

रीवा। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों तथा टीएल पत्रों के निराकरण की समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि सभी अधिकारी सीएम हेल्पलाइन में लंबित प्रकरणों के निराकरण पर विशेष ध्यान दें। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान में इन प्रकरणों का शत-प्रतिशत निराकरण करके प्रतिवेदन देना है। सभी अधिकारी 5 सितम्बर तक लंबित सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों का 80 प्रतिशत निराकरण कराएं। हर माह की 10 तारीख तक 85 प्रतिशत तथा 15 तारीख तक 90 प्रतिशत निराकरण सुनिश्चित करें। किसी भी स्थिति में 90 प्रतिशत से कम निराकरण मान्य नहीं होगा। तत्परता से प्रकरणों का निराकरण करके विभाग और जिले की रैंकिंग में सुधार करें। राजस्व, ग्रामीण विकास विभाग, ऊर्जा, खाद्य, पीएचई, शिक्षा, श्रम तथा नगरीय निकाय विभागों के अधिकारी लंबित प्रकरणों के निराकरण पर विशेष ध्यान दें। सभी एसडीएम विभागवार समीक्षा करके प्रकरणों का निराकरण कराएं। कलेक्टर ने कहा कि जिला और खण्ड स्तर के सभी अधिकारी ई आफिस के माध्यम से ही फाइलों का मूवमेंट करें। निराकृत प्रकरणों की फाइलें क्लोज करें तथा पार्क कराएं। अभी भी कई अधिकारी ई आफिस का उपयोग नहीं कर रहे हैं। किसी भी स्थिति में हार्डकॉपी मान्य नहीं

की जाएगी। कार्यालयीन पत्रों का भी ई आफिस के माध्यम से ही व्यवहार करें। एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण में गति लाएं। निर्धारित लक्ष्य के अनुसार पौधे रोपित कराकर इसकी जानकारी वायुदूत तथा अंकुर ऐप में दर्ज कराएं। सभी जनपद पंचायतों में एक-एक लाख तथा रीवा नगर निगम क्षेत्र में एक लाख पौधे रोपित करने का लक्ष्य दिया गया है। इसी तरह शिक्षा विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, उद्योग विभाग, वन विभाग, जन अभियान परिषद तथा ग्रामीण विकास विभाग को भी लक्ष्य दिए गए हैं। निर्धारित लक्ष्यों की अनिवार्य रूप से पूर्ति कराएं। कलेक्टर ने कहा कि जिले के बाढ़ तथा जल भराव से प्रभावित क्षेत्रों में राहत और बचाव कार्य किया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी मेडिकल टीम तैनात करके प्रभावित बस्तियों में पीड़ित लोगों की निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच तथा उपचार कराएं। उप संचालक पशुपालन बाढ़ में मृत पशुओं के वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण तथा पालतू पशुओं के टीकाकरण का अभियान चलाएं। सभी एसडीएम प्राकृतिक आपदा में मृत व्यक्तियों के राहत प्रकरण बनाकर उनके परिजनों को राहत राशि वितरित कराएं।

बैठक में कलेक्टर ने जिला आपूर्ति अधिकारी को हितग्राहियों को दो माह के खाद्यान्न समय पर वितरण के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि सभी स्वरोजगार योजनाओं में लक्ष्य से 25 प्रतिशत से अधिक आवेदन पत्र 31 अगस्त तक बैंकों में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए थे। इसका पालन सुनिश्चित करें। शेष बचे प्रकरणों को 10 सितम्बर तक बैंकों में प्रस्तुत करें। स्वरोजगार योजनओं और विभागीय योजनाओं के लक्ष्य 30 सितम्बर तक अनिवार्य रूप से पूरे कराएं।

अधिकारियों को समय-सीमा में आवेदनों का निराकरण करने के दिए निर्देश

कलेक्टर ने लंबित आवेदनों के निराकरण की गहन समीक्षा की

विदिशा। कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने सोमवार को कलेक्टर कार्यालय में आयोजित लंबित आवेदनों की समीक्षा बैठक में जिले में विभिन्न माध्यमों से प्राप्त आवेदनों के निराकरण की स्थिति की गहन समीक्षा की। बैठक में प्रमुख रूप से सीएम हेल्पलाइन, वरिष्ठ कार्यालयों से प्राप्त आवेदनों तथा मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत जिले के विभिन्न ग्रामों में आयोजित शिविरों में प्राप्त आवेदनों के निराकरण संबंधी कार्यवाही का विभागवार एवं ग्रामवार जायजा लिया गया। कलेक्टर ने प्रत्येक विभाग से संबंधित लंबित आवेदनों की स्थिति की जानकारी लेते हुए अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि आवेदनों का निराकरण निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण तरीके से किया जाए। उन्होंने कहा कि केवल आवेदन का निराकरण दर्ज करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि आवेदक की समस्या का वास्तविक एवं संतोषजनक समाधान होना चाहिए।

समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत ग्रामों में आयोजित शिविरों में प्राप्त आवेदनों को प्राथमिकता से लेते हुए उनके निराकरण की प्रगति की जानकारी ली गई। कलेक्टर ने अधिकारियों से ग्रामवार प्राप्त आवेदनों, निराकृत आवेदनों तथा लंबित प्रकरणों की स्थिति की समीक्षा की और जिन प्रकरणों में विभागीय स्तर पर कार्यवाही अपेक्षित है, उनमें शीघ्र कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान का उद्देश्य शासन की योजनाओं और सेवाओं का लाभ आम नागरिकों तक पहुंचाने के साथ-साथ उनकी समस्याओं का स्थानीय स्तर पर त्वरित समाधान सुनिश्चित करना है। इसलिए शिविरों में प्राप्त प्रत्येक आवेदन को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभाग द्वारा समयबद्ध कार्रवाई की जाए। कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों की भी समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों के निराकरण में अनावश्यक विलंब न हो। उन्होंने उच्च स्तर पर लंबित अथवा बार-बार प्राप्त हो रही शिकायतों की विशेष निगरानी करने तथा संबंधित अधिकारियों द्वारा व्यक्तिगत रुचि लेकर उनका समाधान सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

इसी प्रकार वरिष्ठ कार्यालयों से प्राप्त पत्रों एवं आवेदनों पर की गई कार्रवाई की भी विभागवार समीक्षा की गई। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वरिष्ठ कार्यालयों से प्राप्त प्रकरणों में समय-सीमा का विशेष ध्यान रखा जाए तथा कार्रवाई की अद्यतन जानकारी समय पर उपलब्ध कराई जाए। बैठक में कलेक्टर श्री गुप्ता ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि लंबित आवेदनों के निराकरण में विभागीय समन्वय के साथ-साथ ग्राम स्तर पर वास्तविक स्थिति का सत्यापन भी किया जाए। उन्होंने कहा कि जिन मामलों में मौके पर जांच अथवा भौतिक सत्यापन आवश्यक है, वहां संबंधित अधिकारी स्वयं अथवा अधिकृत दल के माध्यम से जांच कराकर ही प्रकरण का निराकरण करें।

संपादकीय

आरएसएस की स्वीकार्यता बढ़ाने की कवायद

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सांगठनिक विस्तार के साथ उसकी स्वीकार्यता बढ़ाने की कवायद भी लगातार होती रहती है। आरएसएस प्रमुख महोन भागवत का 25 अगस्त से लगभग 10 सितंबर 2026 तक, 17 दिवसीय तीन देश अमेरिका, कनाडा और यूनाइटेड किंगडम की यात्रा का 25 अगस्त से शुरू अमेरिका दौरा इन्हीं प्रयासों का एक हिस्सा है। साथ ही यह भारत की विचारधारा, हिंदुत्व, धार्मिक स्वतंत्रता अल्पसंख्यक अधिकारों और भारतीय प्रवासी राजनीति को लेकर अमेरिका में चल रही पुरानी बहस का नया अध्याय बन गया है। 25 अगस्त 2026 से शुरू हुए आरएसएस प्रमुख के अमेरिका कनाडा - ब्रिटेन दौरे का मकसद आरएसएस के अनुसार संगठन के 100 वर्ष पूरे होने के अवसर पर वैश्विक हिंदू और भारतीय समुदायों से संवाद करना तथा आरएसएस और भारत के बारे में मौजूद गलत धारणाओं को दूर करना है। लेकिन न्यूयॉर्क पहुंचते ही यह दौरा समर्थन और विरोध, दोनों का केंद्र बन गया। आरएसएस स्वयं हिंदुत्व को भारतीय सभ्यता, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, सामाजिक संगठन और राष्ट्रीय एकता की अवधारणा के रूप में प्रस्तुत करता है। आरएसएस की अपनी सामग्री में भागवत हिंदुत्व को सत्य, प्रेम और अपनत्व से जोड़ते हैं तथा संगठन सामाजिक समरसता, जातिगत भेदभाव के विरोध और सेवा को अपनी प्राथमिकताओं में बताता है। लेकिन आलोचकों का तर्क है कि व्यवहार में हिंदुत्व की राजनीतिक व्याख्या बहुसंख्यकवादी राजनीति को मजबूत कर सकती है और इससे मुस्लिम, ईसाई, सिख तथा अन्य अल्पसंख्यक समुदाय के अधिकार प्रभावित होने का खतरा पैदा होता है। यही वह वैचारिक अंतर है जहां आरएसएस की आत्म-व्याख्या और उसके आलोचकों की व्याख्या एक-दूसरे के बिल्कुल विपरीत दिखाई देती है। न्यूयॉर्क में विरोध का सबसे प्रमुख राजनीतिक चेहरा मेयर ज़ोहरान ममदानी बने हैं। एक अमेरिकी समाचार एजेंसी के अनुसार ममदानी ने आरएसएस प्रमुखके कार्यक्रम का सार्वजनिक रूप से विरोध किया और आरएसएस की विचारधारा को भारत के बहुलतावादी तथा धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण के विपरीत बताया। हालांकि यह भी महत्वपूर्ण है कि किसी निजी कार्यक्रम को केवल राजनीतिक असहमति के आधार पर नगर प्रशासन द्वारा रोक देना अलग कानूनी प्रश्न है। हालांकि माना जा रहा है कि आरएसएस प्रमुख की यह विदेश यात्रा संगठन के सांगठनिक हितों के लिहाज से फायदेमंद रहेगी।

रोजगारपरक शिक्षा की उपलब्धता हो सुनिश्चित

संजय गुप्त

कौशल विकास पर नीति आयोग की हालिया रिपोर्ट के कई निष्कर्ष चिंतित करने वाले हैं। इन दिनों युवाओं के हित की चिंता करती दिख रहीं केंद्र और राज्य सरकारों को इन निष्कर्षों पर गंभीरता से ध्यान देना होगा। नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार देश में जो नौकरियां सृजित हो रही हैं, उनके अनुरूप जैसी शिक्षा की आवश्यकता है, उसमें अनेक खामियां हैं। इस रिपोर्ट के अनुसार 15 से 29 वर्ष के लगभग 8.7 करोड़ युवा न तो पढ़ाई कर रहे हैं, न रोजगार में हैं और न ही किसी तरह का प्रशिक्षण ले रहे हैं। इन्हें एनईईटी यानी नाट इन एजुकेशन, एम्पलायमेंट एंड ट्रेनिंग श्रेणी में रखा गया है। कुछ युवा लंबे समय तक रोजगार न मिल पाने के कारण एनईईटी श्रेणी में चले जाते हैं। नीति आयोग के अनुसार कौशल विकास माडल को केवल प्रशिक्षण देने तक सीमित रखने के बजाय उसे रोजगार और करियर से जोड़ा जाना चाहिए। नीति आयोग ने यह पाया कि केवल 8.25 प्रतिशत स्नातक ऐसा काम कर रहे हैं, जो उनकी योग्यता के अनुरूप है। इसका मतलब है कि अधिकांश युवाओं को अपनी योग्यता के हिसाब से नौकरियां नहीं मिल रही हैं। इसका कारण यही हो सकता है कि कारोबार जगत के पास जैसी नौकरियां हैं, उनके लायक युवा नहीं निखर पा रहे हैं। आयोग के अनुसार समस्या सिर्फ बेरोजगारी की नहीं है, बल्कि पढ़ाई रोजगार के लिए जरूरी कौशल और उद्योग की जरूरतों के बीच तालमेल के अभाव की भी है। आयोग ने कमजोर व्यावहारिक अनुभव, उद्योग से कम जुड़ाव, सतही इंटर्नशिप और अप्रेंटिसशिप एवं करियर गाइडेंस की कमी को प्रमुख चुनौतियों में गिना है। सरकारों को इन चुनौतियों का सामना करने के लिए आगे आना होगा। आयोग ने स्कूलों के स्तर से ही उद्यमिता कौशल विकसित करने और रोजगारपरक शिक्षा प्रदान करने का जो सुझाव दिया है, वह नया नहीं है। कठिनाई यह है कि ऐसे सुझावों पर गंभीरता से ध्यान नहीं दिया जा रहा है। यह समय की मांग है कि छात्रों को स्कूल स्तर से ही रोजगार और उद्यमिता से जुड़े कौशल से लैस किया जाए। भले ही केंद्र सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 में विभिन्न मंत्रालयों के माध्यम से कौशल विकास से जुड़े कार्यक्रमों के लिए लगभग 34 हजार करोड़ का प्रविधान किया हो, लेकिन नीति आयोग का मानना है कि प्रशिक्षण की पहुंच और रोजगार के परिणामों में अभी बड़ा अंतर है। इस अंतर को पाटे बिना बात बनने वाली नहीं है। कौशल विकास के मामले में यह बात सामने आ रही है कि जिन संस्थाओं पर इसकी जिम्मेदारी है, वे अपना काम सही ढंग से नहीं कर पा रही हैं। इसका अर्थ है कि वे कौशल विकास के नाम पर खानापूरी कर रही हैं। कौशल विकास का काम तब तक सही तरह से नहीं होने वाला, जब तक योग्य प्रशिक्षकों की सेवाएं लेना सुनिश्चित नहीं किया जाता। कौशल विकास कार्यक्रमों की गुणवत्ता के साथ प्रशिक्षकों की गुणवत्ता पर भी गंभीरता से ध्यान देना होगा।

नीति आयोग के अनुसार जो युवा बीए, बीकाम की डिग्री लेकर नौकरी तलाश रहे हैं, उनके लिए कोई खास नौकरियां सामने नहीं आ रही हैं। इन डिग्रियों का नौकरी से सीधा जुड़ाव कमजोर है। कई छात्र इन डिग्रियों को इसलिए चुनते हैं, ताकि इनके जरिये सरकारी नौकरियों के लिए आवेदन करने की पात्रता मिल जाए। अब जब यह स्पष्ट है कि बीए, बीकाम और बीएससी की डिग्रियां सीधे रोजगार में नहीं बदलतीं तो फिर इनके पाठ्यक्रम में परिवर्तन किया जाना चाहिए। आयोग ने सामान्य डिग्री कार्यक्रमों को रोजगार से जोड़ने के लिए जाब-लिंक्ड स्पेशलाइजेशन, इंडस्ट्री से जुड़े पाठ्यक्रम और वर्क-इंटीग्रेटेड डिग्री कार्यक्रम बढ़ाने का जो सुझाव दिया, उस पर अमल में देर नहीं होनी चाहिए। यह एक सही सुझाव है कि बीकाम के साथ एनालिटिक्स या डिजिटल मार्केटिंग, बीए के साथ रिटेल या हास्पिटैलिटी और बीएससी के साथ एप्लाइड टेक्नोलाजी जैसे विकल्प विकसित किए जा सकते हैं। मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन ने हाल में कहा था कि साफ्टवेयर नौकरियां और एमबीए डिग्री का दौर अब खत्म हो रहा है और वेल्डिंग, प्लंबिंग और बढ़ईगीरी जैसे ट्रेड स्किल्स को अधिक महत्व देना चाहिए। महज डिग्री लेने से कुछ बदलने वाला नहीं। इसलिए बेहतर होगा कि युवा किसी न किसी कौशल से लैस हों। इसी तरह वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी कहा था कि मौजूदा विश्वविद्यालयी पाठ्यक्रम छात्रों को न तो नौकरी के लिए पर्याप्त रूप से तैयार करते हैं और न ही उद्यमी बनने के लिए। यह ठीक है कि सरकार एआइ के व्यापक प्रभावों से परिचित है और इसके लिए आवश्यक तैयारी भी कर रही है, लेकिन उसे यह भी पता होना चाहिए कि एआइ का असर मौजूदा नौकरियों पर भी पड़ना शुरू हो गया है। ऐसे में यह आवश्यक है कि नौकरी पाने के इच्छुक या नई नौकरी में जा रहे युवाओं को भी एआइ के कौशल से लैस किया जाए। यह एक विडंबना ही है कि इतनी बड़ी आबादी वाले देश में हम ऐसी शिक्षा व्यवस्था निर्मित नहीं कर सके हैं कि छात्र या तो किसी नौकरी के लिए तैयार होकर निकलें या फिर अपना काम शुरू करने की क्षमता हासिल कर सकें। जबसे काकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के कारण शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को त्यागपत्र देना पड़ा, तबसे लगातार ऐसी खबरें आ रही हैं कि भारत में शिक्षा पर जैसा ध्यान दिया जाना चाहिए था, वैसा नही दिया गया, लेकिन इसमें अकेले केंद्र सरकार की कमी नहीं।

भागवत की न्यूयॉर्क यात्रा से मिली नई ऊर्जा और दिशा

नजरिया

इस ऐतिहासिक यात्रा का एक अत्यंत महत्वपूर्ण और दूरगामी आयाम प्रवासी भारतीयों के बीच संघ की अंतरराष्ट्रीय शाखाओं, विशेष रूप से हिंदू स्वयंसेवक संघ की गतिविधियों पर पड़ने वाला प्रभाव है। डॉ. भागवत की इस उपस्थिति ने अमेरिका, कनाडा और यूरोपीय देशों में सक्रिय एचएसएस के नेटवर्क को एक नई ऊर्जा और दिशा प्रदान की है। आरएसएस प्रमुख डॉ. मोहन भागवत की न्यूयॉर्क यात्रा समकालीन वैश्विक परिदृश्य, भारत-अमेरिका संबंधों के रणनीतिक भविष्य और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सांस्कृतिक कूटनीति की बदलती दिशा के दृष्टिकोण से एक अत्यंत महत्वपूर्ण और दूरगामी घटनाक्रम है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर आयोजित इस वैश्विक संपर्क कार्यक्रम का उद्देश्य केवल प्रवासी भारतीयों से संवाद करना मात्र नहीं है, बल्कि यह उभरती हुई वैश्विक व्यवस्था में भारत की वैचारिक, दार्शनिक और आर्थिक ताकत को एक साथ रेखांकित करने का एक सुनियोजित प्रयास है।

अशोक भाटिया

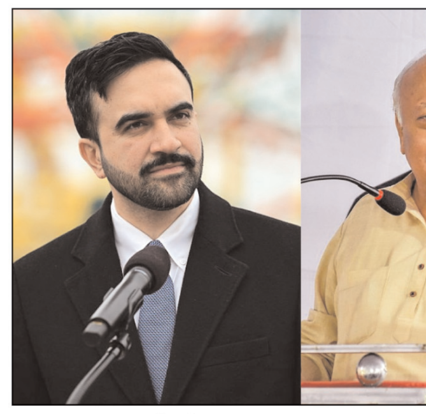

अगस्त 2026 में हो रही इस उच्च-स्तरीय यात्रा के बहुआयामी प्रभाव हैं, जो पारंपरिक कूटनीति के दायरों से बहुत आगे निकल जाते हैं। इस दौरे के प्रभाव को मुख्य रूप से तीन बड़े स्तंभों के माध्यम से समझा जा सकता है, जिसमें पहला अमेरिकी कॉर्पोरेट जगत के दिग्गजों और उद्यम पूंजीपतियों के साथ भविष्य की तकनीकों पर हुआ गंभीर आर्थिक विमर्श है, दूसरा वैश्विक स्तर पर प्रसिद्ध मैडिसन स्क्वायर गार्डन में भारतीय प्रवासियों का ऐतिहासिक सांस्कृतिक समागम है, और तीसरा अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इस यात्रा को लेकर पैदा हुए वैचारिक अंतर्विरोध और तीखे राजनीतिक विरोध प्रदर्शन हैं। इन सभी पहलुओं का एक साथ मिलकर विश्लेषण यह स्पष्ट करता है कि आधुनिक भारत के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने वाला यह संगठन अब वैश्विक स्तर पर देश की छवि, नीतियों और अंतरराष्ट्रीय विमर्श को प्रभावित करने के लिए किस प्रकार अपनी रणनीतियों का विस्तार कर रहा है। इस पूरी यात्रा का सबसे पहला और आर्थिक रूप से अत्यंत व्यावहारिक पड़ाव न्यूयॉर्क में वैश्विक कॉर्पोरेट जगत के शीर्ष अधिकारियों, नीति-निर्माताओं और उद्यम पूंजीपतियों के साथ आयोजित एक विशेष गोलमेज बैठक थी । इस संवाद के दौरान पारंपरिक द्विपक्षीय व्यापार के स्थापित ढांचों से आगे बढ़कर पूरी तरह से भविष्य की उन्नत प्रौद्योगिकियों यानी डीप-टेक पर ध्यान केंद्रित किया गया।

इस उच्च-स्तरीय बैठक में दूरसंचार क्षेत्र के आधुनिकीकरण, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में निजी निवेश की संभावनाओं, स्वच्छ ऊर्जा के वैश्विक लक्ष्यों और क्वांटम कंप्यूटिंग जैसी अत्याधुनिक विधाओं में भारत-अमेरिका के बीच सहयोग पर गहराई से विमर्श हुआ। डॉ. मोहन भागवत ने वैश्विक निवेशकों के सामने भारत को एक विश्वसनीय, लोकतांत्रिक, कानून सम्मत और विकासोन्मुख वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में मजबूती से प्रस्तुत किया। इस चर्चा के दौरान अमेरिकी निवेशकों ने भारत के विशाल बाजार और उसकी बढ़ती आर्थिक क्षमता की सराहना तो की, लेकिन साथ ही उन्होंने राज्य स्तर पर आने वाली प्रशासनिक और विनियामक बाधाओं पर अपनी व्यावहारिक चिंताएं भी साझा कीं। निवेशकों का मुख्य तर्क यह था कि यदि भारत को चीन के एक मजबूत और सुरक्षित विकल्प के रूप में वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं के केंद्र में आना है, तो भूमि अधिग्रहण, जटिल कर संरचनाओं और स्थानीय स्तर पर फैक्ट्रियां स्थापित करने से जुड़ी प्रक्रियाओं को और अधिक सरल व पारदर्शी बनाना होगा, ताकि प्रशासनिक देरी के बिना निवेश धरातल पर उतर सके। इसी बैठक में सिलिकॉन वैली की जानी-मानी निवेश भागीदार आशा जडेजा मोटवानी जैसी हस्तियों ने भागवत के इस विचार का पुरजोर समर्थन किया कि भारत की युवा जनसांख्यिकी आज दुनिया की सबसे बड़ी ताकत है, और भारतीय युवा न केवल अपने देश के विकास के इंजन हैं बल्कि वे पूरी दुनिया में सकारात्मक और तकनीकी बदलावों के सबसे बड़े संवाहक बनकर उभर रहे हैं । इस तीन दिवसीय दौरे का दूसरा और दृश्य रूप से सबसे भव्य पहलू न्यूयॉर्क के ऐतिहासिक और दुनिया भर में प्रसिद्ध मैडिसन स्क्वायर गार्डन में आयोजित होने वाला यूनिवर्सल वननेस सेलिब्रेशन है । रक्षाबंधन के पावन सांस्कृतिक अवसर पर आयोजित होने वाले इस विशाल समागम में पूरे अमेरिका महाद्वीप से 5,000 से अधिक विशिष्ट भारतीय प्रवासियों और सैकड़ों सांस्कृतिक, दार्शनिक व आध्यात्मिक संगठनों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति सुनिश्चित की गई । इस भव्य आयोजन के पीछे बहुत गहरे भू-राजनीतिक और सामाजिक निहितार्थ छिपे हुए हैं, क्योंकि इस पूरे उत्सव का मूल दर्शन भारतीय संस्कृति के कालजयी विचार वसुधैव कुटुंबकम यानी पूरी दुनिया एक परिवार है, के सार्वभौमिक सिद्धांत पर आधारित है। ऐसे दौर में जब पूरा विश्व भू-राजनीतिक संघर्षों, युद्धों, वैचारिक ध्रुवीकरण और गंभीर जलवायु संकटों से जूझ रहा है, मैडिसन स्क्वायर गार्डन जैसे अत्यधिक प्रभावशाली पश्चिमी मंच से सर्वसमावेशी, बहुसांस्कृतिक और अंतरधार्मिक एकता का संदेश देना भारत की उस विश्व-मित्र वाली छवि को वैश्विक जनमानस में स्थापित करता है जो सभी के कल्याण की कामना करती है। यह आयोजन अमेरिकी समाज, वहां की अर्थव्यवस्था, विज्ञान और राजनीति में शीर्ष पदों पर आसीन भारतीय प्रवासियों की एकजुटता और उनकी जनसांख्यिकीय व आर्थिक शक्ति का भी एक बहुत बड़ा प्रदर्शन है , जिसकी उपेक्षा कोई भी अमेरिकी सरकार या नीति-निर्माता नहीं कर सकता। इसके अतिरिक्त, इस कार्यक्रम के माध्यम से संघ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने खिलाफ बने पुराने नैरेटिव को तोड़ने और पश्चिमी दुनिया के सामने खुद को एक वैश्विक, समावेशी और परोपकारी दार्शनिक आंदोलन के रूप में पेश करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठा रहा है। इस ऐतिहासिक यात्रा का एक अत्यंत महत्वपूर्ण और दूरगामी आयाम प्रवासी भारतीयों के बीच संघ की अंतरराष्ट्रीय शाखाओं, विशेष रूप से हिंदू स्वयंसेवक संघ की गतिविधियों पर पड़ने वाला प्रभाव है। डॉ. भागवत की इस उपस्थिति ने अमेरिका, कनाडा और यूरोपीय देशों में सक्रिय एचएसएस के नेटवर्क को एक नई ऊर्जा और दिशा प्रदान की है। भारत से बाहर रहने वाले हिंदुओं को अपनी संस्कृति, जड़ों और मूल्यों से जोड़े रखने में हिंदू स्वयंसेवक संघ दशकों से मूक भाव से काम कर रहा है, लेकिन इस स्तर के शीर्ष नेतृत्व के प्रवास ने इन गतिविधियों को मुख्यधारा की वैश्विक चर्चा में ला खड़ा किया है। इस यात्रा के बाद विदेशों में चल रही संघ की साप्ताहिक और मासिक बालगोकुलम जैसी गतिविधियों में तेजी आने की संभावना है, जहां प्रवासी परिवारों की नई पीढ़ी को भारतीय दर्शन, योग और नेतृत्व क्षमता के संस्कार दिए जाते हैं। एचएसएस के माध्यम से प्रवासी भारतीय केवल सांस्कृतिक रूप से ही संगठित नहीं हो रहे हैं, बल्कि वे अमेरिकी समाज में परोपकार, आपदा प्रबंधन और स्थानीय सामुदायिक सेवा के कार्यों में भी अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। संघ प्रमुख ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि विदेशों में रहने वाले स्वयंसेवकों का यह दायित्व है कि वे अपनी कर्मभूमि (अमेरिका) के प्रति पूरी तरह वफादार और अनुशासित रहते हुए अपनी मातृभूमि (भारत) के सांस्कृतिक गौरव को अक्षुण्ण रखें। यह रणनीतिक मार्गदर्शन आने वाले समय में पश्चिमी देशों में भारतीय प्रवासियों को एक ऐसे सुदृढ़ सामाजिक समूह के रूप में स्थापित करेगा, जो वैश्विक स्तर पर भारत विरोधी दुष्प्रचार का मुकाबला करने और भारत के पक्ष में एक सकारात्मक जनमत तैयार करने में अधिक सक्षम होगा।

सकारात्मक आर्थिक संवाद और सांस्कृतिक महाकुंभ के समानांतर, इस यात्रा का वह अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक विवाद और विरोध प्रदर्शन भी एक अनिवार्य पहलू है जिसने न्यूयॉर्क की राजनीति को गरमाए रखा । डॉ. भागवत की इस हाई-प्रोफाइल उपस्थिति का अमेरिकी मानवाधिकार लॉबी, कुछ नागरिक अधिकार संगठनों और स्थानीय राजनेताओं द्वारा तीखा विरोध किया गया है । उदाहरण के तौर पर, न्यू यॉर्क शहर के पहले भारतीय-अमेरिकी मेयर ज़ोहरान ममदानी ने सार्वजनिक रूप से इस आयोजन और संघ की विचारधारा पर अपनी गहरी वैचारिक असहमति व्यक्त की , हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह एक निजी संस्था द्वारा आयोजित कार्यक्रम है, इसलिए नगर प्रशासन के पास इसे रोकने का कोई विधिक आधार नहीं है । इसके साथ ही हिंदूस फॉर और इंडियन अमेरिकन मुस्लिम काउंसिल जैसे कई मुखर संगठनों ने न्यू यॉर्क सिटी हॉल के बाहर और डिजिटल मंचों पर व्यापक विरोध अभियान चलाए , जिनका यह आरोप था कि संघ का मूल वैचारिक दर्शन भारत के बहुलवादी ढांचे को प्रभावित करता है, और इस तरह के अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित मंचों पर संघ प्रमुख को स्थान मिलने से संगठन को वह वैश्विक वैधता और प्रतिष्ठा प्राप्त होती है जिसके वे विरोधी हैं । इस पूरे विवाद को तब और राजनीतिक हवा मिली जब अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता पर अमेरिकी आयोग की पुरानी आलोचनात्मक रिपोर्टों का हवाला देकर विरोधी समूहों ने वीज़ा और सुरक्षा संबंधी मुद्दों पर अमेरिकी प्रशासन पर दबाव बनाने का प्रयास किया , जिसे भारत के विदेश मंत्रालय ने हमेशा की तरह पूरी तरह से पूर्वाग्रह से ग्रसित और पक्षपातपूर्ण मानकर खारिज कर दिया।

हिमालय के स्वभाव-सीमाओं को सम्मान से ही सुरक्षा

ओंकार चौधरी

अब हिमालयी क्षेत्रों में आपदा आने के बाद केवल राहत दल भेजना पर्याप्त नहीं है। आज आवश्यकता है—पूर्वानुमान, रोकथाम, चेतावनी, सुरक्षित निकासी और वैज्ञानिक पुनर्निर्माण के एक निरंतर सुरक्षा चक्र की। हिमालय केवल बर्फ, पत्थरों और ऊंची चोटियों की पर्वत-शृंखला नहीं है। वह दक्षिण एशिया की जल-सुरक्षा, मानसूनी व्यवस्था, जैव-विविधता, कृषि और करोड़ों लोगों की आजीविका का आधार है। लेकिन जिस हिमालय को हम स्थिर-अडिग मानते आए हैं, वह भू-गर्भीय दृष्टि से दुनिया की सबसे युवा और सक्रिय पर्वत-शृंखलाओं में है। जलवायु परिवर्तन और बढ़ते मानवीय हस्तक्षेप ने उसकी स्वाभाविक संवेदनशीलता को गंभीर बना दिया है। अब हिमालयी आपदाएं केवल अतिवृष्टि, बादल फटने या भूकंप तक सीमित नहीं हैं। बर्फ, चट्टान, हिमनद झील, नदी, मलबा और मानव निर्मित ढांचे मिलकर ऐसी बहु-आपदा शृंखलाएं पैदा कर रहे हैं, जिनका पूर्वानुमान कठिन और विनाश कई गुना हो सकता है। 26 अगस्त, 2026 को नेपाल के रसुवा जलि और तिब्बत-नेपाल सीमा के निकट भोटेकोशी-त्रिशूली नदी क्षेत्र की आपदा इसका नवीनतम उदाहरण है। वैज्ञानिक आकलन के अनुसार लगभग 5,200 मीटर की ऊंचाई पर हिमनद का बड़ा हिस्सा टूटकर करीब 1,200 मीटर नीचे घाटी में गिरा। बर्फ-चट्टानों के विशाल मलबे ने नदी को अस्थायी रूप से रोका। पानी जमा हुआ और अवरोध टूटते ही जल, मलबे और शिलाखंडों की प्रचंड धारा दौड़ पड़ी। आधे घंटे में नदी का जलस्तर नौ मीटर तक बढ़ गया। जलविद्युत परियोजनाएं, सड़कें, पुल व बस्तियां चपेट में आईं। सबसे चिंताजनक संदेश यह है कि विनाशकारी बाढ़ के लिए निचली घाटियों में भारी वर्षा होना आवश्यक नहीं है। हजारों मीटर ऊपर हिमनद या चट्टान टूट सकती है, नदी अवरुद्ध हो सकती है और प्राकृतिक बांध टूटने पर तुरंत नीचे विनाशकारी बाढ़ पहुंच सकती है। पिछले तीन दशकों की घटनाएं इसी खतरे का संकेत करती हैं। वर्ष 1998 में उत्तराखंड के मालपा में विशाल भूस्खलन ने पूरी बस्ती को नष्ट कर दिया। वर्ष 2000 में तिब्बती क्षेत्र से सतलुज में आई विनाशकारी बाढ़ ने हिमाचल प्रदेश में भारी तबाही मचाई। 2005 में पारिचू नदी पर बने प्राकृतिक अवरोध के टूटने से सतलुज घाटी फिर प्रभावित हुई। जून, 2013 की केदारनाथ त्रासदी में असाधारण वर्षा, हिम-पिघलाव, चोराबारी ताल से अचानक निकले पानी और विशाल मलबे ने मंदाकिनी घाटी में भयावह विनाश किया। फरवरी, 2021 की चमोली आपदा ने हिमालयी संकट का एक नया रूप सामने रखा। पता चला कि रोंटी क्षेत्र से विशाल चट्टान-हिमस्खलन हुआ था। करीब ढाई करोड़ घन मीटर चट्टान और बर्फ विनाशकारी मलबा-प्रवाह में बदल गई। ऋषिगंगा-तपोवन जलविद्युत परियोजनाएं चपेट में आईं व 200 से अधिक लोगों की मृत्यु हुई। अक्तूबर, 2023 में सिक्किम की दक्षिण ल्होनक हिमनद झील फटने से तीस्ता में आई बाढ़ ने दिखाया कि ऊंचे हिमालय में उत्पन्न संकट नीचे बांधों-पुलों, शहरों व सामरिक ढांचों को प्रभावित कर सकता है। दरअसल, इन घटनाओं का कारण कहीं अतिवृष्टि, कहीं हिमनद झील, कहीं चट्टान-हिम स्खलन और प्राकृतिक बांध का टूटना है। एक प्राकृतिक संकट दूसरे संकट को जन्म देता है। यही हिमालय की नई बहु-आपदा चुनौती है। दरअसल, भू-गर्भीय संरचना के चलते भारतीय भू-पट्टिका आज भी यूरेशियाई भू-पट्टिका की ओर बढ़ रही है। अमेरिकी भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार दोनों के बीच सापेक्ष टकराव करीब 40-50 मिलीमीटर प्रतिवर्ष है। इसी दबाव से हिमालय जन्मा, यही उसे अत्यधिक भूकंपीय क्षेत्र भी बनाता है। हिमालय में तीखी ढलानें, दरारों वाली चट्टानें, पुराने भूस्खलन क्षेत्र और तीव्र कटाव स्वाभाविक हैं। अत-यहां निर्माण व आबादी बढ़ाने से पहले कहीं अधिक सावधानी आवश्यक है। दरअसल, जलवायु परिवर्तन के चलते बढ़ते तापमान से हिमनद सिकुड़ रहे हैं। फलत-नई झीलें बनी और पुरानी झीलों का आकार बढ़ रहा है। इसरो ने 1984 से 2023 के उपग्रह चित्रों के आधार पर भारतीय हिमालयी नदी क्षेत्रों में दस हेक्टेयर से बड़ी 2,431 हिमनद झीलों का अध्ययन किया। इनमें 676 झीलों का में विस्तार पाया गया। हिंदूकुश-हिमालय क्षेत्र में लगभग 200 हिमनद झीलों को खतरनाक माना गया है।

दरअसल, कम अवधि में अत्यधिक वर्षा पहाड़ी ढलानों को अस्थिर कर सकती है। नदी में पानी के साथ भारी मलबा पहुंचा सकती है। हर हिमालयी आपदा को सड़क, सुरंग या बांध का परिणाम मानना गलत होगा। लेकिन अनियोजित निर्माण प्राकृतिक खतरे को बड़ी मानवीय त्रासदी में बदल सकता है। सड़कों के लिए पहाड़ काटना, ढलानों पर भारी निर्माण, नदी किनारे होटल और मकान, खराब जल-निकासी, निर्माण का मलबा नदियों में डालना तथा वन क्षेत्र का क्षरण जोखिम बढ़ाते हैं। जोशीमठ इसका उदाहरण है। दरअसल, शहर पुराने भूस्खलन के मलबे के मोटे जमाव पर स्थित है और वहां भू-धंसाव का खतरा ज्ञात था। 1976 की मिश्रा समिति ने भी भूमि की भार-वहन क्षमता की जांच के बिना भारी निर्माण न करने की सलाह दी थी। जलविद्युत ऊर्जा-सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है। अत- हर बांध को आपदा का कारण मान लेना उचित नहीं। लेकिन हिमनद झील, हिमस्खलन या भूस्खलन वाले क्षेत्र के नीचे बनी परियोजना की सुरक्षा सामान्य नदी परियोजना जैसी नहीं हो सकती। भारत सरकार ने 47 बांधों—38 चालू और नौ निर्माणाधीन—को हिमनद झील फटने से संभावित रूप से प्रभावित होने वाले बांधों में चिन्हित किया है। पहाड़ी राज्यों हेतु जोखिम कम करने की योजना भी बनाई है। आखिर बांध —कहां बने, कितनी क्षमता हो व उसके ऊपर हिमनद, झील, भूस्खलन व मलबा-प्रवाह का खतरा कितना है? हिमालय के भविष्य का सबसे बड़ा विरोधाभास यही है। हिमनद तेजी से पिघलेंगे तो प्रारंभिक दशकों में अधिक पानी, बड़ी हिमनद झीलें और अचानक बाढ़ का खतरा बढ़ेगा। लेकिन लंबे समय में हिमनद सिकुड़ने से कुछ नदी क्षेत्रों में शुष्क मौसम के जल-प्रवाह पर दबाव बढ़ सकता है। हिमालयी नदियां राजनीतिक सीमाएं नहीं मानतीं। तिब्बत में बनी प्राकृतिक झील या भूस्खलन भारत और नेपाल को प्रभावित कर सकता है। नेपाल में उत्पन्न बाढ़ भारत तक पहुंच सकती है। इसलिए भारत, नेपाल, भूटान और चीन के बीच वर्षा, नदी प्रवाह, हिमनद झीलों, हिमस्खलन और भूस्खलन का तात्कालिक आंकड़ा-साझाकरण तंत्र आवश्यक है। संवेदनशील हिमनद झीलों और अस्थिर हिम-चट्टानी ढलानों की उपग्रह, रडार, मानवरहित यान और भूमि आधारित संवेदकों से लगातार निगरानी हो। नदी घाटियों में स्वचालित जलमापक यंत्र, कैमरे और चेतावनी सायरन लगाए जाएं। ऊपरी घाटियों में पहचान जितनी जल्दी होगी, नीचे आबादी को उतना अधिक समय मिलेगा।

प्रगतिशील सोच और जागरुकता से ही समाधान

सुरेश सेठ

वास्तविक आधुनिकता तभी संभव है, जब समाज महिलाओं को वस्तु या लेन-देन का माध्यम नहीं, बल्कि समान अधिकारों वाली स्वतंत्र नागरिक और नेतृत्वकारी शक्ति के रूप में स्वीकार करे। सवाल यही है कि भौतिकवाद की चकाचौंध के बीच ये घृणित रूढ़ियां आखिर कब टूटेंगी? भारत को प्रगतिशील, आधुनिक और विश्व के अग्रणी देशों में गिनते हुए हम नहीं थकते। देश की प्राचीन सांस्कृतिक गरिमा हमें गर्व का अनुभव कराती है, लेकिन मध्यकाल से लेकर आज तक चली आ रही अनेक जर्जर रूढ़ियां और परंपराएं हमें शर्मिंदा भी करती हैं। दास प्रथा भले ही समाप्त हो चुकी हो, पर छुआछूत, दहेज, बाल विवाह, शादी-ब्याह में फिजूलखर्ची और सामाजिक आडंबर जैसी कुरीतियां किसी न किसी रूप में आज भी मौजूद हैं। शादियों में बढ़-चढ़कर खर्च करना और दिखावे के माध्यम से सामाजिक प्रतिष्ठा प्रदर्शित करना एक प्रकार का कारोबार बन चुका है। डेस्टिनेशन वेडिंग पर करोड़ों रुपये खर्च किए जा रहे हैं। पर्यटन विभाग भी चाहता है कि ऐसी शादियां भारत के सुंदर स्थलों पर हों, ताकि देश का धन देश में रहे, किंतु धनी वर्ग विदेशी स्थलों की ओर आकर्षित होता है। इससे अनावश्यक विदेशी खर्च बढ़ता है। जनजागरण के तमाम प्रयासों के बावजूद पुरानी रूढ़ियां नए रूपों में बार-बार सामने आ जाती हैं। वर्षों से सामाजिक और कानूनी अभियानों के बावजूद देश में बाल विवाह के मामले सामने आ रहे हैं। यह माना जाता है कि आज लड़कियों को शिक्षा, प्रतियोगिताओं और रोजगार के अवसर मिल रहे हैं तथा वे जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। फिर भी कुछ राज्यों में बाल विवाह जारी हैं। कहीं न कहीं सामाजिक दबाव इसके लिए जिम्मेदार है। महिला बाल विकास मंत्रालय के अनुसार, 27 अगस्त 2026 तक देश में बाल विवाह से जुड़े 3,863 मामले सामने आए। प्रशासनिक कार्रवाई के माध्यम से 3,405 बाल विवाह रोके गए, जबकि पुलिस शिकायतों, बाल कल्याण समितियों की रिपोर्टों और विवाह निरस्तीकरण से जुड़े मामलों को मिलाकर 458 मामले दर्ज हुए। ये आंकड़े बताते हैं कि समस्या समाप्त नहीं हुई है और सामाजिक जागरूकता के दावे पूरी तरह वास्तविकता से मेल नहीं खाते। बाल विवाह रोकने के मामले में मध्य प्रदेश सबसे आगे रहा, जहां 703 विवाह रोके गए। इसके बाद झारखंड में 534, हरियाणा में 531, त्रिपुरा में 353 और आंध्र प्रदेश में 326 बाल विवाह रोके गए। दूसरी ओर, बाल विवाह संबंधी आपराधिक मामलों में महाराष्ट्र में 154, राजस्थान में 152, पश्चिम बंगाल में 96 और छत्तीसगढ़ में 84 मामले दर्ज किए गए। मंत्रालय के अनुसार मध्य प्रदेश, झारखंड, हरियाणा, त्रिपुरा और आंध्र प्रदेश में देशभर की कुल शिकायतों का बड़ा हिस्सा केंद्रित रहा। कुछ राज्यों में त्वरित पुलिस कार्रवाई से रोकथाम में उल्लेखनीय सफलता मिली, जिनमें हरियाणा और तमिलनाडु शामिल हैं। यह भी उल्लेखनीय है कि अरुणाचल प्रदेश, दिल्ली, गोवा, लद्दाख, लक्षद्वीप, मणिपुर, मेघालय, नगालैंड, सिक्किम तथा दादरा एवं नगर हवेली से बाल विवाह की कोई रिपोर्ट नहीं मिली। इससे स्पष्ट है कि पूरा देश एक जैसी सामाजिक परिस्थितियों में नहीं जी रहा। फिर भी जिन बड़े राज्यों में आर्थिक और भौतिक विकास के दावे अधिक हैं, वहां भी बाल विवाह जैसी कुरीतियों का बने रहना हमारी प्रगति की असमान और विरोधाभासी तस्वीर प्रस्तुत करता है। बाल विवाह केवल कानून-व्यवस्था का प्रश्न नहीं, बल्कि आर्थिक असुरक्षा, सामाजिक दबाव, लैंगिक भेदभाव और कई अन्य विकृत मानसिकताओं से जुड़ी समस्या है। जिस देश में तेज आर्थिक विकास, मोबाइल और डिजिटल पहुंच तथा शिक्षा के विस्तार के दावे किए जाते हैं, वहां दहेज प्रथा का निर्बाध बने रहना भी गंभीर विरोधाभास है। दहेज को अक्सर 'उपहार' का नाम देकर सामाजिक स्वीकृति देने की कोशिश की जाती है, लेकिन विवाह और तलाक से जुड़े विवादों से स्पष्ट होता है कि आज भी लड़कियों के परिवारों पर कार, मकान और अन्य महंगी वस्तुएं देने के लिए प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष दबाव डाला जाता है।

सार-समाचार

मुख्यमंत्री ने पंचकूला में प्रधानमंत्री के 'मन की बात' के 137वें संस्करण का देखा सीधा प्रसारण

चंडीगढ़, समय जगत। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को पंचकूला में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम 'मन की बात' के 137वें संस्करण का ऑनलाइन माध्यम से सीधा प्रसारण देखा। इस अवसर पर सेक्टर-1 स्थित रेड बिशप के कन्वेंशन हॉल में कार्यक्रम के प्रसारण की विशेष व्यवस्था की गई थी, जहां मुख्यमंत्री ने उपस्थित जनप्रतिनिधियों, पार्टी कार्यकर्ताओं एवं आमजन के साथ 'मन की बात' कार्यक्रम को देखा। 'मन की बात' कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी देशभर के नागरिकों से संवाद स्थापित करते हैं और प्रेरणादायक कहानियों, नवोन्मेषी विचारों तथा सकारात्मक बदलाव लाने वाली जन-नेतृत्व वाली पहलों को सांझा करते हैं। यह कार्यक्रम देश के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य कर रहे लोगों और संस्थाओं के प्रयासों को सामने लाने के साथ-साथ नागरिकों को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करता है। 'मन की बात' में उठाए गए विषयों और जनहित से जुड़ी पहलों के साथ सार्थक जुड़ाव को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने सहभागिता की। उपस्थित लोगों ने प्रधानमंत्री के विचारों और प्रेरणादायक संदेशों को ध्यानपूर्वक सुना।

60 खिलाड़ियों का स्टेट चैंपियनशिप के लिए हुआ चयन

गुरुग्राम। गांव धरमपुर स्थित चेतन दास कम्युनिटी सेंटर में जिला स्तरीय कराटे चयन प्रतियोगिता एवं स्टेट ट्रायल का आयोजन किया गया। इसमें जिले के विभिन्न स्कूलों और कराटे अकादमियों की 25 टीमों के करीब 250 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। खिलाड़ियों ने विभिन्न वर्गों में शानदार प्रदर्शन करते हुए 60 पदक अपने नाम किए। इसके आधार पर करीब 60 खिलाड़ियों का हरियाणा स्टेट कराटे चैंपियनशिप के लिए चयन किया गया। चयनित खिलाड़ी अब राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। जिला कराटे सचिव पवन सिंह की अगुवाई में प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि सभी खिलाड़ियों ने मैदान पर शानदार प्रदर्शन किया है। चयनित खिलाड़ियों से स्टेट चैंपियनशिप में भी बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों की प्रतिभा को निखारने और गुरुग्राम की टीम को प्रदेश में बेहतर स्थान दिलाने के लिए आगे भी विशेष तैयारी की जाएगी। आयोजक मुस्कान और पदाधिकारियों ने प्रतियोगिता को सफल बनाने में सहयोग देने वाले कोचों का आभार जताया। प्रतियोगिता में गोविंदा, प्रशांत, पंकज, शुभम, मान सिंह, रिद्धि अत्री, विशाल, राजेंद्र, नरेंद्र और प्रवीण समेत अन्य कोचों ने विशेष सहयोग किया।

पलवल की सड़कों पर दिखा 'खेलेगा भारत, जीतेगा भारत' का जोश

चंडीगढ़, समय जगत। राष्ट्रीय खेल दिवस और हॉकी के महान जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती के अवसर पर रविवार की सुबह पलवल की सड?ों पर खेल और फिटनेस का अलग ही नजारा देखने को मिला। 'खेलेगा भारत, जीतेगा भारत' थीम के साथ आयोजित पलवल साइक्लोथॉन में युवाओं, खिलाडि?ों और खेल प्रेमियों ने उत्साह के साथ भाग लेकर खेलों को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने का संदेश दिया। जिला प्रशासन एवं खेल विभाग पलवल की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में हरियाणा सरकार में खेल एवं युवा अधिकारिता राज्य मंत्री श्री गौरव गौतम मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कम्युनिटी सेंटर, हुड्डा सेक्टर-2 से साइक्लोथॉन का शुभारंभ हुआ। जैसे-जैसे साइकिल सवार आगे बढ़े, शहर में खेल भावना और उत्साह का माहौल बनता गया। विभिन्न आयु वर्ग के प्रतिभागियों ने साइकिल यात्रा में हिस्सा लेकर स्वस्थ एवं सक्रिय जीवनशैली का संदेश दिया। साइक्लोथॉन का समापन नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्टेडियम में हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे खेल राज्य मंत्री श्री गौरव गौतम ने खिलाड़ियों और युवाओं का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने राष्ट्रीय खेल दिवस के महत्व को रेखांकित करते हुए युवाओं से खेलों को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि खेल केवल पदक जीतने का माध्यम नहीं हैं, बल्कि खेलों के माध्यम से अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना विकसित होती है। स्वस्थ युवा ही मजबूत समाज और सशक्त राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। खेल राज्य मंत्री श्री गौरव गौतम ने कहा कि राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर हॉकी के महान जादूगर मेजर ध्यानचंद जी की जयंती के अवसर पर पलवल कम्युनिटी सेंटर से आयोजित साइकिल यात्रा में युवाओं, खिलाडि?ों और आमजन के साथ सहभागिता कर मुझे अत्यंत प्रसन्नता हुई। मेजर ध्यानचंद जी का जीवन हमें अनुशासन, समर्पण और राष्ट्र के प्रति गौरव की प्रेरणा देता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'फिट इंडिया' और खेलों को जन-आंदोलन बनाने के संकल्प को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा निरंतर मजबूती से आगे बढ़ा रहा है। मेरा युवाओं से आह्वान है कि वे खेलों और नियमित व्यायाम को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। स्वस्थ युवा ही विकसित और सशक्त हरियाणा की मजबूत नींव है। साइक्लोथॉन का उद्देश्य केवल साइकिल यात्रा तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसके माध्यम से युवाओं और आमजन को खेलों तथा नियमित शारीरिक गतिविधियों के प्रति जागरूक करने का संदेश दिया गया। 'खेलेगा भारत, जीतेगा भारत' की थीम ने पूरे आयोजन को विशेष पहचान दी।

माधव क्रिकेट अकादमी को मिली जीत

गुरुग्राम। अचीवर्स क्रिकेट अकादमी के मैदान पर शनिवार को अंडर 12 डे-नाइट मैच में माधव अकादमी की टीम ने अचीवर्स जूनियर अकादमी की टीम को 4 रन से हराया। अचीवर्स जूनियर क्रिकेट अकादमी की टीम ने 139 रन का स्कोर खड़ा किया। टीम के माहिर मोर ने 72 रन की जबरदस्त पारी खेली। माधव अकादमी की ओर से शौर्य, लवसन और ऋधिक वालिया ने 1-1 विकेट चटकाए। माधव अकादमी के उज्ज्वल सिंह ने 50 रन की पारी खेली। टीम ने 24.4 ओवरों में 7 विकेट पर 135 रन बना लिए थे और मैच के संशोधित नियम के आधार पर 4 रन से जीत दर्ज की।

विमुक्त एवं घुमंतू समाज का इतिहास स्वाभिमान और वीरता की है गाथा: मुख्यमंत्री

नायब सिंह ने कहा- शिक्षा से घुमंतू समाज का संवरेगा भाग्य, बच्चों को जरूर पढ़ाएं माता-पिता

चंडीगढ़, समय जगत। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि विमुक्त एवं घुमंतू समाज का इतिहास बहुत पुराना, गौरवशाली और प्रेरणादायक है। कठिन से कठिन हालात में भी इस समाज के लोगों ने अपनी अटूट मेहनत, समृद्ध कला, अनुपम संस्कृति और अपने स्वाभिमान को सदैव जीवित रखा है। जब भी हम भारत के इतिहास और इसके स्वर्णिम अतीत को देखते हैं, तो विमुक्त और घुमंतू समाज के शूरवीरों और महापुरुषों का योगदान स्वर्ण अक्षरों में चमकता दिखाई देता है। भाई मक्खन शाह लबाना जी, जिन्होंने सच्चे गुरु की पहचान कराकर पूरी दुनिया को सही मार्ग दिखाया। भाई लखी शाह बंजारा जी एवं भाई निगाहिया जी, जिन्होंने श्री गुरु तेग बहादुर जी के पावन शरीर का अपने घर में अंतिम संस्कार कर अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। योद्धा भाई जैता जी, जो कि चांदनी चौक से गुरु साहिब का पावन शीश आनंदपुर साहिब पहुंचाकर गुरु का बेटा कहलाए। मुख्यमंत्री रविवार को अपने चंडीगढ़ स्थित आवास संत कबीर कुटीर में आयोजित हरियाणा व पंजाब की समस्त घुमंतू जातियों के प्रतिनिधिमंडल को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सिकलीगर व बंजारा समाज के हुनरमंद वीरों ने मुगलों के खिलाफ युद्ध में अचूक अस्त्र-शस्त्र बनाकर खालसा फौज को ताकत दी। भामाशाह और बंजारा समाज के नायक, जिन्होंने महाराणा प्रताप के स्वाभिमान संग्राम में रसद-सामग्री पहुंचाकर देश की रक्षा की। ये सभी हमारे राष्ट्र के असली हीरो हैं। उन्होंने कहा कि वीरता आपको अपने पूर्वजों से विरासत में मिली है। इसी राष्ट्रभक्ति के बल पर आपने आजादी के आंदोलन में अंग्रेजी हुकूमत की नाक में दम कर दिया था। इसी से बोखलाकर अंग्रेजों ने 1871 में क्रिमिनल ट्राइब्स एक्ट नाम का काला कानून बनाकर आपके देशभक्त समाज को जन्मजात अपराधी घोषित करने का घिनौना पाप किया। आजादी के बाद 31 अगस्त, 1952 को यह कलंक हमेशा के लिए मिटा, इसीलिए इस ऐतिहासिक दिन को हम विमुक्ति दिवसज के रूप में मनाते हैं। उन्होंने कहा कि केवल विमुक्ति दिवस मनाने भर से काम नहीं चलने वाला। आपको वह सब मिलना चाहिए जो अंग्रेजों ने

आपसे छीना था। आजादी के बाद लंबे समय तक शासन करने वाली सरकारों ने समाज की सुध नहीं ली और मूलभूत अधिकारों से वंचित रखा। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने देश की बागडोर संभाली, तो च्सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास का मूलमंत्र दिया। हमारी डबल इंजन सरकार इसी भावना से गरीब कल्याण के काम कर रही है। पीएम आवास योजना के तहत हरियाणा में 1.60 लाख परिवारों को पक्के मकान दिए गए। करनाल, पलवल और रोहतक में 702 घुमंतू परिवारों को प्लॉट आवंटित किए गए हैं, जो उनके सुरक्षित भविष्य की नींव है।

उन्होंने कहा कि डॉ. आंबेडकर आवास नवीनीकरण योजना के तहत मकान मरम्मत सहायता राशि 30,000 रुपये से बढ़ाकर 80,000 रुपये की गई, जिससे 85,815 परिवारों को 416 करोड़ रुपये की मदद मिली। उन्होंने कहा कि गरीब परिवारों को मात्र 500 रुपये में गैस सिलेंडर उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे 15 लाख से अधिक बहनों को लाभ मिला है। मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना के तहत बेटियों के विवाह हेतु 3.85 लाख परिवारों को 1,523 करोड़ रुपये की शगुन राशि दी गई है। मुख्यमंत्री ने घुमंतू समाज के प्रतिनिधियों का आह्वान किया कि परिस्थितियां चाहे कितनी भी कठिन हों, वे बच्चों को जरूर पढ़ाइए। शिक्षा ही वह ताकत है जो आने वाली पीढ़ियों का भाग्य बदल सकती है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार 12वीं तक मुफ्त किताबें, वर्दी व स्टेशनरी, प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए निशुल्क कोचिंग और डॉ. आंबेडकर मेधावी छात्रवृत्ति योजना के तहत 8,000 से 12,000 रुपये तक की छात्रवृत्ति दे रही है। मुख्यमंत्री ने युवाओं का आह्वान किया कि आप जमकर पढ़िए, हुनर सीखिए, खेलों में आगे बढ़िए और नशे जैसी बुरी आदतों से दूर रहकर अपने माता-पिता के सपनों को पूरा कीजिए। आप सभी प्रतिनिधि सरकार की इन योजनाओं की जानकारी घर-घर तक पहुंचाएं ताकि समाज का हर व्यक्ति सशक्त बन सके। इस अवसर पर राजेंद्र सिंह देसुजोदा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल भारतीय डीएनटी कल्याण संगठन, सतनाम सिंह संधू, हरियाणा के चेयरमैन व हरियाणा घुमंतू जाति विकास बोर्ड के चेयरमैन सरदार जसमेर सिंह बंजारा, पूर्व विधायक लक्ष्मण नापा व अन्य गणमान्य लोगू मौजूद रहे।

उद्योग और रिसर्च क्षेत्र में आगे आएं युवा : डी सुरेश

चंडीगढ़, समय जगत। हरियाणा सरकार के प्रधान सचिव डॉ. डी सुरेश के सम्मान में लोबाना भवन चंडीगढ़ में भव्य समारोह का आयोजन किया गया। इसमें प्रदेश भर की सैकड़ो सभाओं के पदाधिकारियों के अलावा व्यक्तिगत लोगों ने उन्हें स्मृति चिह्न एवं शॉल भेंट कर सम्मानित करते हुए समाज की एकता और समरसता का परिचय दिया। इससे पहले प्रधान सचिव को ढोल नगाड़ों के साथ समारोह स्थल तक ले जाया गया। सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए प्रधान सचिव डी सुरेश ने कहा कि दलित समाज की पहचान हमेशा सेवा के लिए ही जानी जाती है। यह समाज सेवा में सदैव अग्रणी रहकर कार्य करता है। समाज द्वारा दिए गए प्यार, स्नेह और सम्मान को वे हमेशा याद रखेंगे। इसके लिए समाज का दिल की गहराइयों से बहुत-बहुत आभार एवं धन्यवाद करते हैं। उन्होंने कहा कि समाज को आर्थिक एवं सामाजिक रूप से सशक्त बनाने के एकत्र होकर कार्य करना चाहिए। आजादी के बाद बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने संविधान के माध्यम से हमें बेहतर प्लेटफार्म दिया है जिसके तहत चिकित्सा के साथ प्रशासनिक सेवा क्षेत्र में भी समाज के युवा आगे आए, लेकिन औद्योगिक क्षेत्र में अपनी पहचान नहीं बढ़ा पाए। इसलिए युवाओं को उद्योगों में भाग लेने के साथ साथ रिसर्च क्षेत्र में आगे आना चाहिए ताकि इन क्षेत्रों में ज्यादा से ज्यादा युवा अध्ययन कर देश सेवा में अहम भूमिका निभा सकें। औद्योगिक और रिसर्च क्षेत्र से समाज आर्थिक रूप से और अधिक सशक्त बनेगा। उद्यमशीलता मनुष्य के सर्वांगीण विकास की कड़ी होती है। प्रधान सचिव डी सुरेश के साथ उनकी पत्नी कीर्ति, पुत्र केशव तथा बड़े भाई सेवानिवृत आईएफएस रवि भी मौजूद रहे। उनके बड़े भाई ने उन्हें समाज का अनमोल चिराग बताया। जिसने तीन बार नेशनल अवार्ड जीता। समारोह में उनके जीवन पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। वे लगभग 34 साल की सेवा के बाद 31 अगस्त को सेवानिवृत हो रहे हैं। क्रिकेट रणजी के प्रधान रहे डी सुरेश ने सेवा के दौरान सरकार की जनहितैषी एवं जन कल्याणकारी नीतियों को प्राथमिकता देते हुए कार्य किया। इसके साथ ही जीवन में वंचित समाज के हितों को प्राथमिकता दी। भारतीय प्रशासनिक सेवा में तीन दशक से अधिक समय तक जनहित, संवेदनशीलता और सामाजिक न्याय को अपनी कार्यशैली का आधार बनाने वाले अधिकारी को बहुत ही सम्मान दिया गया।

हर गर्भवती महिला की 'समृद्धि' पोर्टल के माध्यम से होगी डिजिटल मानीटरिंग: नायब सिंह

चंडीगढ़, समय जगत। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश सरकार मातृ एवं नवजात मृत्यु दर को कम करने और गर्भवती महिलाओं को समय पर बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं देने के लिए 'समृद्धि' (सेफ मदरहुड एंड चाइल्ड हेल्थ इनीशिएटिव) पहल को लागू कर रही है। सरकार का लक्ष्य है कि प्रदेश की हर गर्भवती महिला का इस पोर्टल पर पंजीकरण हो और गर्भावस्था से लेकर प्रसव तथा प्रसव के बाद तक उसके स्वास्थ्य की लगातार निगरानी की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि आधुनिक तकनीक की मदद से 'समृद्धि' पोर्टल, राज्य स्तरीय कमांड सेंटर और 102 मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य कॉल सेंटर को एक साथ जोड़ा जाएगा। इससे गर्भवती महिलाओं को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं देने, जोखिम वाली गर्भावस्था की समय पर पहचान करने और जरूरत प?ने पर गर्भवती महिलाओं को तुरंत बड़े अस्पताल में भेजने में मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि हर गर्भवती महिला का अनिवार्य

पंजीकरण कर उसे विशेष 'समृद्धि' आईडी दी जाएगी। इससे उसकी गर्भावस्था से जुड़ी सभी स्वास्थ्य संबंधी जानकारियाँ एक ही स्थान पर सुरक्षित रहेंगी। यह व्यवस्था सरकारी अस्पतालों के साथ-साथ निजी अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों में इलाज कराने वाली महिलाओं के लिए भी लागू होगी। महिला चाहे किसी भी अस्पताल में इलाज करवाए, उसकी जरूरी स्वास्थ्य जानकारी 'समृद्धि आईडी' के माध्यम से पोर्टल पर अपडेट की जाएगी। इससे गर्भावस्था से जुड़ा पूरा डिजिटल रिकॉर्ड उपलब्ध रहेगा। 'समृद्धि' व्यवस्था के तहत उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की समय पर पहचान की जाएगी। एएनएम, डॉक्टरों और स्वास्थ्य अधिकारियों को जरूरी जांच, आगामी प्रसव, फॉलो-अप और अन्य सेवाओं के लिए समय पर सूचना और अलर्ट मिलेंगे। उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं से नियमित अंतराल पर संपर्क किया जाएगा। सामान्य गर्भावस्था वाली महिलाओं से हर तीन महीने में संपर्क होगा, जबकि उच्च जोखिम वाली महिलाओं की अधिक बार निगरानी की जाएगी। प्रसव की संभावित तारीख नजदीक आने पर संपर्क और निगरानी बढ़ाई जाएगी, ताकि आपात स्थिति में तुरंत सहायता मिल सके। श्री नायब सिंह सैनी ने बताया कि राज्य स्तर पर '102 मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य कॉल सेंटर' स्थापित किया जाएगा। यहां प्रशिक्षित नर्सें गर्भवती महिलाओं को स्वास्थ्य संबंधी सलाह देंगी, जोखिम की पहचान करेंगी और जरूरत प?ने पर उन्हें उचित स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचाने में सहायता करेंगी। कॉल सेंटर के माध्यम से किसी महिला में बाद में उच्च जोखिम की स्थिति सामने आती है, तो इसकी जानकारी तुरंत कमांड सेंटर को दी जाएगी और 'समृद्धि' पोर्टल पर भी अपडेट किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के लिए समय पर इलाज और सही अस्पताल में रेफर करना बेहद जरूरी है। 'समृद्धि' के माध्यम से उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं को उचित स्वास्थ्य संस्थान तक पहुंचाने के लिए जिला और राज्य स्तर पर बेहतर समन्वय किया जाएगा। महिलाओं को उनकी स्वास्थ्य स्थिति के अनुसार प्रसव के लिए उपयुक्त अस्पताल की जानकारी दी जाएगी। जरूरत पड़ने पर उन्हें बड़े स्वास्थ्य संस्थानों में भेजने की प्रक्रिया को भी आसान बनाया जाएगा।

इंदिरा गांधी अंतरर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कार्गो की सुरक्षा होगी और मजबूत

दिल्ली, समय जगत। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट (आईजीआई) पर बढ़ते हवाई कार्गो कारोबार को देखते हुए ट्रांसशिपमेंट सामान की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की जाएगी। इसके लिए कॉमन ट्रांसशिपमेंट कार्गो सिक्योरिटी होल्ड एरिया (टीसीएसएचए) विकसित किया जाएगा। इसके तहत जरूरी सिविल इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार किया जाएगा। इस क्षेत्र में उस कार्गो को सुरक्षित रखा जाएगा, जिसे एक विमान से उतारकर दूसरे विमान से उसके अगले गंतव्य तक भेजा जाना है। ट्रांसशिपमेंट कार्गो वह सामान होता है, जो अपने अंतिम गंतव्य तक सीधे नहीं पहुंचता। रास्ते में किसी एयरपोर्ट पर विमान बदलने के दौरान इसे कुछ समय के लिए सुरक्षित रखना पड़ता है। ऐसे में सामान की निगरानी,

सुरक्षा और अधिकृत तरीके से उसकी आवाजाही महत्वपूर्ण हो जाती है। प्रस्तावित टीसीएसएचए इसी प्रक्रिया को अधिक व्यवस्थित करेगा। दिल्ली एयरपोर्ट देश के प्रमुख हवाई कार्गो केंद्रों में शामिल है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में आईजीआई पर करीब 11.09 लाख मीट्रिक टन कार्गो संभाला गया, जो पिछले वित्तीय वर्ष के मुकाबले 10.6 प्रतिशत अधिक था। एयरपोर्ट की सालाना कार्गो क्षमता करीब 18 लाख टन है। यहां दवाइयों, इलेक्ट्रॉनिक सामान, मशीनरी, औद्योगिक उत्पाद और ई-कॉमर्स से जुड़े माल समेत कई तरह के सामान की आवाजाही होती है। कार्गो कारोबार बढ़ने के साथ ट्रांसशिपमेंट की जरूरत भी बढ़ रही है।

सेवा करना है सबसे बड़ा धर्म: केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल

चंडीगढ़, समय जगत। केंद्रीय ऊर्जा, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री श्री मनोहर लाल ने कहा कि सेवा करना सबसे बड़ा धर्म है। हम सभी को अपने सामर्थ्य अनुसार अपने परिवार के साथ-साथ समाज में जरूरतमंद एवं पात्र लोगों की यथासंभव सेवा करनी चाहिए। अपने व्यवहार में सेवा के गुण को शामिल करना चाहिए। सेवा के कार्य में बढ़चढ़ कर भाग लेना चाहिए। बच्चों को सेवा भाव सीखाएं, ताकि वे आने वाले समय में अपने परिजनों का अच्छे से ध्यान रखें। केंद्रीय मंत्री रविवार को कैथल के आरकेएसडी कॉलेज में सर्व जन सुखाय ट्रस्ट कैथल की ओर से वृद्धजनों के कल्याण एवं सेवा के लिए गांव दयौरा में आनंदम वृद्ध सेवा आंगन के शिलान्यास अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में उन्होंने हरियाणा विधानसभा के उपाध्यक्ष श्री कृष्ण लाल मिड्ढा, हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री श्री कृष्ण बेदी, सांसद नवीन जिंदल व अन्य अतिथिगणों की

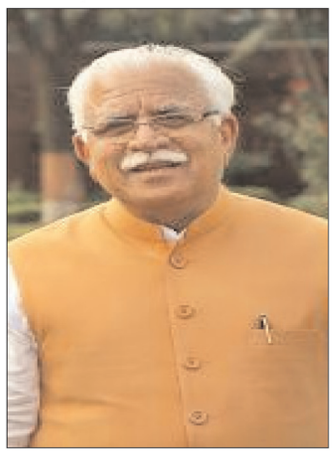

मौजूदगी में शिलान्यास पट्ट का अनावरण किया। इस दौरान केंद्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल ने कहा कि कैथल, करनाल हो या कुरुक्षेत्र की भूमि, यहां बहुत सी संस्थाएं समाज सेवा के अच्छे सराहनीय कार्य कर रही हैं। स्किल सेंटर खोलना भी सेवा का रूप हो सकता है। युवाओं को सही दिशा दिखाना भी समाज सेवा है। समाज में सबसे पहले मां अपने बच्चों को दान व सेवा की शिक्षा देती हैं। मां की शिक्षा की तरह से हमें अपने बच्चों में व स्वयं में सेवा की आदत डालनी चाहिए। उन्होंने कहा कि बचपन से जो सेवा भाव शुरू होगा, वह आगे चलकर सेवा के लिए प्रेरित करेगा। हमें अपने परिवार में जरूरतमंद एवं पात्र लोगों की सेवा तो करनी ही चाहिए, साथ में समाज में भी पात्र लोगों की सेवा करनी चाहिए। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हमारे समाज में अपनी कमाई का दसवां हिस्सा समाज सेवा में देने की परंपरा रही है। आज भी बहुत से लोग इस दिशा में काम करते हैं। हम सभी को अपनी कमाई का एक निश्चित हिस्सा समाज सेवा में जरूर लगाना चाहिए। युवाओं को भी इसके लिए प्रेरित करना चाहिए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के ओएसडी श्री प्रभलीन सिंह, ज्योति सैनी, अशोक गुर्जर, पूर्व मंत्री कमलेश ढांडा, पूर्व विधायक लीला राम, फूल सिंह खेड़ी एवं कुलवंत बाजीगर सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

लोकहित में और सार्थक विषयों पर हो संवाद: मनोहर लाल

चंडीगढ़, समय जगत। केंद्रीय ऊर्जा, आवासन एवं शहरी मामलों के मंत्री श्री मनोहर लाल ने कहा कि संवाद में तथ्य और सच्चाई होनी चाहिए। सस्ती लोकप्रियता के लिए झूठे नारों के सहारे सुर्खियों में बने रहना उचित नहीं। संवाद जनहित में होना चाहिए। केंद्रीय मंत्री रविवार को करनाल स्मार्ट सिटी की 23. 67 करोड़ की चार परियोजनाओं के उदघाटन के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि स्मार्ट सिटी के इन प्रोजेक्ट्स से लोगों को फायदा होगा। चार-पांच प्रोजेक्ट अभी और बचे हैं जिनमें से एक बड़ा एलिवेटेड ब्रिज का है। उस पर काम जारी है। जल्दी ही इसे पूरा कराया जाएगा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा युवाओं से संवाद की कवायद जारी रखने संबंधी एक सवाल पर केंद्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल ने कहा कि संवाद करना बुरी बात नहीं है, सबको करना चाहिए। संवाद के बिना राजनीतिक पार्टी के लोग अपनी भूमिका पूरी नहीं कर पाएंगे। लेकिन संवाद में तथ्य और सच्चाई होनी चाहिए। झूठे स्लोगन और सस्ती लोकप्रियता के लिए सुर्खियों में बने रहना न समाज हित में है और न राजनीति के लिए अच्छा है। ऐसे नेताओं की कथनी और करनी में अंतर के कारण कुछ विषयों पर तो समाज में भी विरोधाभास देखने को मिलता है। उन्होंने कहा कि संवाद सार्थक विषयों पर होना चाहिए। ऐसे विषय जो युवाओं अथवा जनहित में हों। केवल भड़काने का काम उचित नहीं। खासकर

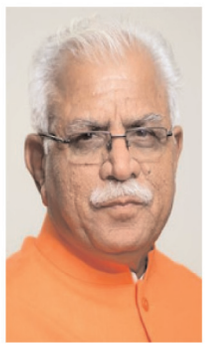

एस्टैब्लिशमेंट के विरुद्ध भडकाने का जो सिलसिला उन्होंने शुरू किया है, यह कतई उचित नहीं है, निंदनीय है। प्रधानमंत्री द्वारा भारतीयों को एक बताने संबंधी प्रश्न पर केंद्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल ने कहा कि बिल्कुल सही है, हम सब एक हैं। प्रधानमंत्री ने कहा है कि वसुधैव कुटुंबकम। पूरा विश्व एक परिवार है। उस नाते से ही सभी को आपस में सद्व्यवहार करना चाहिए। प्रधानमंत्री तीन बड़े देशों की यात्रा के दौरान दुनिया को अच्छा संदेश दे रहे हैं। वे ऐसा संदेश पहले भी देते रहे हैं और आगे भी देते रहेंगे। एक अन्य प्रश्न पर कहा कि सफाई कर्मचारियों ने उनके सम्मुख अपनी मांग रखी है जिसे वे सरकार तक पहुंचाएंगे। सरकार इस मामले में उचित निर्णय लेगी। चीनी की बढ़ी कीमतों संबंधी सवाल पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मार्केट में कभी रेट कम होते हैं, कभी ज्यादा। पहली बार रेट बढ़े हैं, ऐसा नहीं है। विपक्षी अपना समय भूल गए कि जब इन्हीं चीजों के ऊपर वे हिल जाते थे। प्याज और दालें किस सीमा तक जाती थीं, क्या चीनी उस समय महंगी नहीं हुई? अच्छी बात यह है कि सरकार ने चीनी महंगी होते ही तुरंत कदम उठाया। नतीजतन एक ही दिन में भाव 15 रुपये कम भी हुआ। मेघवाल शब्द को लेकर प्रदेश में उठे विवाद संबंधी प्रश्न पर उन्होंने कहा कि ऐसी मांग ऐच्छिक व वैकल्पिक होती हैं, किसी पर थोपी नहीं जा सकती हैं। अगर कोई एक वर्ग ऐसा है जो कहता है कि हां, हमको चमार की बजाय मेघवाल लिखवाना है, तो कोई आपत्ति थोड़ी कर सकता है। ऐसा भी विषय सरकार के विचाराधीन हो सकता है। लेकिन इसका यह अर्थ नहीं है कि उस जाति के सभी को मेघवाल दर्ज ही कराना होगा, यह कहीं अनिवार्यता नहीं हो सकती।

बंदियों को सुधार कर समाज की मुख्यधारा से जोड़ना हरियाणा सरकार का लक्ष्य : डॉ. शर्मा

चंडीगढ़, समय जगत। हरियाणा के कारागार मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि हरियाणा सरकार का उद्देश्य जेलों को केवल सजा देने की व्यवस्था तक सीमित रखना नहीं है, बल्कि बंदियों को सुधार कर समाज की मुख्यधारा में वापस लाना भी है। डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि प्रदेश की सभी जेलों में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के साथ-साथ बंदियों के सुधार, कौशल विकास और पुनर्वास के लिए कई योजनाएं बनाई गई हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के मार्गदर्शन में सरकार लगातार प्रयास कर रही है कि बंदी प्रशिक्षण प्राप्त कर आत्मनिर्भर बनें और रिहाई के बाद सम्मान के साथ समाज की मुख्यधारा में शामिल हो सकें। इसके लिए सरकार आर्थिक और प्रशासनिक स्तर पर हरसंभव प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि आधुनिक जेल व्यवस्था में सुरक्षा के साथ सुधार और पुनर्वास भी उतना ही जरूरी है। इसी सोच के साथ प्रदेश में नई जेलों का निर्माण, आधुनिक तकनीक का विस्तार और बंदियों को रोजगारपरक प्रशिक्षण देने की योजनाओं को आगे बढ़ाया जा रहा है। हरियाणा की जेलों की तस्वीर तेजी से बदल रही है। सुरक्षा के कड़े इंतजामों के साथ अब जेलों में बंदियों के सुधार और पुनर्वास पर भी उतना ही जोर दिया जा रहा है।

फसल नुकसान के आकलन को लेकर एसडीएम ने गांवों का किया निरीक्षण

किसानों से की सीधी बातचीत, प्रत्येक खेत का सर्वे कराने के दिए निर्देश

चरखारी (महोबा),। जिलाधिकारी गजल भारद्वाज के निर्देश पर उपजिलाधिकारी चरखारी अवनीश कुमार तिवारी ने सोमवार को तहसील क्षेत्र के कुरौरा डांग, फतेहपुर, दयालपुरा सहित विभिन्न ग्रामों का भ्रमण कर अतिवृष्टि से फसलों को हुए नुकसान का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने प्रभावित किसानों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और फसल क्षति के संबंध में जानकारी प्राप्त की। एसडीएम ने किसानों को भरोसा दिलाया कि फसल नुकसान का नियमानुसार सर्वे कराकर पात्र किसानों को शासन के प्रावधानों के अनुरूप सहायता उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने मौके पर मौजूद लेखपालों, बीमा कंपनी के कार्मिकों तथा कृषि विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक गांव में खुली बैठक आयोजित कर किसानों की समस्याएं सुनी जाएं और प्रत्येक खेत का स्थलीय निरीक्षण कर फसल क्षति का निष्पक्ष एवं पारदर्शी आकलन किया जाए। उन्होंने कहा कि सर्वे कार्य में किसी भी प्रभावित किसान का खेत छूटना नहीं चाहिए। किसानों से प्राप्त शिकायतों और फसल नुकसान की वास्तविक स्थिति को अभिलेखों में दर्ज करते हुए समयबद्ध तरीके से आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। एसडीएम ने किसानों को फसल क्षति से संबंधित शिकायत दर्ज कराने के लिए टोल फ्री नंबर 14447 की जानकारी भी दी। उन्होंने किसानों से अपील की कि यदि सर्वे अथवा फसल क्षति के संबंध में कोई समस्या हो तो उक्त टोल फ्री नंबर पर अपनी शिकायत दर्ज कराएं।

इस दौरान राजस्व विभाग, कृषि विभाग एवं बीमा कंपनी के संबंधित कार्मिक मौजूद रहे।

ड्राई डे पर क्लब ग्रीन पार्क में शराब परोसने का आरोप, कार्यवाही की उठी मांग

समय जगत, मनेंद्रगढ़। क्लब ग्रीन पार्क, मनेन्द्रगढ़ को लेकर 15 अगस्त 2026 के आसपास ड्राई डे के दिन शराब की बिक्री/परोसे जाने के आरोपों की सोशल मीडिया पर चर्चा सामने आई है। एक स्थानीय पोस्ट में सीधे आरोप लगाया गया है कि एनएच-43 स्थित क्लब ग्रीन पार्क में ड्राई डे के बावजूद शराब की बिक्री हुई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, क्लब ग्रीन पार्क में केवल क्लब के सदस्य ही प्रवेश कर सकते हैं। जानकारी यह भी सामने आ रही है कि कथित रूप से एमपी की अवैध शराब न केवल परोसी जाती है, बल्कि उसकी सप्लाई भी की जाती है। इस पूरे मामले में संबंधित जिला अधिकारी से कथित संरक्षण मिलने की बात भी कही जा रही है, जिसकी निष्पक्ष जांच आवश्यक है।

15 अगस्त 2026 के ड्राई डे के दिन क्लब में शराब परोसे जाने के आरोपों को लेकर शहरवासियों की मांग है कि क्लब के सीसीटीवी कैमरों की जांच की जानी चाहिए। साथ ही, उस दिन क्लब में मौजूद लोगों की भी जांच की जाए कि वे क्लब के अधिकृत सदस्य थे या नहीं।

सवाल यह भी है कि जिला आबकारी अधिकारी कार्यालय में नवीन कुमार शुक्ला से सप्ताह में दो से तीन बार क्लब ग्रीन पार्क संचालित करने वाला व्यक्ति घंटों मिलने क्यों आता है?

इस संबंध में आबकारी विभाग के डीओ नितिन कुमार शुक्ला से जानकारी लेने का प्रयास किया गया। उन्होंने कहा कि एमपी की अवैध शराब की बिक्री का वीडियो साक्ष्य के तौर पर उपलब्ध है। उनका कहना है कि वीडियो दिखाया जाए तो कार्रवाई की जाएगी। यदि विभाग इस मामले में निष्पक्ष कार्रवाई करना चाहता है, तो केवल वीडियो के आधार पर ही नहीं, बल्कि 15 अगस्त के ड्राई डे के दिन क्लब में मौजूद लोगों की जानकारी, उनकी सदस्यता तथा क्लब के सीसीटीवी फुटेज की भी जांच की जानी चाहिए। साथ ही, क्लब के सीसीटीवी कैमरों की आबकारी विभाग के अधिकारियों द्वारा प्रत्येक सप्ताह जांच कर उसकी रिपोर्ट दर्ज की जानी चाहिए, ताकि भविष्य में किसी पत्रकार द्वारा जानकारी मांगे जाने पर संबंधित विभाग के पास तथ्यात्मक रिकॉर्ड उपलब्ध हो और पारदर्शिता बनी रहे।

संक्षिप्त समाचार

पुलिस ने 01 किलो 277 ग्राम अवैध गांजा के साथ 01 अभियुक्त पकड़ा

महोबा। पुलिस अधीक्षक शशांक सिंह के कुशल निर्देशन में, अपर पुलिस अधीक्षक वन्दना सिंह के पर्यवेक्षण एवं क्षेत्राधिकारी नगर रविकांत गोंड के नेतृत्व में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी एवं बिक्री पर प्रभावी अंकुश लगाए जाने तथा संलिप्त अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना कबरई पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई। प्रभारी निरीक्षक थाना कबरई संतोष कुमार सिंह के दिशा-निर्देशन में गठित पुलिस टीम के उप निरीक्षक अनुज कुमार सिंह मय हमराह राहुल तिवारी एवं सचिन सरोज द्वारा अभियुक्त हीरालाल पुत्र टेरा धुरिया, उम्र करीब 52 वर्ष, निवासी ग्राम पहरा थाना कबरई जनपद महोबा को सूर्या ग्रेनाइट को जाने वाले रास्ते पर, बहद ग्राम गुगौरा थाना कबरई जनपद महोबा से गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त के कब्जे से एक सफेद रंग की बोरी में कुल 01 किलो 277 ग्राम अवैध सूखा गांजा बरामद हुआ। बरामदगी एवं गिरफ्तारी के आधार पर अभियुक्त के विरुद्ध थाना कबरई पर धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया बाद आवश्यक विधिक कार्यवाही अभियुक्त उपरोक्त को न्यायालय के समक्ष पेशी हेतु भेजा गया।

मेघनगर में बहेगी आस्था, भक्ति की धर्म गंगा

मेघनगर। बाहुल्य आदिवासी जिला झाबुआ के मेघनगर में करीब 28 साल बाद एक बार फिर आस्था, भक्ति और अध्यात्म धर्म की गंगा बहने जा रही है संत शिरोमणि महंत डॉ.राधे बाबा निर्मोही के सानिध्य में 5 जनवरी से 19 जनवरी 2027 तक श्रीमद्भागवत कथा एवं श्रीराम कथा महोत्सव का भव्य आयोजन किया जाएगा 15 दिनों तक चलने वाले इस धार्मिक महोत्सव में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की उम्मीद है महोत्सव का शुभारंभ भव्य कलश यात्रा के साथ होगा इसके बाद श्रद्धालु श्रीमद्भागवत कथा के साथ प्रभु श्रीराम की पावन कथा का श्रवणपान करेंगे आयोजन को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं इसी क्रम में सोमवार को रामदल अखाड़ा में श्री मुखवाणी संत शिरोमणि महंत डॉ.राधे बाबा निर्मोही के सानिध्य में मंडी प्रांगण स्थित कथा स्थल पर वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधि- विधानपूर्वक पूजा-अर्चना की गई पूजन के पश्चात आयोजन स्थल पर धर्म ध्वजा स्थापित की गई धर्म ध्वजा स्थापना के साथ ही धार्मिक महोत्सव की तैयारियों ने गति पकड़ ली है इस अवसर पर आयोजन समिति के सदस्य एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे महंत डॉ. राधे बाबा निर्मोही ने समिति सदस्यों के साथ आयोजन की विस्तृत रूपरेखा पर चर्चा की साथ ही कार्यक्रम को सफल और भव्य बनाने के लिए सदस्यों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई आयोजन समिति द्वारा कथा स्थल, श्रद्धालुओं की सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं और कार्यक्रम को भव्य स्वरूप देने को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं जनवरी में होने वाला इस धार्मिक महोत्सव में मेघनगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के श्रद्धालुओं के लिए आस्था और अध्यात्म का प्रमुख केंद्र बनने जा रहा है ।

कांग्रेस सेवादल ने किया मासिक ध्वजवंदन फहराया तिरंगा

श्योपुर, समय जगत। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के गौरवशाली इतिहास एवं संगठनात्मक परम्पराओं को सशक्त बनाए रखने के उद्देश्य से मासिक ध्वजवंदन का आयोजन डॉ भीमराव अम्बेडकर पार्क पाली रोड़ पर कांग्रेस सेवादल जिलाध्यक्ष डॉ कमल शर्मा की अध्यक्षता तथा कांग्रेस प्रदेश सचिव योगेश जाट के मुख्य आतिथ्य में राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराया कर ध्वज वंदन किया गया तथा इस अवसर पर राष्ट्र की एकता, अखंडता, लोकतंत्र एवं संवैधानिक मूल्यों को सुदृढ़ बनाने का संकल्प लेकर भारतीय संविधान की प्रस्तावना को दोहराया। इस अवसर पर संगोष्ठी में देश के वर्तमान राजनीतिक हालातों पर चिंतन कर संवैधानिक मूल्यों को सुदृढ़ बनाए रखने की शपथ ली। इस दौरान जिला कांग्रेस अध्यक्ष मांगीलाल फौजी, पूर्व अध्यक्ष अतुल चौहान, सेवादल प्रदेश सचिव रामावतार जोशी, रामकुमार उमरिया, अनवर बालापुरी, मुस्तफा दाउदी, रज्जाक अहमद, सुमेर सिंह पार्षद, नवल सिंह चौबे, मानसिंह राठौर, पीयूष शिवहरे, महेश प्रजापति रज्जाक खान, इन्दर चौहान, वहीद खान, साजिद मेव, क़ासिम, महावीर सुमन, आदि संगठन के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

वरिष्ठ पत्रकार एवं एल्डरमैन आशुतोष शुक्ला का निधन

कटनी। कटनी के वरिष्ठ पत्रकार और नगर निगम एल्डरमैन श्री आशुतोष शुक्ला जी का अचानक निधन हो गया। परिजनों के अनुसार, तबीयत बिगड़ने पर उन्हें तत्काल कटनी के एमजीएम अस्पताल ले जाया गया था। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए जबलपुर रेफर कर दिया, जहाँ उन्होंने अंतिम सांस ली। आशुतोष जी समाचार पोर्टल 'यश भारत डॉट काम' के संपादक के रूप में कार्यरत थे और भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के मीडिया प्रभारी की जिम्मेदारी भी संभाल रहे थे। हाल ही में राज्य सरकार ने उन्हें कटनी नगर निगम में एल्डरमैन नियुक्त किया था।

ग्वालियर खंडपीठ परिसर में प्रशासन नहीं लगा सका भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा

दतिया। आजाद समाज पार्टी के कोर कमेटी सदस्य दामोदर सिंह यादव ने अपने निवास पर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में ग्वालियर खंडपीठ परिसर में संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा के अनावरण का मुद्दा उठाते हुए आरोप लगाया कि लंबे समय से प्रतिमा अनावरण की प्रतीक्षा में हैं लेकिन प्रशासन द्वारा इस दिशा में अपेक्षित कार्रवाई नहीं की जा रही है। उन्होंने ग्वालियर जिला प्रशासन को 15 तारीख तक प्रतिमा का अनावरण कराने का अल्टीमेटम देते हुए कहा कि निर्धारित समय तक कार्रवाई नहीं हुई तो आजाद समाज पार्टी आंदोलन करेगी। उन्होंने कहा कि पार्टी बाबा साहेब की प्रतिमा स्थापित कराने के लिए आंदोलन का रास्ता अपनाने से पीछे नहीं हटेगी। दामोदर यादव ने मध्य प्रदेश में लंबे समय से छात्र संघ चुनाव नहीं होने का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में जल्द छात्र संघ चुनाव कराने की मांग की। उनका कहना था कि चुनाव होने से युवाओं को छात्र जीवन से ही राजनीतिक और सामाजिक गतिविधियों में भागीदारी का अवसर मिलेगा। उन्होंने बिहार के क्रांतिकारी नेता स्वर्गीय जगदेव सिंह बाबू कुशवाहा की कथित हत्या को लेकर शहादत दिवस मनाने की बात कही। इसके लिए हजारों कार्यकर्ताओं के साथ बिहार जाने की घोषणा भी की। मीडिया के सवालों के जवाब में उन्होंने कथित धमकियों का जिक्र करते हुए कड़ी भाषा का इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा कि आजाद समाज पार्टी संविधानवादी विचारधारा में विश्वास रखती है लेकिन जरूरत पड़ने पर आंदोलन का जवाब उसी अंदाज में दिया जाएगा। इसी दौरान उन्होंने करणी सेना पर जम कर कटाक्ष किए।

17 कर्मचारियों को मिली प्रमोशन की सौगात वर्ग तीन से हुए वर्ग दो में पदोन्नत

दतिया। शासन की योजना के अनुसार कलेक्ट्रेट में सोमवार को 17 सहायक वर्ग 3 के कर्मचारियों को बड़ी सौगात मिली। कलेक्टर स्वप्निल वानखेड़े ने विभागीय पदोन्नति समिति की अनुशंसा पर सभी कर्मचारियों को सहायक वर्ग 2 पद पर पदोन्नत कर दिया गया है। इन कर्मचारियों को मिला पदोन्नति का लाभ जिनमें मनोज कुमार वर्मा, मीना पुरोहित, वीरेन्द्र कुमार अहिरवार, माधवराव शिंदे, गोविन्द सिंह यादव, धूप सिंह, भगवान दास कुशवाहा, कन्हैया लाल साहू, विनोद कुमार बंसल, अजय कोली, कमल किशोर जाटव, किरण सक्सेना, नवीन सेन, राशिद अली, अखिलेश श्रीवास्तव, अंकुर गुप्ता और मनोज श्रीवास्तव शामिल हैं। कलेक्ट्रेट में पदोन्नति की खबर से कर्मचारियों में खुशी और उत्साह का माहौल है।

अपर एसपी ने 3 पुलिसकर्मियों को पुष्पगुच्छ/मोमेन्टों प्रदान कर दी भावुक विदाई

महोबा। उत्तर प्रदेश पुलिस में अपनी अधिवर्षता आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त होने वाले पुलिस कर्मियों की यादगार विदाई हेतु आज पुलिस अधीक्षक शशांक सिंह के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक महोबा, श्रीमती वन्दना सिंह द्वारा पुलिस लाइन में विदाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। * इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक महोबा द्वारा उ0प्र0 पुलिस सेवा से अधिवर्षता आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त होने वाले पुलिसकर्मियों को उनके परिवारीजनों की उपस्थिति में स्मृति चिन्ह, शॉल, उपहार एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया। साथ ही पुलिस सेवा के दौरान उनके द्वारा किए गए सराहनीय कार्यों को स्मरण करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य, सुखमय जीवन एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना करते हुए भावभीनी विदाई दी गई।

सेवानिवृत्त होने वाले पुलिसकर्मी- 1. मुख्य आरक्षी श्री देवीशरण 2. मुख्य आरक्षी चालक धनीराम वर्मा 3. लीडिंग फायर मैन जाहिर सिंह * उक्त विदाई समारोह के अवसर पर क्षेत्राधिकारी नगर श्री रविकान्त गोंड, प्रतिसार निरीक्षक रविन्द्र मलिक, जनपदीय पुलिस के अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण एवं सेवानिवृत्त होने वाले पुलिसकर्मियों के परिवारीजन उपस्थित रहे। सभी के द्वारा सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों को ससम्मान विदाई दी गई।

सूचना विभाग द्वारा विकास से संबंधित वृहद स्तर पर प्रदर्शनी का आयोजन

महोबा। महोबा संरक्षण एवं विकास समिति महोबा के तत्वाधान में आयोजित कजली मेला महोत्सव 2026 में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग उत्तर प्रदेश लखनऊ के द्वारा सूचना विभाग महोबा के सौजन्य से विकास से संबंधित वृहद स्तर पर प्रदर्शनी का आयोजन किया गया प्रदर्शनी का उद्घाटन मुख्य विकास अधिकारी बलराम कुमार ने फीता काटकर करते हुए प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस प्रदर्शनी में प्रदेश सरकार एवं केंद्र सरकार के द्वारा किए गए उल्लेखनीय कार्यक्रम एवं योजनाओं का सचित्र वर्णन किया गया है यह प्रदर्शनी दिनांक 4 सितंबर 2026 तक जनसामान्य के अवलोकन हेतु उपलब्ध रहेगी। कजरी मेला महोत्सव में आयोजित संस्कृत कार्यक्रमों की श्रृंखला में7 दिनांक 30 अगस्त 2026 को कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसके अंतर्गत ब्रजेन्द्र कुमार एवं अनुज सिंह द्वारा आल्हा गायन, भागीरथ भास्कर द्वारा बुंदेली गायन, देवीदीन आंसू द्वारा लोकगायन, जय नारायण सोनी द्वारा सूफी गजल गायन, प्रिन्सी डांस स्टूडियो ग्रुप द्वारा कत्थक नृत्य, अनिल प्रजापति द्वारा शिव तांडव नृत्य, प्रांजल विश्वकर्मा द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम, धीरेंद्र पांडे द्वारा नृत्य, अनीता सक्सेना द्वारा लोकगायन सहित अन्य कलाकारों के द्वारा विविध कार्यक्रमों का प्रस्तुतीकरण किया गया।कार्यक्रम का संचालन अपर्णा नायक द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी बलराम कुमार ने लोक गायको एवं कलाकारों को प्रशस्ति चिन्ह देकर स्वागत किया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं इंद्र नंदन सिंह और उपजिलाधिकारी सदर एवं जनप्रतिनिधि, संबंधित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

चिकित्सा महाविद्यालय दतिया में वेंटीलेशन कार्यशाला आयोजित

दतिया। शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय दतिया में अधिष्ठाता डॉ. दीपक सिंह मरावी के मार्गदर्शन में शिशु रोग विभाग द्वारा चिकित्सकों के लिए वेंटीलेशन संबंधी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में क्रिटिकल केयर में काम आने वाले विभिन्न उपकरणों वेंटिलेटर, सी-पैप एवं हाईफ्लो नेसल कैनुला परिचालन संबंधी प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण गांधी चिकित्सा महाविद्यालय भोपाल के विषय विशेषज्ञों डॉ. अमित अग्रवाल, डॉ. नितेश उपाध्याय एवं डॉ. नवनीत खंडेलवाल द्वारा दिया गया। ज्ञात हो कि इनका प्रयोग जीवन रक्षक उपकरणों के रूप में तब किया जाता है जब मरीज खुद से साँस नहीं ले सकते एवं इनके अभाव में जीवन बचाना असंभव हो सकता है। चिकित्सा महाविद्यालय दतिया में विगत काफी समय से इन उपकरणों का प्रयोग कर बहुत सारे मरीजों की जान बचाई गई है जिन्हें इसके पहले रिफर करना मजबूरी हो जाता था। इस कार्यशाला में आईसीयू में कार्यरत 40 चिकित्सा छात्र छात्राओं और नर्सिंग ऑफिसर को प्रशिक्षित किया गया।

राष्ट्रीय ध्वज के अपमान के मामले में कार्रवाई की मांग, जेडीयू ने दिया सांकेतिक धरना

बांदा। राष्ट्रीय ध्वज की कथित अवमानना और उपेक्षा के मामले में दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग को लेकर जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) के महिला प्रकोष्ठ की जिलाध्यक्ष पिंकी प्रजापति के नेतृत्व में सोमवार को अशोक लाट तिराहे पर सांकेतिक धरना दिया गया। धरना प्रदर्शन के दौरान पार्टी पदाधिकारियों ने नरैनी के खंड विकास अधिकारी कार्यालय परिसर स्थित राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के सीएलएफ भवन की छत पर राष्ट्रीय ध्वज को कथित रूप से दयनीय और उपेक्षित अवस्था में पाए जाने के वायरल मामले को गंभीर बताते हुए निष्पक्ष जांच और जिम्मेदार अधिकारियों व कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग उठाई। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि राष्ट्रीय ध्वज देश की आन, बान और शान का प्रतीक है तथा इसके सम्मान में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जानी चाहिए। सांकेतिक धरने के बाद नगर मजिस्ट्रेट स्वयं धरना स्थल पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों से ज्ञापन लिया। जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन में वायरल प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराकर राष्ट्रीय ध्वज की कथित अवमानना के लिए जिम्मेदार लोगों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई किए जाने की मांग की गई। इस दौरान जेडीयू की प्रदेश उपाध्यक्ष शालिनी सिंह पटेल, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य रवीन्द्र नाथ गुप्ता, जिलाध्यक्ष उमाकांत सविता, काशी प्रसाद, भरत लाल कुशवाहा, श्रीराम प्रजापति, ज्योति मौर्या, सद्दाम खान, बिहारी लाल, शुभांगी गुप्ता, धर्मेंद्र कुमार समेत पार्टी के अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ग्राम पंचायत बड़ा घोसलिया में तीन दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता हुई संपन्न

उज्जैन की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त कर विजेता रही

मेंघनगर। झाबुआ जिले के मेघनगर के समीप ग्राम पंचायत बड़ा घोसलिया में आयोजित तीन दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता का भव्य समापन हुआ कबड्डी प्रतियोगिता में उज्जैन, भोपाल, बड़नगर, झाबुआ सहित आसपास के ग्रामीण अंचलों से पहुंची विभिन्न टीमों द्वारा खेल मैदान पर शानदार खेल का प्रदर्शन किया...तीन दिनों तक चले वाले मुकाबलों में खिलाड़ियों ने बेहतरीन खेल कौशल, अनुशासन और खेल भावना का परिचय दिया रोमांचक मुकाबलों का आनंद लेने के लिए बड़ी संख्या में खेलप्रेमी एवं ग्रामीणजन मैदान पर मौजूद रहे प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में उज्जैन की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त कर विजेता का खिताब अपने नाम किया विजेता टीम को ग्रामीण युवाओं की ओर से 11 हजार रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान कर सम्मानित किया गया वहीं भोपाल की टीम ने द्वितीय स्थान हासिल किया समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा मंडल अध्यक्ष रूपसिंह भूरिया, पूर्व जनपद अध्यक्ष नरवरसिंह हाड़ा, युवा पत्रकार भुपेन्द्र बरमण्डलिया सहित क्षेत्र के समाजसेवी एवं वरिष्ठजन उपस्थित रहे अतिथियों ने विजेता एवं उपविजेता टीमों के खिलाड़ियों को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया वहीं अतिथियों ने कहा कि खेल युवाओं के शारीरिक एवं मानसिक विकास के साथ- साथ अनुशासन, एकता और आपसी भाईचारे की भावना को भी मजबूत करता हैं ग्रामीण क्षेत्रों में इस प्रकार की खेल प्रतियोगिताएं से प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का बेहतर मंच प्रदान करती हैं समापन अवसर पर आयोजक समिति ने प्रतियोगिता में शामिल सभी टीमों, खिलाड़ियों, अतिथियों एवं दर्शकों के प्रति आभार व्यक्त किया प्रतियोगिता को सफल बनाने में आयोजन समिति के सदस्यों और ग्राम के युवा साथियों का विशेष सहयोग रहा।

गांव से अनुभाग तक अब हर मंगलवार होगी जनसुनवाई

श्रीमती नेहा मीना ने आदेश जारी कर जनसुनवाई व्यवस्था को बनाया और अधिक प्रभावी

सिवनी। आम नागरिकों की शिकायतों, समस्याओं एवं मांगों के त्वरित, पारदर्शी एवं संतुष्टिपूर्ण निराकरण के लिए कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना ने जिले में जनसुनवाई व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने के संबंध में आदेश जारी किया है। यह व्यवस्था इसी मंगलवार से प्रभावी होगी। इसके तहत अब ग्राम पंचायत से लेकर अनुभाग स्तर तक जनसुनवाई आयोजित की जाएगी, ताकि नागरिकों को अपनी समस्याओं के निराकरण के लिए जिला मुख्यालय नहीं आना पड़ेगा और स्थानीय स्तर पर ही संबंधित अधिकारियों की मौजूदगी में उनकी समस्याओं पर कार्रवाई सुनिश्चित हो सके।

आदेश के अनुसार जिले के सभी अनुभागों में प्रत्येक मंगलवार को प्रातः 11 बजे से जनसुनवाई समाप्त होने तक अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) की अध्यक्षता में अनुभाग स्तरीय जनसुनवाई होगी। इसमें ब्लॉक एवं अनुभाग स्तर के सभी संबंधित विभागीय अधिकारी अनिवार्य रूप से उपस्थित रहेंगे और अपने विभाग से संबंधित शिकायतों एवं आवेदनों की सुनवाई कर नियमानुसार निराकरण की कार्रवाई करेंगे। अनुभाग स्तर के अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिला स्तरीय जनसुनवाई से भी जुड़े रहेंगे, जिससे जिला और अनुभाग स्तर के बीच प्रभावी समन्वय बना रहे।

ग्राम पंचायत में मौजूद रहेंगे पटवारी, सचिव और रोजगार सहायक: जिले की सभी ग्राम पंचायतों में भी प्रत्येक मंगलवार को प्रातः 11 बजे से जनसुनवाई आयोजित होगी। एसडीएम द्वारा तैयार रोस्टर के अनुसार संबंधित पटवारी, पंचायत सचिव एवं रोजगार सहायक ग्राम पंचायत स्तरीय जनसुनवाई में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहेंगे। संबंधित कर्मचारी उक्त दिवस पूरे समय ग्राम पंचायत कार्यालय में उपस्थित रहकर ग्रामीणों की समस्याओं एवं आवेदनों पर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे। जनसुनवाई की जानकारी गांव-गांव तक पहुंचाने के लिए कोटवारों, पंचायत सचिवों एवं अन्य मैदानी शासकीय अमले के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार भी कराया जाएगा। जिन अनुभागों में दो तहसीलें हैं, वहां एसडीएम एक सप्ताह मुख्यालय की तहसील तथा अगले सप्ताह दूसरी तहसील में जनसुनवाई आयोजित करेंगे। जनसुनवाई के बाद सीएम हेल्पलाइन में लंबित शिकायतों की समीक्षा भी अनिवार्य रूप से की जाएगी।कलेक्टर श्रीमती मीना ने शिकायतों के निराकरण में विभागों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। राजस्व, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य, विद्युत वितरण कंपनी सहित सभी संबंधित विभाग प्राप्त शिकायतों का नियमानुसार एवं निर्धारित समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करेंगे। समय-सीमा में शिकायत का निराकरण नहीं होने पर संबंधित मैदानी अधिकारी की जिम्मेदारी तय की जाएगी।

भूमि के नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन आदि से जुड़े ऐसे न्यायालयीन प्रकरण, जिनमें विधिक प्रक्रिया के तहत पूर्व में आदेश पारित हो चुके हैं, उन्हें सामान्य शिकायत के रूप में निराकृत करने के स्थान पर आवेदक को संबंधित वैधानिक प्रक्रिया से अवगत कराया जाएगा।

एमएसडब्ल्यू-बीएसडब्ल्यू सत्रप्रारंभ उत्सव आयोजित विद्यार्थियों को सामाजिक नेतृत्व का दिया संदेश

सिलवानी। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद, विकासखंड सिलवानी (जिला रायसेन) द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-27 के एमएसडब्ल्यू (मास्टर ऑफ सोशल वर्क) एवं बीएसडब्ल्यू (बैचलर ऑफ सोशल वर्क) पाठ्यक्रमों का सत्रप्रारंभ उत्सव शासकीय महाविद्यालय सिलवानी में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को समाज सेवा, नेतृत्व क्षमता एवं ग्राम विकास के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का बोध कराया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदीप कुशवाहा (पार्षद, नगर परिषद सिलवानी), गोविंद नामदेव (शिक्षक एवं समाजसेवी) तथा विजय सोनी (शिक्षक एवं समाजसेवी) रहे। अतिथियों ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अतिथियों के स्वागत के पश्चात विकासखंड समन्वयक ने उपस्थित छात्र-छात्राओं को सत्रप्रारंभ कार्यक्रम की रूपरेखा एवं पाठ्यक्रम की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह पाठ्यक्रम मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के माध्यम से महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, चित्रकूट (सतना) से संबद्ध है तथा इसका उद्देश्य विद्यार्थियों में सामाजिक उत्तरदायित्व और नेतृत्व क्षमता का विकास करना है। इस अवसर पर गोविंद नामदेव ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में राष्ट्रहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से ग्राम स्तर पर सकारात्मक नेतृत्व प्रदान करने तथा गरीब एवं वंचित वर्ग के उत्थान के लिए समर्पित होकर कार्य करने का आह्वान किया। विजय सोनी ने कहा कि यह पाठ्यक्रम केवल शैक्षणिक अध्ययन तक सीमित नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों को अपने प्रयोगशाला ग्राम में सामाजिक विषयों पर कार्य करने और पात्र हितग्राहियों तक शासकीय योजनाओं का लाभ पहुंचाने का अवसर भी प्रदान करता है।

संक्षिप्त समाचार

मूलभूत सुविधाएं नहीं मिलने से नाराज वार्ड वासियों ने किया नगर पालिका का घेराव

समय जगत, मंडीदीप । राजधानी से लगी औद्योगिक नगरी की नगर पालिका के वार्ड नंबर 1 में अव्यवस्थाओं को लेकर रहवासियों द्वारा दो सप्ताह पहले नगर पालिका को आवेदन दिया गया था। मगर जिम्मेदारों द्वारा कोई काम नहीं किया गया वार्ड में जिससे नाराज रहवासियों ने सोमवार सुबह 11 बजे सैकड़ों की संख्या में इकट्ठा होकर पैदल मार्च करते हुए नगर पालिका परिसर पहुंचे ।वार्ड वासी इससे पहले नगर के मुख्य मार्गों से निकलते हुए नारे लगाये भोजपुर विधायक सुरेंद्र पटवा से भी नाराजगी दिखाई दी। कांग्रेस नेता राम मणि द्विवेदी ने वार्ड की समस्याओं का लिखित में आवेदन नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि राजेंद्र अग्रवाल के हाथों में सौंपा ओर चेतावनी दी कि अगर जल्द वार्ड की समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो आगे बड़ा आंदोलन करेंगे।

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत 196 तीर्थ यात्री मथुरा-वृंदावन के लिए हुए रवाना

सिवनी । मुख्यमंत्रीद्वतीर्थद्वदर्शनद्वयोजना के अंतर्गत सिवनी जिले के 196 तीर्थ यात्री आज मथुरा-वृंदावन की तीर्थ यात्रा के लिए रवाना हुए। यात्रा का आयोजन 30 अगस्त से 02 सितंबर 2026 तक किया जा रहा है। जिले के विभिन्न क्षेत्रों से चयनित पात्र श्रद्धालु इस यात्रा के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि मथुरा एवं वृंदावन के प्रमुख धार्मिक स्थलों के दर्शन करेंगे। यात्रा पर रवाना होने से पहले नगर पालिका अध्यक्ष श्री ज्ञानचंद सनोडिया सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने तीर्थ यात्रियों का तिलक एवं माला पहनाकर स्वागत किया। जनप्रतिनिधियों ने श्रद्धालुओं को मंगलमय एवं सुखद यात्रा की शुभकामनाएं दीं। इसके पश्चात बस को हरी झंडी दिखाकर छिंदवाड़ा के लिए रवाना किया गया। जिले से रवाना हुए सभी तीर्थ यात्री बस के माध्यम से छिंदवाड़ा पहुंचेंगे, जहां से वे ट्रेन द्वारा मथुरा-वृंदावन की यात्रा करेंगे। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को मथुरा एवं वृंदावन के प्रमुख धार्मिक एवं तीर्थ स्थलों के दर्शन का अवसर मिलेगा। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना प्रदेश शासन की महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी योजना है, जिसके माध्यम से पात्र श्रद्धालुओं को देश के प्रमुख तीर्थ स्थलों की यात्रा कराई जाती है। योजना के तहत सिवनी जिले से इस चरण में 196 यात्रियों का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, जिसके अंतर्गत चयनित श्रद्धालु आज तीर्थ यात्रा के लिए रवाना हुए ।तीर्थ यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल रहा। यात्रा पर रवाना होते समय श्रद्धालुओं ने मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के माध्यम से तीर्थ दर्शन का अवसर मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त की और शासन के प्रति आभार जताया।

भगवान लव-कुश जी का जन्मोत्सव श्रद्धा एवं उत्साह के साथ संपन्न

समय जगत, बैरसिया। भगवान लव-कुश मंदिर ग्राम चपड़िया में भगवान लव-कुश जी का जन्मोत्सव श्रद्धा, भक्ति एवं सामाजिक समरसता के वातावरण में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणजन, समाजबंधु एवं क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजमल कुशवाहा पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष ने कहा कि कुशवाहा समाज सदैव कर्मठता, स्वाभिमान और उच्च संस्कारों का प्रतीक रहा है। भगवान लव-कुश का आदर्श जीवन हमें ज्ञान, शौर्य, अनुशासन और पराक्रम के साथ श्रेष्ठ व्यक्तित्व निर्माण की प्रेरणा देता है ।उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि विद्यार्थी जीवन को मोबाइल की आभासी दुनिया और नशे जैसी बुराइयों से दूर रखकर शिक्षा, मेहनत और सकारात्मक सोच के साथ अपने भविष्य को सशक्त बनाएं ।मुख्य अतिथि योगेश मानसिंह कुशवाह ने कहा कि जब घर का बेटा-बेटी शिक्षित होकर आगे बढ़ता है, तो केवल एक परिवार नहीं बल्कि आने वाली कई पीढ़ियों का भविष्य उज्ज्वल होता है। शिक्षा ही समाज की सबसे बड़ी शक्ति है। वहीं विशेष अतिथि कुबेर सिंह गुर्जर एवं रामकिशन कुशवाह सहित अन्य अतिथियों ने भी समाज में शिक्षा, संस्कार और एकता के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर लक्ष्मीनारायण कुशवाह, मंडल अध्यक्ष अंशुल आगर, सरपंच देवेंद्र कुशवाह, शिक्षक हरिशंकर कुशवाह, हरिओम कुशवाह, फत्तूलाल कुशवाह, दीपक कुशवाह, अमरसिंह कुशवाह, बिहारीलाल कुशवाह, देवीसिंह कुशवाह, संजीव कुशवाह, हेमंत कुशवाह, पार्षद संजय कुशवाह, पार्षद कमलेश कुशवाह, राजकुमार कुशवाह सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं समाजजन उपस्थित रहे ।साथ ही आयोजन समिति के भगवत सिंह कुशवाह, हरिसिंह कुशवाह, मदनलाल कुशवाह, किशनलाल कुशवाह, नंदराम कुशवाह, दीनदयाल कुशवाह, हमीर सिंह कुशवाह, वृंदावन कुशवाह, लक्ष्मीनारायण कुशवाह, रमेश कुशवाह, सोनू कुशवाह, तुलसीराम कुशवाह एवं समस्त ग्रामवासियों ने कार्यक्रम को सफल बनाया।

400 करोड़ की लागत से बनी सड़क दो-तीन साल में बदहाल, हाईवे पर जगह-जगह बड़े गड्ढे और पुलों में दरारें

औबेदुल्लागंज। औबेदुलागंज क्षेत्र में करीब 400 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित सड़क/हाईवे की गुणवत्ता को लेकर सवाल उठने लगे हैं। निर्माण के महज दो-तीन साल के भीतर ही सड़क की हालत खराब होने लगी है। हाईवे पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं, वहीं कुछ पुलों पर भी दरारें दिखाई देने लगी हैं। ऐसे में वाहन चालकों और राहगीरों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। बताया जा रहा है कि इस मार्ग का निर्माण एनएचएआई (ह्यढ्ढ) की देखरेख में कराया गया था। करोड़ों रुपये खर्च होने के बाद भी सड़क का इतनी जल्दी खराब होना निर्माण गुणवत्ता और रखरखाव व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है।

हाईवे पर बने गड्ढों के कारण तेज रफ्तार वाहनों के अचानक असंतुलित होने की आशंका बनी रहती है। वहीं पुलों पर दिखाई दे रही दरारें यदि समय रहते गंभीरता से नहीं ली गई तो भविष्य में यह बड़े हादसे का कारण बन सकती हैं।

स्थानीय लोगों और वाहन चालकों ने संबंधित विभाग से मांग की है कि पूरे मार्ग का तकनीकी निरीक्षण कराया जाए। सड़क पर बने गड्ढों की तत्काल मरम्मत के साथ पुलों की भी विशेषज्ञों से जांच कराई जाए, ताकि किसी संभावित दुर्घटना को समय रहते रोका जा सके।

करोड़ों खर्च, फिर भी सवाल: स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि सड़क निर्माण पर वास्तव में इतनी बड़ी राशि खर्च हुई है, तो कुछ ही वर्षों में सड़क की हालत खराब होना गंभीर विषय है। लोगों ने मांग की है कि सड़क निर्माण में इस्तेमाल सामग्री, निर्माण की गुणवत्ता और संबंधित ठेकेदार की जिम्मेदारी की जांच कर जवाबदेही तय की जाए।

अब सवाल यह है कि करोड़ों रुपये खर्च होने के बाद भी सड़क इतनी जल्दी खराब क्यों हो रही है और पुलों में दरारें कैसे आ रही हैं? संबंधित विभाग द्वारा समय रहते कार्रवाई नहीं की गई तो यह लापरवाही किसी बड़े हादसे को न्योता दे सकती है।

भाई की कलाई पर राखी, सिर पर हेलमेट जरूरी पुलिस ने रक्षाबंधन पर दिया बहनों को संदेश

समय जगत, भ्याना। सारंगपुर प्रखंड के खंड पाल्या माताजी की दुर्गा वाहिनी की बहनों द्वारा थाना लीमा चौहान में रक्षा सूत्र बांधकर रक्षाबंधन का कार्यक्रम मनाया। देश के विभिन्न थानों में बहनों और स्कूली छात्राओं ने थाना प्रभारियों व पुलिसकर्मियों की कलाई पर राखी बांधकर उनकी लंबी उम्र और सुरक्षा की कामना की। थाना प्रभारी गोविंद मीणा एवं बहनों ने आपसी प्रेम, भाईचारे और स्नेह के साथ रक्षाबंधन पर्व मनाया।

थाना प्रभारी ने बहनों से कहा—हेलमेट पहनकर ही वाहन चलाएं: थाना प्रभारी गोविंद मीणा ने बहनों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करते हुए हेलमेट पहनकर वाहन चलाने की अपील की। उन्होंने कहा कि दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनना अपनी सुरक्षा के लिए बेहद जरूरी है। इस अवसर पर दुर्गा वाहिनी की बहन कुमारी निकिता सौराष्ट्रीय कुमारी अंजली पाटीदार कुमारी रितिका पाटीदार एवं बजरंग दल से विपिन टेलर प्रवीण पाटीदार राहुल पाटीदार विष्णु पुलिस अधिकारी एवं भाई बहन उपस्थित रहे।

बच्चों से सवाल पूछे तो जवाबों ने बढ़ाया भरोसा, शैक्षणिक स्तर मिला संतुष्टिपूर्ण

एक्सीलेंस स्कूल की परखी व्यवस्थाएं, शैक्षणिक स्तर सामान्य से बेहतर मिला, शिक्षकों को गुणवत्ता सुधार के निर्देश

समय जगत, सारंगपुर । स्कूल की पढ़ाई सिर्फ कक्षाओं और किताबों तक सीमित है या बच्चे वास्तव में कितना समझ रहे हैं, इसकी पड़ताल करने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग के ओएसडी सीएस सोलंकी ने विद्यार्थियों से सीधे सवाल किए। बच्चों ने पूछे गए सवालों के सही जवाब देकर अपना शैक्षणिक स्तर बेहतर होने का भरोसा दिया। इसके बाद ओएसडी ने स्कूल की शिक्षण व्यवस्था से लेकर स्वच्छता और मूलभूत सुविधाओं तक का जायजा लिया।

बच्चों से संवाद कर परखा शैक्षणिक स्तर : जन विश्वास अभियान के तहत 29 अगस्त को ओएसडी सीएस सोलंकी ने सारंगपुर के मॉडल स्कूल एवं एक्सीलेंस स्कूल का निरीक्षण किया। उन्होंने कक्षाओं में विद्यार्थियों की उपस्थिति, शैक्षणिक गतिविधियों और शिक्षण व्यवस्था की जानकारी ली। इस दौरान छात्र-छात्राओं से सीधे संवाद करते हुए पढ़ाई से जुड़े प्रश्न पूछे गए। विद्यार्थियों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए। निरीक्षण में उनका शैक्षणिक स्तर सामान्य से अधिक पाया गया।

शिक्षकों से चर्चा, सुधार पर फोकस : ओएसडी ने विद्यालय के प्राचार्य एवं शिक्षकों से चर्चा कर शिक्षा की गुणवत्ता में निरंतर सुधार के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षण गतिविधियों को और प्रभावी बनाने पर जोर दिया। साथ ही शिक्षकों से विद्यार्थियों की सीखने की क्षमता के अनुरूप शिक्षण पद्धति अपनाने और कक्षा में बेहतर शैक्षणिक माहौल बनाए रखने की बात कही।

सुविधाओं और स्वच्छता की भी जांच : निरीक्षण के दौरान विद्यालय में उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं, स्वच्छता व्यवस्था और परिसर की व्यवस्थाओं का भी अवलोकन किया गया। सोलंकी ने विद्यालयीन व्यवस्थाओं को और अधिक प्रभावी एवं गुणवत्तापूर्ण बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने शासन की योजनाओं का विद्यार्थियों तक समुचित लाभ पहुंचाने और उनके क्रियान्वयन में किसी तरह की कमी नहीं रखने के लिए भी कहा। निरीक्षण के दौरान विकासखंड शिक्षा अधिकारी सुरेश बिरमाल, उत्कृष्ट विद्यालय की प्राचार्य पूजा विजयवर्गीय सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

टीबी मुक्त भारत अभियान को मिलेगी नई रफ्तार

गैरतगंज। टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत सिविल हॉस्पिटल गैरतगंज एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र देहगांव में क्यनोवा जागरूकता एवं प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मेरा युवा भारत माता को टीबी के प्रमुख लक्षण, बचाव, जांच, उपचार तथा टीबी मुक्त भारत अभियान में युवाओं की भूमिका के संबंध में विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में माय भारत की डिप्टी डायरेक्टर मोनिका मेम, डॉ. नीलेश चौरसिया, बी जय नारायण शर्मा, एसटीएस संतोष सिंह जाटव, एसटीएलएस विनीत खरे, टबीएचवी राम सिंह ओढ़ देहगांव एमपीएस राजेश खरारे सहित स्वास्थ्य विभाग की टीम एवं अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

अधिकारियों ने स्वयंसेवकों का बढ़ाया उत्साह

कार्यक्रम के दौरान अनुविभागीय अधिकारी राजस्व गैरतगंज श्री हर्षित चौधरी, ब्लॉक मेडीकल आफ़ीसर डॉ. संदीप यादव, डाक्टर नीलेश चौरसिया,तथा बीपीएम संजीव तिग्गा ने कार्यक्रम स्थल पर पहुंचकर माय भारत वालिंटियरो से मुलाकात की। अधिकारियों ने टीबी मुक्त भारत अभियान में युवाओं की सक्रिय भागीदारी की सराहना करते हुए उन्हें समुदाय के बीच जाकर टीबी के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए प्रोत्साहित किया।

उन्होंने स्वयंसेवकों से अपील की कि वे लोगों को टीबी के लक्षणों की पहचान, समय पर जांच और नियमित उपचार के महत्व के बारे में जानकारी दें तथा जरूरतमंद लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ने में सहयोग करें।

टिमरनी नगर परिषद क्षेत्र में आयोजित होगा मुख्यमंत्री जन विश्वास शिविर

समय जगत, हरदा। कलेक्टर के निर्देशानुसार नगरीय क्षेत्र टिमरनी में मुख्यमंत्री जन विश्वास शिविर का आयोजन 3 सितंबर को प्रात : दस बजे से वन विभाग के डिपो हाल स्टेशन टिमरनी में आयोजित होगा। शिविर में विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं एवं समस्याओं के निराकरण की कार्यवाही की जावेगी। मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर परिषद टिमरनी ने नागरिक गणों से अपील की है कि आयोजित मुख्यमंत्री जन विश्वास शिविर स्थान वन विभाग डिपो हाल स्टेशन टिमरनी में दिनांक 3 सितंबर को प्रात :दस बजे से पांच बजे तक अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर शिविर का लाभ प्राप्त करें।

समय सीमा बैठक में कलेक्टर डॉ. मिश्रा ने दिए सख्त एवं समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश

महिला एवं बाल विकास विभाग को आंगनवाड़ी व्यवस्थाओं में सुधार, पोषण सामग्री वितरण की प्रभावी मॉनिटरिंग और रिकॉर्ड संधारण के निर्देश

राजगढ़, समय जगत। कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा द्वारा सोमवार को आयोजित समय सीमा बैठक में विभागवार कार्यों, लंबित प्रकरणों एवं शासन की योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने सभी पटवारी एवं सचिवों को अनिवार्य रूप से ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करने तथा उपस्थिति दर्ज नहीं करने पर वेतन रोकने के निर्देश दिए। मोबाइल पशु चिकित्सा इकाई द्वारा सार्थक ऐप पर उपस्थिति दर्ज नहीं करने पर कार्रवाई के निर्देश दिए गए। उद्योग विभाग के दोनों निरीक्षकों का उद्यम क्रांति योजना के प्रकरण समय पर प्रस्तुत नहीं करने पर वेतन रोकने तथा पशुपालन विभाग के उप संचालक द्वारा प्रकरण बैंक में समय पर प्रस्तुत नहीं करने पर वेतन रोकने के निर्देश दिए। जर्जर शाला भवनों का पुनः सत्यापन कराने तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत डॉ. इच्छित गढ़पाले को प्रत्येक जर्जर शाला में उपयंत्री के साथ बैठक कर आवश्यक कार्य कराने के निर्देश दिए।

खिलचीपुर एवं माचलपुर के उपयंत्री द्वारा छात्रावासों का किराया निर्धारण नहीं किए जाने पर एक-एक वेतनवृद्धि रोकने हेतु कार्रवाई के निर्देश दिए गए। कलेक्टर डॉ. मिश्रा ने ऊर्जा विभाग के विद्युत बिलों का समय पर भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि शासकीय विभागों द्वारा बिजली बिलों का समय पर भुगतान नहीं किए जाने की स्थिति में संबंधित शासकीय भवनों की विद्युत आपूर्ति विच्छेदित की जा सकती है।

कलेक्टर डॉ. मिश्रा ने महिला एवं बाल विकास विभाग को आंगनवाड़ी व्यवस्थाओं में आवश्यक सुधार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। खराब एवं अनुपयुक्त निजी भवनों में संचालित आंगनवाड़ियों को चिन्हित कर उपयुक्त एवं बेहतर भवनों में स?थानांतरण कराने तथा परियोजना अधिकारी (ब?लॉक) कार्यालयों को भी बेहतर स्थानों पर संचालित कराने को कहा। सक्षम आंगनवाड़ियों में आरओ, टीवी एवं बेबी टॉयलेट की स्थापना प्राथमिकता से कराने तथा जिले की 16 अप्रारंभ आंगनवाड़ियों का कार्य शीघ्र शुरू कराने के निर्देश दिए। जिला शहरी विकास अधिकारी से संबंधित फाइल पर स्पष्टिकरण भी मांगा गया। उन्होंने पोषण ट्रैकर ऐप पर स्वास्थ्य विभाग एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के गर्भवती महिलाओं से संबंधित डेटा का पुनः सत्यापन कराने के निर्देश दिए।

समूह की दीदियों द्वारा वितरित किए जा रहे खिचड़ी-दलिया के पैकेट सभी पात्र हितग्राहियों तक व्यवस्थित रूप से पहुंचें, यह सुनिश्चित करने के लिए सभी एसडीएम को निर्देशित किया गया। सुठालिया में दलिया-खिचड़ी वितरण की व्यवस्था पर असंतोष व्यक्त करते हुए जिम्मेदारी निर्धारित करने तथा वितरण की रिकॉर्ड कीपिंग, नियमित निगरानी एवं मॉनिटरिंग महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा अनिवार्य रूप से करने के निर्देश दिए गए। सभी पर्यवेक्षकों की सार्थक ऐप पर उपस्थिति सुनिश्चित करने तथा सभी कनिष्ठ सांख्यिकी अधिकारी को री-केवायसी प्राथमिकता से पूर्ण कराने के निर्देश भी दिए गए।

मुख?य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत डॉ. गढ़पाले ने पशुपालन विभाग में एल1 एवं एल 2 स्तर की शिकायतों के कमजोर निराकरण पर संबंधित अधिकारियों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। आगामी मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान, कुरावर की तैयारियों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को अगले 5 दिवस में सभी तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश दिए। सभी अधिकारियों को अपने-अपने संस्थानों का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लेने तथा आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने को कहा गया।

विकासखंड स्तर पर आयोजित पूर्व जनविश्वास अभियान शिविरों में प्राप्त शिकायतों एवं उनके निराकरण की रिपोर्ट सभी एसडीएम द्वारा प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। साथ ही, कृषि विभाग के प्रभारी वरि?ठ कृषि विस?तार अधिकारी खिलचीपुर श्री के.के. जाटव को निलंबन हेतु नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए।

भारत विकास परिषद का रक्तदान शिविर संपन्न

त्रैमासिक रक्तदानियों के साथ 25 दानदाताओं ने किया स्वैच्छिक रक्तदान

समय जगत, श्योपुर। रक्तदान जागरूकता अभियान के क्रम में भारत विकास परिषद् शाखा श्योपुर द्वारा आयोजित त्रैमासिक रक्तदान शिविर में 25 रक्तदानियों ने स्वैच्छिक रक्तदान किया। अपने अनुज स्व.मुकेश गुप्ता के असामायिक निधन के पश्चात उनकी प्रथम पुण्यतिथि पर 2005 में आयोजित प्रथम रक्तदान शिविर से नियमित रक्तदान करने वाले महावीर गुप्ता ने आज तीन महीने पूरे होने पर 59वीं बार रक्तदान करते हुए श्योपुर क्षेत्र में सर्वाधिक बार रक्तदान के रिकॉर्ड में 1 पायदान का सुधार किया, योग के साथ साथ हर 3 माह में नियमित रूप से रक्तदान करने वाले योग शिक्षक दिनेश साहू ने 56 वीं बार, पूर्व पार्षद राजू पारेता ने 40वीं, अशीष गुप्ता ने 23वीं, पूर्व सिविल सर्जन एवं ब्लडबैंक प्रभारी डॉ आर बी गोयल ने 20वीं और हिमांशु गुप्ता ने 17वीं बार स्वैच्छिक रक्तदान कर मानव सेवा का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया। विशेष बात यह है कि आठ दिन पूर्व ही अपनी चाची जी के निधन के कारण परिवार में शोकपूर्ण बातावरण होने के बाद भी महावीर गुप्ता उनके पुत्रअशीष गुप्ता और भतीजे हिमांशु गुप्ता ने अपने प्रत्येक तीन महीने में रक्तदान करने लोकहित के अपने क्रम को जारी रखा। आज सम्पन्न हुये शिविर में आस्था गर्ग,डॉ कविता गुप्ता, नर्सिंग आफिसर ममता राजोरिया एवं विजय कुमारी ने स्वैच्छिक रक्तदान कर मातृशक्ति की भागीदारी सुनिश्चित की। सभी रक्तदानियों को पुष्प हार और प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया। इन्होंने किया रक्तदानः रक्तदान करने वालों में डॉ आर बी गोयल, डॉ प्रदीप शर्मा, हेमंत सिंगल, सुरेंद्र मित्तल, राज मीणा, इकबाल, राजू पारेता, आस्था गर्ग, राजेंद्र शर्मा, दीपक गर्ग, राघवेंद्र गुप्ता, मुकुट बिहारी नागर, महावीर गुप्ता, डॉक्टर कविता गुप्ता, रुद्रांश गर्ग, जितेंद्र जाटव, ममता राजोरिया, हुसैन मिर्जा, आशीष गुप्ता, ओमप्रकाश मीणा, विजय कुमारी, हिमांशु गुप्ता, दिनेश साहू, आदि।

पुलिस लाइन में ब्रह्माकुमारीज ने बांधा परमात्म रक्षा सूत्र

90 सुरक्षा कर्मियों ने लिया बुराइयों से दूर रहने का संकल्प

समय जगत, खंडवा। रक्षाबंधन के पावन पर्व के अवसर पर ब्रह्माकुमारीज खंडवा द्वारा पुलिस लाइन में सुरक्षा कर्मियों के लिए विशेष आध्यात्मिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारीज की ओर से पुलिसकर्मियों को परमात्म रक्षा सूत्र बांधकर उन्हें पवित्रता, सद्भावना एवं सकारात्मक जीवन का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में बी.के. शक्ति दीदी ने रक्षाबंधन के आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि रक्षा सूत्र केवल एक धागा नहीं, बल्कि स्वयं को बुराइयों से मुक्त करने और परमात्मा से जुड़कर जीवन को श्रेष्ठ बनाने का संकल्प है। उन्होंने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महेंद्र तारनेकर जी, डीएसपी अनिल चौहान एवं आरआई शिव मंगल सिंह लोधी जी को परमात्मा रक्षा सूत्र बांधा एवं ईश्वरीय सौगत भेट की इसके पश्चात बी.के. शक्ति दीदी, बी.के. आरती दीदी एवं पावन बहन द्वारा पुलिस लाइन में उपस्थित लगभग 90 सुरक्षा कर्मियों को परमात्म रक्षा सूत्र बांधा गया। सभी सुरक्षा कर्मियों ने बड़े ही स्नेह और श्रद्धा के साथ रक्षा सूत्र बंधवाया तथा जी वन से बुराइयों को छोड़ने एवं सकारात्मक मूल्यों को अपनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महेंद्र तारनेकर जी ने रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए ब्रह्माकुमारीज द्वारा बताए गए रक्षाबंधन के आध्यात्मिक संदेश की सराहना की। कार्यक्रम में संस्था से जुड़े बी.के. सुनील भाई, बी.के. दीपक भाई एवं बी.के.श्यामा भाई भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम ने सुरक्षा कर्मियों के बीच आध्यात्मिकता, पवित्रता और सकारात्मक जीवनशैली का संदेश प्रसारित किया।

संक्षिप्त समाचार

भाजपा में संगठन को लेकर मंथन प्रदेशध्यक्ष से की मुलाकात

श्योपुर। भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष सुरेंद्र जाट ने प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल से आत्मीय मुलाकात की। इस दौरान संगठनात्मक विषयों सहित विभिन्न समसामयिक मुद्दों पर विस्तार से सार्थक संवाद हुआ। मुलाकात में पार्टी संगठन को मजबूत करने, कार्यकर्ताओं की भूमिका और संगठन से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। सुरेंद्र जाट ने प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के मार्गदर्शन और स्नेह के प्रति आभार जताते हुए कहा कि उनका मार्गदर्शन सदैव कार्यकर्ताओं को नई ऊर्जा और प्रेरणा देता है। इस मुलाकात को संगठनात्मक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। दोनों नेताओं के बीच हुई चर्चा में पार्टी की आगामी गतिविधियों और संगठन को और अधिक मजबूत बनाने से जुड़े विषय भी प्रमुखता से रहे।

गोरस में जनसंवाद कार्यक्रम पांच सितंबर को होगा आयोजित

श्योपुर। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान अंतर्गत श्योपुर जिले में 5 सितंबर शनिवार को जनसंवाद कार्यक्रम आदिवासी विकासखण्ड कराहल के ग्राम गोरस में आयोजित होगा। उल्लेखनीय है कि प्रत्येक शुक्रवार को जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किये जाने के निर्देश है, उक्त निर्देशों के क्रम में शासन द्वारा शुक्रवार के दिन अवकाश होने की स्थिति में इसके अगले दिन शनिवार को शिविर आयोजित किये जाने के निर्देश दिये गये है। इसी क्रम में 4 सितंबर को जन्माष्टमी अवकाश होने की स्थिति में 5 सितंबर शनिवार को गोरस में जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। कलेक्टर शीला दाहिमा के निर्देशन में 5 सितंबर को गोरस में आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम में ग्राम पंचायत गोरस, पिपरानी, रीछी, कलमी-ककरधा एवं कैलोर शामिल रहेंगे। इस अभियान के दौरान क्षेत्र भ्रमण, निरीक्षण एवं जनसंवाद के माध्यम से आम लोगों की शिकायतों का निराकरण किया जायेगा तथा शासकीय योजनाओं की निगरानी के साथ ही कल्याणकारी योजनाओं में शेष पात्र लोगों को लाभ देने की कार्यवाही की जायेगी। मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के तहत लगने जा रहे शिविर- जनसंवाद कार्यक्रम में भ्रमण क्षेत्र की लंबित सीएम हेल्पलाइन एवं जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों का शत प्रतिशत निराकरण किया जायेगा तथा लोक सेवा गारंटी के अधिनियम के अंतर्गत दर्ज भ्रमण क्षेत्र के लंबित प्रकरण भी निराकृत होंगे। इसके साथ ही अविवादित नामांतरण, सीमांकन एवं बटवारा के लंबित प्रकरण भी निराकृत किये जायेगे। ई-केवायसी शिविर व आयुष्मान कार्ड शिविर भी लगाए जायेगे।

विजयपुर एवं कराहल में जनसुनवाई प्रात : 11 बजे से

श्योपुर। कलेक्टर शीला दाहिमा द्वारा पूर्व में प्रत्येक मंगलवार को अनुभाग मुख्यालयों पर भी एसडीएम की अध्यक्षता में जनसुनवाई करने के निर्देश जारी किये गये है। इसी क्रम में मंगलवार 01 सितंबर को अनुभाग मुख्यालय कराहल एवं विजयपुर में प्रात : 11 बजे से दोपहर 01 बजे तक जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। संबंधित एसडीएम की अध्यक्षता में आयोजित जनसुनवाई में उप खण्ड स्तर के सभी अधिकारी मौजूद रहेंगे।

जिले में मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान है जारी

33 ग्राम पंचायतों में अधिकारियों ने किया स्कूल आंगनवाड़ी एवं शासकीय कार्यालयों का निरीक्षण

दमोह, समय जगत। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की महत्वाकांक्षी पहल जन विश्वास अभियान के अंतर्गत 29 अगस्त को बटियागढ़ में शिविर आयोजित किया गया। अभियान का मुख्य उद्देश्य शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाना तथा ऐसे पात्र नागरिकों की समस्याओं का समाधान करना है जिन्हें पात्र होने के बावजूद किसी कारणवश योजनाओं का लाभ प्राप्त नहीं हो पा रहा है। आनंद विभाग के राज्यमंत्री लखन पटेल ने कहा कि अभियान के तहत शिविरों के माध्यम से योजनाओं के हितलाभ का वितरण किया जा रहा है, साथ ही पात्र हितग्राहियों के आवेदन प्राप्त कर उन्हें अधिक से अधिक योजनाओं से लाभान्वित करने की कार्रवाई की जा रही है। इस अभियान के अंतर्गत जिले में कुल 23 शिविरों का आयोजन किया जाएगा। इस प्रकार प्रत्येक विकासखंड में औसतन लगभग तीन शिविर आयोजित कर आमजन तक योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाएगा। राज्यमंत्री ने कहा जन विश्वास अभियान के दौरान प्रशासनिक अधिकारी मैदानी स्तर पर निरीक्षण भी कर रहे हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि शासन की संचालित योजनाओं का वास्तविक लाभ समाज के अंतिम छोर पर बैठे आम नागरिक तक पहुंच रहा है या नहीं। अभियान के माध्यम से योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और पात्र हितग्राहियों को समय पर लाभ उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा बटियागढ़ शिविर में प्राप्त सभी आवेदनों की समरी तैयार की जाएगी। इसमें प्राप्त आवेदनों की संख्या, तत्काल निराकृत प्रकरणों तथा ऐसे प्रकरणों का पृथक विवरण तैयार किया जाएगा जिनके निराकरण में कुछ समय लग सकता है। सभी आवेदनों की प्रगति एवं निराकरण की विस्तृत रिपोर्ट भी उपलब्ध कराई जाएगी। कलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने कहा मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत शासन का प्रयास है कि कोई भी पात्र व्यक्ति शासकीय योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। इसी उद्देश्य से बटियागढ़ जनपद पंचायत की 33 ग्राम पंचायतों को अभियान में सम्मिलित किया गया। जिला एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों की टीमों ने इन ग्राम पंचायतों में पहुंचकर स्कूल, आंगनवाड़ी केंद्र एवं शासकीय कार्यालयों का निरीक्षण किया और योजनाओं के क्रियान्वयन की वास्तविक स्थिति का जायजा लिया।

सर्कुलेटिंग एरिया हुआ अतिक्रमण मुक्त

समय जगत, कटनी। कटनी रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए रेल प्रशासन ने सख्त कदम उठाया है। शनिवार को स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया का अधिकारियों द्वारा गहन निरीक्षण किया गया, जिसके बाद परिसर में काबिज अस्थायी अतिक्रमण पर तत्काल कार्रवाई की गई। निरीक्षण टीम में सीसीआई नावेद सिद्दीकी, एमसी एच.के. शुक्ला और सीएचआई बलवेंद्र प्रताप सिंह शामिल रहे। अधिकारियों ने जब सर्कुलेटिंग एरिया का मुआयना किया, तो वहां अव्यवस्थित ढंग से लगे चाय-पान के टपरे और अवैध दुकानें पाई गईं। इन दुकानों के कारण न सिर्फ यात्रियों के आने-जाने का रास्ता बाधित हो रहा था, बल्कि स्टेशन की स्वच्छता पर भी असर पड़ रहा था। मामले की गंभीरता को देखते हुए अधिकारियों ने मौके पर ही सफाई मित्रों की टीम बुलाई और सर्कुलेटिंग एरिया में फैले तमाम टपरों और अस्थायी निर्माण को पूरी तरह हटवा दिया। कार्रवाई के बाद पूरे क्षेत्र की गहन सफाई भी कराई गई। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि रेलवे स्टेशन परिसर को साफ-सुथरा और सुगम बनाए रखना पहली प्राथमिकता है। उन्होंने सख्त हिदायत दी कि सर्कुलेटिंग एरिया में दोबारा किसी भी तरह का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और नियम तोडने वालों पर आगे भी ऐसी ही कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

अब हाईकोर्ट से है राहत की उम्मीद

निलंबित सीएसपी नेहा पच्चीसिया की अग्रिम जमानत याचिका खारिज

कटनी। कटनी के बहुचर्चित जमीन सौदेबाजी और पद के दुरुपयोग के संगीन मामले में घिरीं निलंबित नगर पुलिस अधीक्षक नेहा पच्चीसिया और उनके मुख्य फाइनेंसर क्षितिज राज बारापात्रे की मुश्किलें और गहरा गई हैं। जिला एवं सत्र न्यायालय ने शनिवार, 29 अगस्त 2026 को अपना ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए दोनों आरोपियों की प्रथम अग्रिम जमानत याचिका को सिरे से निरस्त कर दिया। अदालत में लगातार दो दिनों तक चली सुनवाई और शनिवार को करीब 5 घंटे तक दोनों पक्षों के वकीलों के बीच चली तीखी कानूनी बहस के बाद अदालत ने केस डायरी, एसआईटी की जांच रिपोर्ट और सर्वोच्च न्यायालय के मार्गदर्शक न्यायदृष्टांतों को आधार बनाकर यह सख्त आदेश जारी किया। निचली अदालत से झटका लगने, एफआईआर दर्ज हुए 11 दिन बीत जाने और पुलिस द्वारा 10-10 हजार रुपये का इनाम घोषित होने के बाद अब आरोपियों के पास केवल मध्य प्रदेश हाईकोर्ट जाने का ही एकमात्र कानूनी सहारा बचा है। प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश सुश्री लीला लोधी ने केस डायरी का गहन अवलोकन करने के बाद अपने आदेश में स्पष्ट लिखा कि प्रकरण में विवेचना अभी अपूर्ण है, अधिरोपित अपराध अत्यंत गंभीर प्रकृति के हैं और आरोपी लगातार फरार रहकर पुलिस विवेचना में सहयोग नहीं कर रहे हैं। यदि ऐसे रसूखदार आरोपियों को अग्रिम जमानत दी जाती है, तो वे गवाहों को प्रभावित/प्रलोभित कर सकते हैं और उनके पुनः फरार होने की प्रबल आशंका है। अदालत ने अग्रिम जमानत आवेदन पत्र खारिज कर दिया। अब 11 दिनों से फरार चल रहीं पूर्व सीएसपी नेहा पच्चीसिया, क्षितिज राज और मारूफ हनफी पर 10-10 हजार का इनाम लागू है और गिरफ्तारी से बचने के लिए उनके पास केवल मध्य प्रदेश हाईकोर्ट जबलपुर में याचिका लगाने का विकल्प शेष है।

राज्यमंत्री पटैल ने नरसिंहगढ़ में 50 लाख की लागत से निर्मित होने वाले शादी घर का किया भूमिपूजन

दमोह। नरसिंहगढ़ में लगभग 6 हजार वर्गफीट क्षेत्र में सार्वजनिक उपयोग के लिए एक बड़े हॉल एवं कमरों का निर्माण किया जाएगा। इस भवन का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को विवाह आयोजन के लिए सुविधाजनक स्थान उपलब्ध कराना है। ऐसे परिवार जो निजी शादी घर या गार्डन का खर्च वहन नहीं कर सकते, वे यहां अपने पारिवारिक कार्यक्रम आयोजित कर सकेंगे। इसके साथ ही भवन का उपयोग सामाजिक बैठकों, बड़े सामुदायिक कार्यक्रमों एवं अन्य सार्वजनिक आयोजनों के लिए भी किया जा सकेगा। इस आशय के विचार आनंद विभाग के राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार लखन पटेल ने ग्राम नरसिंहगढ़ में 50 लाख की लागत से निर्मित होने वाले शादी घर के भूमिपूजन के दौरान आमजन को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। राज्यमंत्री ने कहा कि नरसिंहगढ़ एक बड़ा केंद्र होने के बावजूद यहां बड़े सामाजिक कार्यक्रमों एवं बैठकों के लिए पर्याप्त सार्वजनिक स्थान उपलब्ध नहीं था। प्रस्तावित भवन के निर्माण से इस कमी को दूर करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने ग्रामीणों से आने वाली पीढ़ी के भविष्य को ध्यान में रखते हुए विकास और सार्वजनिक सुविधाओं को लेकर सामूहिक रूप से विचार करने का आह्वान किया। उन्होंने गांवों में सार्वजनिक रास्तों पर अतिक्रमण और निर्माण की समस्या की ओर भी ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने कहा कई स्थानों पर रास्तों के बीच चबूतरे अथवा अन्य निर्माण कर दिए जाते हैं जिससे पहले जहां दो वाहन आसानी से निकल जाते थे, वहां अब एक वाहन के निकलने में भी परेशानी होती है। सार्वजनिक मार्गों को सुगम और अतिक्रमण मुक्त बनाए रखना आने वाली पीढ़ी के लिए आवश्यक है।

नगर हित के मुद्दों को लेकर नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि से सकारात्मक चर्चा

वार्डवार जनसंवाद से होगा जनसमस्याओं का समाधान

समय जगत, श्योपुर। नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि सुजीत गर्ग से उनके निवास पर नगर के विभिन्न जनहित एवं विकास कार्यों को लेकर सकारात्मक एवं विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में नगर के विभिन्न वार्डों में शेष विकास कार्यों को पूर्ण कराने, नवीन कार्यों को स्वीकृति दिलाने तथा नागरिकों से जुड़ी नगर पालिका की समस्याओं के शीघ्र निराकरण सहित अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। इस दौरान आगामी समय में वार्डवार जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित करने को लेकर भी विचार-विमर्श हुआ, जिसके माध्यम से नगर पालिका से संबंधित नागरिकों की समस्याओं एवं सुझावों को सीधे वार्ड स्तर पर सुना जाएगा और यथासंभव समस्याओं का निराकरण वार्ड में ही सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाएगा। नगर अध्यक्ष संजय मंगल ने कहा कि नगर के विकास एवं नागरिकों की सुविधाओं से जुड़े प्रत्येक जनहित के मुद्दे पर निरंतर संवाद और समन्वय आवश्यक है। नगर पालिका से संबंधित सड़क, नाली, स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल, विकास कार्यों सहित अन्य सभी जनहित के विषयों पर सकारात्मक चर्चा की गई। साथ ही, नगर अध्यक्ष संजय मंगल ने अपने आग्रह पर महिलाओं की सुविधा एवं सम्मान को ध्यान में रखते हुए महानगरों की तर्ज पर 'पिंक टॉयलेट' निर्माण के निर्णय को नगर पालिका परिषद में पारित किए जाने पर नगर पालिका अध्यक्ष एवं परिषद का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि महिलाओं के लिए पिंक टॉयलेट की सुविधा नगर के लिए एक महत्वपूर्ण एवं जनहितकारी पहल है। आने वाले समय में भी महिला सुरक्षा, स्वच्छता, सुविधा और सम्मान से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता दिलाने के लिए प्रयास जारी रहेंगे।

मेरा युवा केन्द्र द्वारा मेजर ध्यानचंद की जयंती पर खेल प्रतियोगिताएं संपन्न

खिलाड़ियों के लिए आदर्श हैं मेजर ध्यानचंद

श्योपुर। शहर के पाली रोड़ स्थित देहात थाना खेल मैदान पर युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के मेरा युवा भारत केन्द्र एवं जिला खो-खो संघ के संयुक्त तत्वावधान में गत शनिवार को हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती के अवसर पर खो-खो प्रतियोगिता एवं हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें एक सेंकड़ा से अधिक खिलाड़ियो ने भाग लेकर मेजर ध्यानचंद के प्रति सच्ची श्रृद्धांजलि प्रकट की। इस दोरान जिला खो-खो संघ के अध्यक्ष बिहारी सिंह सोलंकी, उपाध्यक्ष विष्णु सिंहल, कोच डेलन सिंह तुमराची, मेरा युवा केन्द्र से तनवी दुबे, मुक्तिबोध युवक मंडल के गिर्राज किशोर शर्मा, कोच पंकज शर्मा सहित कई खिलाड़ी मौजूद रहे। कार्यक्रम के प्रारम्भ में मेजर ध्यानचंद के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित की गई, इसके बाद खो-खो ग्राउंड की पूजा करते हुए बालक एवं बालिका वर्ग के जूनियर, सीनियर वर्ग के खिलाड़ियो के बीच मैच हुआ। इस मौके पर सम्बोधित करते हुए खो-खो संघ के अध्यक्ष श्री बिहारी सिंह सोलंकी ने कहा कि श्योपुर जिले में खेल प्रतिभाऐं राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर अपना लोहा मनवा चुकी हैं, यहां राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी मौजूद हैं तो वहीं कई खिलाड़ी अभी और है जो आने वाले दौर में हमारे जिले का नाम राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहुंचकर गौरव बढ़ायेंगे। इस दौरान बालक एवं बालिका वर्ग में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियो को मेडल एवं शील्ड भेंटकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर श्री दिनेश मंगल, श्री पूरणचंद शिवहरे, खो-खो संघ के सचिव श्री पंकज शर्मा, श्री शुभम बैरागी, शिक्षा विभाग से देवेन्द्र सिकरवार, खेल विभाग से श्री आशीष शर्मा, विनोद आदि।

स्वत्वाधिकारी, समय जगत मीडिया प्रा.लि. के लिए प्रकाशक, मुद्रक अशोक त्रिपाठी द्वारा पीजी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्रा.लि. प्लॉट नं. 18 इंडस्ट्रीयल एरिया रिछई जबलपुर म.प्र. से मुद्रित कर 1580, आईटीआई मढ़ोताल न्यूज बस्ती जबलपुर म.प्र. (482001) से प्रकाशित। संपादक **विपिन नामदेव।**
RNI-MPHIN/26/A4112 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार) सभी प्रकार के विवादों के लिए न्याय क्षेत्र जबलपुर रहेगा। **फोन :** 7000578344, 9893284868, ई-मेलः insmjagat@gmail.com